@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

वीरवार, 15 अगस्त 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 280 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

खेल पंचाट से अपील खारिज होने पर पीटी उषा ने जताई निराशा

नई दिल्ली, 14 अगस्त। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट की अपील खेल पंचाट ने खारिज कर दी है। विनेश ने पेरिस ओलंपिक में महिला 50 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन स्वर्ण पदक मुकाबले से पहले ही उनका वजन निर्धारित सीमा से 100 ग्राम अधिक आया था, जिस कारण उन्हें अयोग्य करार दिया गया था। विनेश ने हालांकि संयुक्त रजत पदक देने की मांग पर खेल पंचाट (सीएएस) में अपील दायर की थी जिस पर सुनवाई पूरी हो गई थी। विनेश की अपील पर बार-बार फैसला टल रहा था, लेकिन अब सीएएस ने उनकी अपील खारिज कर दी है जिसका मतलब है कि उनका पदक जीतने का सपना टूट गया। इस फैसले के मायने हैं कि पेरिस ओलंपिक में भारत के छह ही पदक होंगे जिसमें एक रजत और पांच कांस्य शामिल हैं। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने खेल पंचाट के विनेश फोगाट की यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के खिलाफ की गई अपील को खारिज करने पर निराशा व्यक्त की है। आईओए अध्यक्ष ने बयान में कहा, पहलवान विनेश फोगाट की यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के खिलाफ दायर अपील पर खेल पंचाट के एकमात्र पंच के फैसले से स्तब्ध और निराश हूं। पेरिस ओलंपिक खेलों में महिलाओं के 50 किलो ग्राम वर्ग में साझा रजत पदक दिए जाने के विनेश के आवेदन को खारिज करने वाले 14 अगस्त के फैसले का प्रभावी हिस्सा विशेष रूप से उनके लिए और बड़े पैमाने पर खेल समुदाय के लिए महत्वपूर्ण निहितार्थ रखता है। पिछले मंगलवार को जापान की युई सुसाकी के खिलाफ जीत सहित तीन जीत के साथ महिलाओं की 50 किग्रा फ्रीस्टाइल स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाली विनेश को अंततः स्वर्ण पदक जीतने वाली अमेरिका की सारा हिल्डेब्रांट के खिलाफ खिताबी मुकाबले से बाहर कर दिया गया

कोलकाता रेप-मर्डर केस: 18 अगस्त तक दोषियों को दी जाए फांसी: ममता बनर्जी

सिम्मी कौर बब्बर

कोलकाताए 15 अगस्त। हर गुजरते दिन का साथ कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल का मामला गरमाता जा रहा है।जहां बीजेपी लगातार पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साध रही है वहीं ममता बनर्जी भी विपक्ष के वार पर लगातार पलटवार कर रही हैं।इस कड़ी में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 18 अगस्त तक इस मामले के दोषियों को फांसी देने की मांग कर दी है. इसके साथ ही उन्होंने इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपे जाने के फैसले का स्वागत किया। बता दें कि कलकत्ता हाई कोर्ट ने इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपी है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बुधवार (14 अगस्त) को केंद्रीय जांच ब्यूरो से जल्द से जल्द लकाता बलात्कार और हत्या मामले को सुलझाने का आग्रह किया.

इसके साथ ही उन्होंने रविवार (18 अगस्त) तक दोषियों को फांसी दिए जाने की भी मांग कर दी। अहम ये है सीएम ममता बनर्जी ने दावा किया है कि इस मामले में राज्य पुलिस ने 90 प्रतिशत जांच को पूरा कर लिया है। राजनीतिक दल लगातार इस मामले के सामने आने के बाद ममता बनर्जी और राज्य सरकार को घेरने में लगे हुए हैं. वहीं अब ममता बनर्जी ने उन पर निशाना साध रहे राजनीतिक दलों पर वार किया है। ममता बनर्जी ने कहा कि राज्य सरकार ने सभी जरूरी कदम उठाए हैं और उसके बावजूद भी दुर्भावनापूर्ण अभियान चलाया जा रहा है।पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राजनीतिक दलों से कहा, आप लोग मुझे गाली दे सकते हैं और ऐसा करने के लिए आप पूरी तरह से स्वतंत्र भी हैं लेकिन पश्चिम बंगाल को गाली मत दीजिए. इस घटना के बाद हो रहे विरोध प्रदर्शनों के बाद ममता बनर्जी ने ये बात कही।

अखिलेश यादव के सामने ही भिड़े नेता

मेरठ, 14 अगस्त। सपा नेताओं में गुटबाजी और आपसी खींचतान जगजाहिर है। मंगलवार को लखनऊ में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के सामने सपाइयों में खूब घमासान हुआ। एक-दूसरे की पोल खोल दी। गंभीर आरोप लगाए गए। लोकसभा चुनाव में हार का ठीकरा एक-दूसरे पर फोड़ा गया। अखिलेश यादव ने भी नाराजगी जताई और कहा कि और बेहतर ढंग से अगर चुनाव लड़ाया जाता तो जीत होती। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने मेरठ के सपाइयों को लोकसभा चुनाव की हार पर मंथन करने के लिए लखनऊ बुलाया था। साथ ही मुजफ्फरनगर के मीरापुर विधानसभा में होने वाले उप चुनाव की तैयारियों को लेकर हिदायत देनी थी। इसमें सपा विधायक, पूर्व व वर्तमान जिलाध्यक्ष, राष्ट्रीय व प्रदेश स्तर पदाधिकारी आदि शामिल हुए। लोकसभा चुनाव में सपा कड़े मुकाबले में हारी थी। सपा प्रत्याशी सुनीता वर्मा भाजपा के प्रत्याशी अभिनेता अरुण गोविल से करीब 10 हजार वोटों के अंतर से हारी थीं। सपा की हार की वजह आपसी कलह भी रही थी।

महिला डॉक्टर की हत्या पर राहुल का गंभीर सवाल

नई दिल्ली, 14 अगस्त। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में महिला डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या से पूरा देश स्तब्ध है। इस मामले पर राजनीति भी गरमाई हुई है। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी समेत नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी इस घटना पर सवाल खड़े किए हैं। राहुल गांधी ने कहा, कोलकाता में जूनियर डॉक्टर के साथ हुई रेप और मर्डर की वीभत्स घटना से पूरा देश स्तब्ध है। राहुल गांधी ने कहा, 'महिला डॉक्टर के साथ हुए क्रूर और अमानवीय कृत्य की परत दर परत जिस तरह खुल कर सामने आ रही है, उससे डॉक्टरों के समुदाय और महिलाओं के बीच असुरक्षा का माहौल है। पीड़िता को न्याय दिलाने की जगह आरोपियों को बचाने की कोशिश हो रही है। इससे अस्पताल और स्थानीय प्रशासन पर गंभीर प्रश्न खड़े होते हैं।' राहुल गांधी ने आगे कहा, 'इस घटना ने सोचने पर मजबूर कर दिया है कि अगर मेडिकल

कॉलेज जैसी जगह पर डॉक्टर सुरक्षित नहीं हैं तो किस भरोसे अभिभावक अपनी बेटियों को पढ़ने बाहर भेजें? निर्भया केस के बाद बने कठोर कानून भी ऐसे अपराधों को रोक पाने में असफल क्यों हैं?' कांग्रेस सांसद ने आगे कहा, 'हाथरस से उन्नाव, और कठुआ से लेकर कोलकाता तक महिलाओं के खिलाफ लगातार बढ़ती घटनाओं पर हर दल, हर वर्ग को मिलकर गंभीर विचार-विमर्श कर ठोस उपाय करने होंगे। मैं इस असहनीय कष्ट में पीड़िता के परिवार के साथ खड़ा हूं। उन्हें हर हाल में न्याय मिले और दोषियों को ऐसी सज़ा मिले जो समाज में एक नजीर की तरह प्रस्तुत की जाए।' कोलकाता महिला डॉक्टर की हत्या को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने ममता बनर्जी सरकार पर निशाना साधा है। पश्चिम बंगाल के भाजपा के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा, एक व्यक्ति के गिरफ्तार होने के बाद भी डॉक्टरों का प्रदर्शन जारी है। उन्होंने आगे कहा, 'प्रदर्शन कर रहे डॉक्टर जांच से निराश हैं। जिस तरह से इस मुद्दे को दबाने की कोशिश हो रही है, उससे साफ पता चलता है कि ममता बनर्जी सरकार किसी को बचाना चाहती है। जिन लोगों को घरों में बेटियां हैं, वे महिला मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से सवाल कर रहे हैं।'

विपक्ष की सरकारें केरल, बंगाल और पंजाब में बना रहीं कश्मीर जैसे हालात

हाजीपुर, 14 अगस्त। 15 अगस्त को देश जहां आजादी का जश्न मनाता है, वहीं ठीक एक दिन पहले यानी 14 अगस्त को भाजपा बंटवारे के दंश को याद कर देश भर में विभाजन विभीषिका दिवस मनाती है। हाजीपुर में विभाजन विभीषिका दिवस के मौके पर भाजपा कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता विधायक और बिहार सरकार में मंत्री भाजपा नेता नितिन नवीन भी इस कार्यक्रम में पहुंचे। कार्यक्रम के दौरान भाजपा नेता नितिन नवीन विपक्ष पर हमले के रौ में विवादित बयान देते दिखे। उन्होंने कहा कि विपक्ष के शासन में केरल, बंगाल और पंजाब जैसे राज्यों में आज कश्मीर जैसे हालात बन गए हैं। यह मौका था देश के बंटवारे और बंटवारे के दर्द को याद करने के कार्यक्रम का, लेकिन बिहार सरकार में मंत्री नितिन नवीन मंच से दावा करते दिखे कि कांग्रेस और विपक्ष देश के कई राज्यों में कश्मीर के अलगाववादी जैसे हालात बनाने में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह कभी कश्मीर में भारत विरोधी माहौल था, आज पंजाब, बंगाल और केरल जैसे राज्यों में विपक्ष भारत विरोधी माहौल बना कर इन राज्यों को कश्मीर बनाने की कोशिश कर रहा है। भाजपा नेता ने कहा कि कश्मीर को धारा 370 को समाप्त कर देश से जोड़ दिया गया। वहीं, पंजाब और बंगाल जैसे राज्य अब नई चुनौती के तौर पर देश के सामने आ गए हैं।

भारत, ऑस्ट्रेलिया ने छठी समुद्री सुरक्षा वार्ता आयोजित की

एजेंसी

कैनबरा। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने कैनबरा में आयोजित छठी समुद्री सुरक्षा वार्ता में समावेशी विकास एवं वैश्विक कल्याण के लिए अनुकूल सुरक्षित समुद्री वातावरण को बनाये रखने के तरीकों पर चर्चा की। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय में निरस्त्रीकरण और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों की संयुक्त सचिव मुआनपुई सैयावी ने किया, जबकि ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मामलों एवं व्यापार विभाग में दक्षिण-मध्य एशिया प्रभाग की प्रथम सहायक सचिव सारा स्टोरी तथा रक्षा विभाग में अंतर्राष्ट्रीय नीति के प्रथम सहायक सचिव बर्नार्ड फिलिप ने किया। एक बयान में कहा गया है कि दोनों पक्षों ने आपसी हित के विभिन्न विषयों पर विचारों का आदान-प्रदान किया, जिसमें भारत-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा वातावरण, समुद्री डोमेन जागरुकता, मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) समन्वय, क्षेत्रीय और बहुपक्षीय जुड़ाव और समुद्री संसाधनों का सतत उपयोग शामिल है। इसमें खोज और बचाव (एसएआर), प्रदूषण प्रतिक्रिया, नीली अर्थव्यवस्था और बंदरगाह राज्य नियंत्रण में सहयोग शामिल था। उन्होंने इन क्षेत्रों में अपने द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों और साधनों पर चर्चा की।बयान में आगे कहा गया कि दोनों पक्षों ने इंडो-पैसिफिक ओशन इनिशिएटिव (आईपीओआई) के समुद्री पारिस्थितिकी स्तंभ में सहयोग के लिए आगे के रास्ते पर भी चर्चा की। उन्होंने वार्ता का अगला दौर नयी दिल्ली में पारस्परिक रूप से सुविधाजनक तिथि पर आयोजित किये जाने पर सहमति जतायी।

बंगलादेश में आपातकालीन सेवा नंबर का परिचालन बहाल

ढाका। बंगलादेश की राष्ट्रीय आपातकालीन सेवा फोन लाइन 999 का कोटा विरोध प्रदर्शन, पुलिस हड़ताल और सरकार में बदलाव को लेकर आठ दिनों के बंद रहने के बाद यह सेवा बहाल हो गयी। 'ढाका ट्रिब्यून' ने यह जानकारी दी। समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार, पांच अगस्त से फोन हेल्पलाइन सेवा पुलिस कर्मियों की अनुपस्थिति के कारण निलंबित कर दी गई थी। इस सेवा में राष्ट्रीय आपातकालीन सेवा में एम्बुलेंस, पुलिस, आग और अपराध-संबंधी सहायता शामिल है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हेल्पलाइन पर कॉल करने पर निकटतम थाने का एक पुलिस अधिकारी संपर्क करता है और उसके अनुसार आवश्यक कार्रवाई करता है।

हैरिस का साक्षात्कार लेने के लिए तैयार हैं मस्क

वाशिंगटन। अमेरिका के अरबपति उद्यमी एलन मस्क ने कहा कि वह अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर उपराष्ट्रपति एवं डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस का साक्षात्कार लेने के लिए तैयार हैं। श्री मस्क ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति एवं रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप का एक्स पर साक्षात्कार लिया था। उन्होंने जुलाई में एक्स पर कहा था कि वह श्री ट्रंप की उम्मीदवारी का समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा, मुझे एक्स पर सुश्री कमला की भी मेजबानी करके खुशी होगी। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन ने जुलाई में डेमोक्रेटिव पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारी से अपना नाम वापस ले लिया था और सुश्री हैरिस का समर्थन करने की घोषणा की थी।

बांग्लादेश में 15 अगस्त का राष्ट्रीय अवकाश रद्द; राजनीतिक दलों संग बैठक के बाद अंतरिम सरकार का फैसला

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने 15 अगस्त को राष्ट्रीय अवकाश रद्द कर दिया। इसीर दिन देश के संस्थापक और अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के पिता बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की हत्या कर दी गई थी। मुख्य सलाहकार कार्यालय के मुताबिक, सलाहकार परिषद की आज की बैठक में 15 अगस्त के अवकाश को रद्द करने को मंजूरी दी गई। इस निर्णय की घोषणा एक आधिकारिक अधिसूचना के माध्यम से की गई। सूत्रों के मुताबिक, फैसला मोहम्मद यूनुस की ओर से विभिन्न राजनीतिक दलों के साथ बैठक के एक दिन बाद आया। हालांकि, बैठक में अवामी लीग के नेता शामिल नहीं हुए। कुछ दल इस दिन को राष्ट्रीय अवकाश बनाए रखने के पक्ष में थे, जबकि कुछ इसके विरोध में थे।

यूएसएआईडी श्रीलंका को करीब 7.2 अरब रुपये देगी

एजेंसी

कोलंबो । अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएआईडी) श्रीलंका के बाजार-संचालित विकास और प्रभावी शासन प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए उसे 2.45 करोड़ डॉलर या 7.2 अरब रुपये देगी। 'द इकोनॉमी नेक्स्ट' ने यह खबर दी है। यूएसएआईडी के एशिया ब्यूरो के सहायक प्रशासक शिफर ने कहा, 'यह धनराशि श्रीलंका की विकास चुनौतियों के लिए स्थायी समाधान निकालने और देश की स्थानीय स्तर पर संचालित पहलों को और अधिक समर्थन देने के लिए है।' अमेरिकी दूतावास ने एक बयान में कहा कि यूएसएआईडी और श्रीलंका सरकार ने बाजार-संचालित विकास , पर्यावरणीय स्थिरता और सुशासन प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए विकास उद्देश्य अनुदान समझौते के माध्यम से धनराशि देने की प्रतिबद्धता जताई है।

श्रीलंका में अमेरिकी राजदूत जूली चुंग ने कहा, '1956 से, अमेरिका ने श्रीलंका में निवेश करके, उसे उद्यमशीलता के क्षेत्र में सशक्त बनाया है और जलवायु परिवर्तन तथा आर्थिक संबंधी समस्याओं को भी मजबूत किया है।

रिपोर्ट के अनुसार, 1956 से अमेरिका ने अब तक श्रीलंका को देश की कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, जल, स्वच्छता, बुनियादी ढांचे, शासन और व्यापार विकास का समर्थन करने और जरूरतमंद लोगों को मानवीय सहायता प्रदान के लिए दो अरब डॉलर (598 अरब रुपये) से अधिक की सहायता प्रदान की है। रिपोर्टों के अनुसार, यूएसएआईडी के एशिया ब्यूरो के सहायक प्रशासक माइकल शिफर ने श्रीलंका के वित्त मंत्रालय के दौरे के दौरान अतिरिक्त धनराशि देने की घोषणा की।

यूक्रेनी सेना ने रूस के कुर्स्क क्षेत्र के अंदर तक पहुंची

कीव। यूक्रेन की सेना रूस के कुर्स्क क्षेत्र में 30 किलोमीटर अंदर तक पहुंच गयी है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि उसके बलों ने 'बख्तरबंद वाहनों के साथ दुश्मन के समूहों द्वारा रूसी क्षेत्र में घुसने के प्रयासों को विफल कर दिया।

रूसी रक्षा मंत्रालय ने टोलपिनो और ओब्शची कोलोडेज के गांवों के पास यूक्रेनी सैनिकों से झड़प की जानकारी दी, जो रूस-यूक्रेन सीमा से लगभग 25 किमी और 30 किमी दूर हैं। बीबीसी रिपोर्ट के अनुसार एक वीडियो में दिखाया गया कि यूक्रेनी सेना ने सीमा से लगभग 25 किमी दूर रूस के लेवशिंका गांव तक अपने पैर जमा लिये हैं। यूक्रेनी सेना ने कहा है कि उसने कुर्स्क क्षेत्र में कई समुदायों पर कब्ज़ा कर लिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, यूक्रेनी सेना ने रूस के एक गांव गुएवो में एक प्रशासनिक सुविधा से रूसी झंडा हटाते हुए वीडियो रिकॉर्ड किया है।

इसके अलावा, उनको वीडियो में स्वेर्दलिकोवो और पोरोज में प्रशासनिक सुविधाओं पर कब्ज़ा करते हुये भी दिखाया गया है जबकि लगभग पांच हजार की आबादी वाले सुदज़ा गांव में दोनों देशों की सेनाओं की बीच संघर्ष की खबर है।

रूस के अनुसार, अधिकारियों के आपातकाल की स्थिति की घोषणा करने के बाद कुर्स्क क्षेत्र के सीमावर्ती इलाकों से 76 हजार लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। कार्यवाहक क्षेत्रीय गवर्नर अलेक्सी स्मिरनोव ने बताया कि रात क्षेत्रीय सीट कुर्स्क में एक बहुमंजिला इमारत पर यूक्रेनी मिसाइल गिरने से 15 लोग घायल हो गये। यूक्रेन के सांसद ओलेक्सी गोंचारेंको ने इस अभियान की प्रशंसा करते हुए कहा, यह हमें 100 शांति शिखर सम्मेलनों की तुलना में शांति के बहुत करीब ले जाता है।

बंगलादेश बॉर्डर गार्ड को भारत से लगी सीमा पर पीठ न दिखाने का आदेश : गृह सलाहकार सखावत

एजेंसी

ढाका । बंगलादेश की अंतरिम सरकार के गृह सलाहकार, सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर जनरल एम सखावत हुसैन ने कहा कि ÷बॉर्डर गार्ड बंगलादेश के जवानों के लिए भारत के साथ देश की सीमा पर अपनी पीठ दिखाने के दिन अब खत्म हो गए हैं।

आरक्षण विरोधी छात्र आंदोलन के दौरान घायल हुये बीजीबी सदस्यों को देखने के लिए बॉर्डर गार्ड अस्पताल का दौरा करने के बाद सखावत ने संवाददाताओं को कहा, ÷उन्होंने (शेख़ हसीना की पिछली सरकार) ने बीजीबी जैसी सेना को सीमा पर अपनी पीठ दिखाने का निर्देश दिया । उन्होंने (भारतीय बलों ने) बीजीबी को फ्लैग मीटिंग करने के लिए मजबूर किया गयाज मैंने उनसे कहा कि वे अपनी पीठ न दिखाएं। अब बहुत हो गया है। वे दिन खत्म हो गए,। 'न्यूजेजबीडी' की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने आरोप लगाया कि भारत के सीमा सुरक्षा बल ने बंगलादेश के क्षेत्र में प्रवेश करने वाले लोगों को मार डाला। गृह सलाहकार ने शेख हसीना की अपदस्थ सरकार के परोक्ष संदर्भ में कहा, उन्होंने पुलिस, रैपिड एक्शन बटालियन और अंसार सहित बलों को राक्षसों में बदल दिया था। भगवान का शुक्र है, वे बंगलादेश सेना के लिए ऐसा नहीं कर सके। हमने उन्हें ऐसा करने से प्रतिबंधित कर दिया है,।

शेख हसीना अपने खिलाफ बड़े पैमाने पर विद्रोह के बीच 5 अगस्त को भारत भाग गई थीं। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय बल किसी का निजी नहीं हैज्मैं उन्हें घर और बाहर न्याय के कठघरे में लाने की कोशिश करूंगा। उन्होंने कहा कि उन्होंने पहले ही उन लोगों के खिलाफ कुछ कार्रवाई की है जिन्होंने पुलिस बल को राक्षस बना दिया है।

बंगलादेश में भारतीय वीज़ा सेवाएं पुन: शुरू

एजेंसी

ढाका। बंगलादेश में हालिया राजनीतिक उथलपुथल के बीच राजधानी ढाका स्थित भारतीय वीज़ा आवेदन केंद्र (आईवीएसी) ने वीजा सेवाएं मं फिर से शुरू कर दी। 'ढाका ट्रिब्यून' के अनुसार आईवीएसी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में प्रत्येक दिन कुछ घंटों के लिए काम फिर से शुरू करने की जानकारी दी। चूंकि इसके लिए समय सीमित होगा, इसलिए आवेदकों से अपने पासपोर्ट के संग्रह के लिए एसएमएस सूचना प्राप्त करने के बाद ही वीज़ा केंद्र पर पहुंचने का आग्रह किया गया है।

यूनुस ने बंगलादेश हिंदू समुदाय को दिया आश्वासन, कहा सभी के लिए समान अधिकार

एजेंसी

ढाका। बंगलादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने यहां ढाकेश्वरी राष्ट्रीय मंदिर का दौरा किया और देश के हिंदू समुदाय को आश्वासन दिया कि देश में सभी लोगों के समान अधिकार हैं जिन्हें लोगों की धार्मिक मान्यताओं के आधार पर किसी भी भेदभाव के बिना सुनिश्चित किया जाएगा।

श्री यूनुस ने कहा जान-माल के साथ-साथ धार्मिक स्थलों पर व्यापक हमले की शिकायत करने वाले देश के सबसे बड़े अल्पसंख्यक समुदाय से संपर्क साधने का प्रयास करते हुए कहा कि देश के नागरिकों को मुसलमान, हिंदू या बौद्ध के रूप में नहीं बल्कि इंसान के रूप में देखा जाना चाहिए। द डेली स्टार के अनुसार, उन्होंने लोगों से धैर्य रखने और अपने प्रदर्शन के बारे में निर्णय लेने से पहले नई अंतरिम सरकार की सहायता करने का आग्रह किया। उनके साथ कानून सलाहकार आसिफ नजरूल और धार्मिक मामलों के सलाहकार एएफएम खालिद हुसैन भी थे। इस बैठक में पूजा उद्जापन परिषद के अध्यक्ष बासुदेब धर, महासचिव संतोष शर्मा, सर्बजनिन पूजा समिति के अध्यक्ष जयंत कुमार देव, महासचिव तापस चंद्र पाल, और हिंदू-बौद्ध-ईसाई एकता परिषद के प्रेसिडियम सदस्य काजोल देबनाथ और संयुक्त महासचिव मणींद्र कुमार नाथ शामिल हुए। हिंदुओं ने शिकायत की है कि छात्र नेतृत्व वाले विद्रोह के कारण 5 अगस्त को प्रधानमंत्री शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद से वे बंगलादेश के 52 जिलों में 200 से अधिक हमलों के शिकार हुए हैं। उनके घरों, कार्यस्थलों और मंदिरों पर हमलों में सैकड़ों हिंदू घायल हुए हैं।

कथित अत्याचारों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए, हिंदू समुदाय के नेताओं ने अल्पसंख्यकों पर अत्याचार करने वालों पर मुकदमा चलाने अभके लिए विशेष न्यायाधिकरण की मांग की है। उन्होंने देश के अल्पसंख्यक समूहों को 10 फीसदी संसदीय सीटें आवंटित करने और अल्पसंख्यक संरक्षण पर एक कानून बनाने का भी आह्वान किया है। सात अगस्त को कार्यभार संभालने वाले यूनुस ने इससे पहले अल्पसंख्यक समुदायों पर हमलों की निंदा की थी और छात्रों से अल्पसंख्यक समूहों की रक्षा करने का आग्रह किया था।

बंगलादेश में पुलिस गोलीबारी में मौत के मामले में शेख हसीना के खिलाफ याचिका दायर

एजेंसी

ढाका। बंगलादेश की पूर्व प्रधान मंत्री शेख हसीना और छह अधिकारियों को 19 जुलाई को कोटा विरोधी आंदोलन के दौरान पुलिस गोलीबारी में किराने की दुकान के मालिक की हत्या पर एक स्थानीय अदालत में दायर हत्या की शिकायत में आरोपी के रूप में नामित किया गया है।

'द डेली स्टार' रिपोर्ट ने यह जानकारी दी।समाचार पत्र के अनुसार मोहम्मदपुर निवासी और पीड़ित अबू सईद के शुभचिंतक अमीर हमजा शातिल ने ढाका मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट राजेश चौधरी के पास श्रीमती हसीना और अन्य के खिलाफ अदालत में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत पर सुनवाई करते हुए न्यायाधीश ने कहा, 'अदालत के समक्ष जमा किए गए दस्तावेज की जांच करने के बाद हम आदेश पारित करेंगे।'रिपोर्ट में बताया गया है कि शिकायत में आरोपी के रूप में नामित अन्य लोगों में अवामी लीग के महासचिव ओबैदुल कादर, गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल, पूर्व आईजीपी चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून, पूर्व डीबी प्रमुख हारुन या रशीद, पूर्व डीएमपी आयुक्त हबीबुर रहमान और पूर्व डीएमपी संयुक्त आयुक्त बिप्लब कुमार सरकार शामिल हैं।शातिल ने कहा कि उन्हें शिकायत दर्ज करने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि पीड़िता के परिवार के सदस्य, जो पंचगढ़ जिले के बोडा उपजिला में रहते हैं, ऐसा करने की स्थिति में नहीं थे। उल्लेखनीय है कि कोटा विरोधी प्रदर्शनों के दौरान पुलिस गोलीबारी में हुई मौतों के लिए श्रीमती हसीना को आरोपी के रूप में नामित करने की मांग करने वाली यह पहली शिकायत है।

अमेरिका ने शेख हसीना को सत्ता से बाहर करने में संलिप्तता के आरोपों का किया खंडन

एजेंसी

वाशिंगटन ।अमेरिका ने बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से हटाने में अपनी संलिप्तता के आरोपों से इनकार किया है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय 'व्हाइट हाउस' की प्रेस सचिव कैरिन जीन-पियरे ने कहा, 'कोई भी ऐसी रिपोर्ट या अफवाह कि अमेरिकी सरकार इन घटनाओं में शामिल थी, पूरी तरह से झूठी है, यह सच नहीं है।'

सुश्री जीन-पियरे ने कहा, 'यह बंगलादेशी लोगों की ओर से खुद के लिए किया गया चुनाव है। हमारा मानना है कि बंगलादेशी लोगों को बंगलादेशी सरकार का भविष्य तय करना चाहिए और हम उनके साथ खड़े हैं। हम पर लगाया गया कोई भी आरोप बिलकुल गलत है, सच नहीं है। उल्लेखनीय है कि बंगलादेश में सरकार के खिलाफ व्यापक प्रदर्शनों के बीच तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना ने पांच अगस्त को इस्तीफा दे दिया और भारत आ गईं। ऐसी रिपोर्ट आयी हैं कि उन्होंने अमेरिका पर बंगलादेश के सेंट मार्टिन द्वीप पर सैन्य अड्डा स्थापित करने की अपनी इच्छा के कारण अशांति फैलाने का आरोप लगाया है। सुश्री हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय ने हालांकि इससे पहले गाजा पट्टी के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया था कि इस्राइल ने गाजा पट्टी के मध्य और दक्षिणी हिस्से में हवाई हमला किया। अधिकारियों ने आगे बताया था कि इस हमले में फलस्तीन के 19 लोग मारे गए। इस बीच, अमेरिका ने उम्मीद जताई कि गुरुवार को निर्धारित की गई शांति वार्ता अपने तय समय पर होगी।

एलन मस्क से बातचीत में डोनाल्ड ट्रंप ने कमला हैरिस को बताया फर्जी उम्मीदवार, कहा- वो बाइडन से अधिक अक्षम

एजेंसी

तेहरान। अरबपति टेक दिग्गज एलन मस्क के साथ अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बहुप्रतीक्षित ऑडियो-ओनली इंटरव्यू में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस पर जमकर निशाना साधा, और कहा कि वह एक कट्टरपंथी वामपंथी पागल हैं, उन्होंने आरोप लगाया कि वह ट्रंप से भी अधिक ट्रंप बनना चाहती हैं।

कमला हैरिस पर ट्रंप का जोरदार हमला

अमेरिकी उपराष्ट्रपति पर तीखा हमला करते हुए, रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने अपने इस आरोप को दोहराया कि डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में बाइडन की जगह कमला हैरिस को लाना तख्तापलट था। इस दौरान एलन मस्क ने पूर्व राष्ट्रपति से सहमति जताते हुए कहा, उनका व्यवहार बहुत वामपंथी है।

एलन मस्क पहले ही कर चुके हैं ट्रंप का समर्थन

बता दें कि एक्स के मालिक एलन मस्क ने पहले ही डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन किया है और संकेत दिया है कि वह उन्हें दूसरा कार्यकाल जीतते देखना चाहते हैं। उन्होंने ट्रंप से कहा, आप समृद्धि का मार्ग हैं। और मुझे लगता है कि कमला इसके विपरीत हैं। इस कार्यक्रम को एक साक्षात्कार के रूप में प्रस्तुत किया गया था, लेकिन ट्रंप ने कई निराधार दावे किए, जिन्हें चुनौती नहीं दी गई।

ट्रंप के दावों को अमेरिकी मीडिया आउटलेट्स ने बताया झूठा

वहीं अमेरिकी मीडिया आउटलेट्स ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ने अरबपति समर्थक मस्क के साथ अपनी बातचीत के दौरान कम से कम 20 झूठे दावे किए। ट्रंप की तरफ से बोले गए अधिकांश झूठ ऐसे दावे थे, जिन्हें पहले भी बार-बार खारिज किया जा चुका है, उनमें से कुछ तो सालों पहले ही खारिज किए जा चुके हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, वे आव्रजन से लेकर अर्थव्यवस्था, विदेश नीति, कार्यालय में ट्रंप के रिकॉर्ड से लेकर उनके डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी उपराष्ट्रपति हैरिस तक कई विषयों पर आधारित थे।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हमास ने इस्राइल पर किया एम-90 रॉकेट से हमला, तेल अवीव में सुनाई दी धमाकों की आवाज

एजेंसी

ढाका । इस्राइल और हमास के बीच तनातनी की खबरों के बीच एक बड़ा घटनाक्रम हुआ है। खबर है कि हमास ने इस्राइल के शहर तेल अवीव समेत अन्य शहरों पर एम 90 रॉकेट से हमला किया है। बताया गया है कि हमास की तरफ से दो एम-90 रॉकेट से हमला किया है। उधर इस्राइली वायु सेना का कहना है कि थोड़ी देर पहले एक रॉकेट लॉन्च का पता चला है। यह रॉकेट गाजा पट्टी के इलाके को पार करते हुए इस्राइल के मध्य में समुद्री क्षेत्र में गिर गया। वायु सेना ने बताया कि इस रॉकेट हमले को लेकर कोई अलार्म सक्रिय नहीं हुआ। इसी के तुरंत बाद एक और रॉकेट लॉन्च का पता चला। हालांकि, यह रॉकेट जो इस्राइल में नहीं आया। बताया गया है कि तेल अवीव में विस्फोटों की आवाज सुनाई दी लेकिन, इस हमले में किसी के हताहत होने की खबर सामने नहीं आई है। आपको बता दें कि हमास द्वारा लगातार गाजा संघर्ष विराम वार्ता पर जोर दिया जाता रहा है। हमास का कहना है कि इस वार्ता से पहले इस्राइल और मध्यस्थों के बीच चर्चा किए गए समझौते पर ध्यान केंद्रित किया जाए।

9 मई हिंसा मामले में इमरान की पत्नी बुशरा की जमानत याचिका खारिज, जज बोले- गहन जांच की जरूरत

एजेंसी

इस्लामाबाद।पाकिस्तान की आतंकवाद निरोधी अदालत ने 9 मई 2023 की हिंसा से जुड़े 12 मामलों में इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी की जमानत याचिका खारिज कर दी है। पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के संस्थापक इमरान खान को कथित भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार करने के दौरान यह हिंसा भड़की थी। इस हिंसा में 100 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। आतंकवाद निरोधी अदालत (एटीसी) रावलपिंडी के न्यायाधीश मलिक एजाज आसिफ ने 49 वर्षीय बुशरा बीबी की जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद कहा कि इस मामले में गहन जांच की जरूरत है और इसके बाद जमानत याचिका खारिज कर दी। न्यायाधीश ने मामले की जांच सात दिनों में पूरी करने का निर्देश दिया। 9 मई की हिंसा के विभिन्न मामलों में बुशरा बीबी के खिलाफ मामले दर्ज किए गए थे। इन्हीं मामलों में बुशरा बीबी ने जमानत देने की अपील की थी। बीते साल जब कथित भ्रष्टाचार के मामले में इमरान खान को गिरफ्तार किया गया था तो पीटीआई समर्थकों ने इमरान की गिरफ्तारी के विरोध में देशभर में तोड़फोड़ और आगजनी शुरू कर दी थी। इस हिंसा में देशभर में नागरिक और सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया। लाहौर में सेना के एक शीर्ष कमांडर के आवास और रावलपिंडी में सैन्य प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की गई थी। इमरान खान (71 वर्षीय) कई मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद बीते एक साल से भी अधिक समय से जेल में बंद हैं। बुशरा बीबी भी उनके साथ जेल में बंद हैं।

देश में खेल कूद के लिये अच्छा माहौल विकसित करना जरूरी : मनोज तिवारी

एजेंसी

नई दिल्ली। चर्चित भोजपुरी कलाकार एवं लोकसभा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि देश में खेल कूद के लिये अच्छा माहौल विकसित करना जरूरी है और हर किसी को खेल कूद को आगे बढ़ाने का प्रयास करना चाहिये। आज यहां आयोजित इंडियन स्टार्स लीग (आईएसएल) के सम्मेलन में श्री तिवारी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील का जिक्र करते हुए कहा कि श्री मोदी ने लोगों से फिट और स्वस्थ रहने का आग्रह हमेशा करते हैं साथ ही खेल कूद को भी काफी बढ़ावा देते हैं।

स्वतंत्रता दिवस पर तड़के चार बजे से शुरू होंगी मेट्रो ट्रेन सेवायें

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस पर लोगों की यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिये, दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने सभी टर्मिनल स्टेशनों से अपनी सभी लाइनों पर तड़के करीब चार बजे से अपनी सेवायें शुरू करने की घोषणा की है। डीएमआरसी की जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, गुरुवार तड़के चार बजे से सुबह करीब छह बजे तक सभी लाइनों पर 15 मिनट के अंतराल पर मेट्रो ट्रेन सेवायें संचालित होंगी और उसके बाद पूरे दिन नियमित समय सारिणी के अनुसार ही मेट्रो ट्रेन संचालित की जायेंगी। इसके अलावा, स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने के लिये, रक्षा मंत्रालय की ओर से आमंत्रित किये गये लोगों को मेट्रो स्टेशनों पर 'निर्धारित निमंत्रण कार्ड' और वैध सरकारी फोटो पहचान पत्र दिखाने के बाद ही यात्रा करने की अनुमति दी जायेगी। यह व्यवस्था केवल लाल किला, जामा मस्जिद और चांदनी चौक मेट्रो स्टेशनों पर ही लागू होगी। यही आमंत्रण कार्ड केवल इन तीन स्टेशनों से वापसी यात्रा के लिये भी मान्य होंगे। यात्रियों को इन व्यवस्थाओं के बारे में सूचित करने के लिये ट्रेनों के अंदर नियमित रूप से घोषणायें की जायेंगी। इस तरह की यात्रा की लागत रक्षा मंत्रालय द्वारा डीएमआरसी को प्रतिपूर्ति की जायेगी।

आतिशी के झंडा फहराने पर जीएडी ने लगाई रोक

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने आज स्पष्ट कर दिया कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ग़ैरमौजूदगी में आगामी स्वतंत्रता दिवस पर कैबिनेट मंत्री आतिशी झंडा नहीं फहरा सकतीं हैं। सामान्य प्रशासन विभाग के मंत्री गोपाल राय ने दरअसल कल जीएडी के अतिरिक्त मुख्य सचिव को पत्र लिखकर कहा था... अरविंद केजरीवाल से मिलकर आये हैं। मुख्यमंत्री चाहते हैं कि 15 अगस्त वाले समारोह में आतिशी झंडा फहराए। इसके लिए तैयारी करें। इसके बाद जीएडी के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने गोपाल राय को पत्र लिखकर कहा कि आतिशी के झंडा फहराने का निर्देश कानूनन सही नहीं है इसलिए आतिशी के झंडा फहराने के निर्देश पर कार्रवाई नहीं की जा सकती है। आप की वरिष्ठ नेता आतिशी ने इस पर कहा कि, आज एक चुनी हुई सरकार के झंडा फहराने के अधिकार की छीना जा रहा है। आज दिल्ली में एक नए वायसराय आ गये हैं जो कह रहे है कि झंडा वह फहरायेंगे। 15 अगस्त को तिरंगा फहराना देश के लोगों का अधिकार है, दिल्ली के लोगों को अधिकार है, दिल्ली के लोगों द्वारा चुनी हुई सरकार का अधिकार है। अगर चुनी हुई सरकार को झंडा नहीं फहराने दिया जाता तो तानाशाही का इससे बड़ा कोई और प्रमाण नहीं होगा।

भाजपा राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक 17 अगस्त को, आगामी राज्यों में चुनावों की रणनीति पर चर्चा संभव

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक 17 अगस्त को होगी। दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में आयोजित होने वाली बैठक में सभी प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश संगठन सचिव और राष्ट्रीय पदाधिकारी शामिल होंगे। बैठक के एजेंडे में पार्टी के संगठनात्मक चुनाव, सदस्यता अभियान और आगामी राज्यों में चुनावों की रणनीति पर चर्चा शामिल है। भाजपा अध्यक्ष के चुनाव और चार राज्यों के विधानसभा चुनाव से पहले इस बैठक को अहम माना जा रहा है। इसी साल चार राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं जिसमें जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड शामिल हैं। इन राज्यों में विधानसभा चुनाव के नतीजे आगे की दिशा तय करने में अहम हो सकते हैं। हरियाणा में भाजपा लगातार दो बार से सत्ता में है, लेकिन हालिया लोकसभा चुनाव में भाजपा को 10 में से 5 सीटें मिली थीं।

केंद्र सरकार ने प्रवर्तन निदेशालय के निदेशक की नियुक्ति की

नई दिल्ली, 14 अगस्त। केंद्र सरकार ने प्रवर्तन निदेशालय के निदेशक की नियुक्ति की है। विशेष निदेशक राहुल नवीन को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। राहुल नवीन भारतीय राजस्व सेवा (आयकर) के 1993 बैच के अधिकारी हैं। पिछले वर्ष 15 सितंबर को संजय कुमार मिश्रा का कार्यकाल पूरा होने के बाद से उन्होंने प्रभारी निदेशक के तौर पर प्रवर्तन निदेशालय का कामकाज संभाला। इसके बाद इस वर्ष जनवरी के महीने में केंद्र ने प्रवर्तन निदेशालय के कार्यवाहक प्रमुख राहुल नवीन को अतिरिक्त सचिव स्तर पर पदोन्नत कर दिया था। अब उन्हें प्रवर्तन निदेशालय के निदेशक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नवीन अंतरराष्ट्रीय कराधान मामलों के विशेषज्ञ माने जाते हैं। बिहार से ताल्लुक रखने वाले वरिष्ठ अधिकारी नवीन 30 साल तक आयकर विभाग में सेवाएं दे चुके हैं। 2004-08 के दौरान अंतरराष्ट्रीय कराधान विंग में नवीन के कार्यकाल के दौरान ही आयकर विभाग ने वोडाफोन मामले सहित कई विदेशी लेनदेन वाले मामलों में कार्रवाई की पहल की थी।

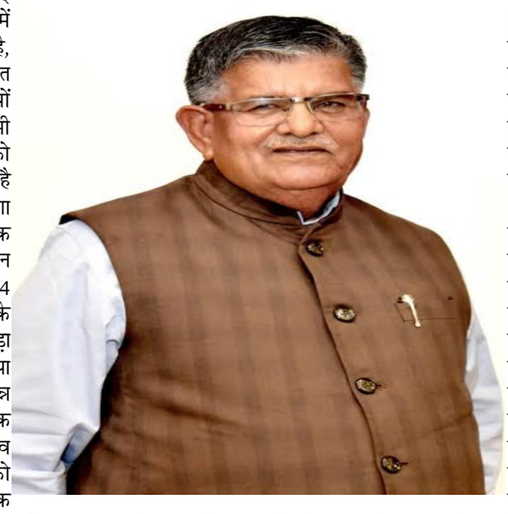

स्वतंत्रता दिवस-2024 के अवसर पर पंजाब के राज्यपाल और केन्द्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया जी का संदेश

देश की आज़ादी के 77 वर्ष पूरे होने पर मैं समस्त भारतवासियों, विशेषकर पंजाब और चंडीगढ़ के लोगों को हार्दिक बधाई देता हूं। आज हम उन सभी बलिदानियों, समर्पित नेताओं और देशभक्तों को आदरपूर्वक नमन करते हैं, जिन्होंने जीवन भर आजादी के लिए संघर्ष किया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, डॉ. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, सरदार वल्लभभाई पटेल, बाल गंगाधर तिलक और लाखों भारतीयों ने भारत की आजादी में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके साथ ही हम अपने सशस्त्र बलों के बहादुर सैनिकों को भी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिन्होंने हमारे देश की अखंडता और सीमाओं की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। देश की आजादी के लिए पंजाब का अनूठा योगदान विश्व के इतिहास में कहीं भी देखने को नहीं मिलता। महान क्रांतिकारी शहीद भगत सिंह, लाला लाजपत राय, शहीद उधम सिंह, करतार सिंह सराभा, दीवान सिंह कालेपानी आदि ने देश की आज़ादी के लिए अपने खून का एक-एक कतरा बहा दिया और जेलों में यातनाएं झेलीं। वे हम सभी के लिए एक समृद्ध विरासत छोड़ गए हैं, जो भारत की आन-बान-शान और स्वतंत्रता को बनाए रखने के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ-साथ हमारी मातृभूमि के लिए असीम प्रेम और सम्मान की मांग करती है। स्वतंत्रता के लिए हमेशा साहस और प्रतिबद्धता दिखाने वाले पंजाब के लोगों के सराहनीय योगदान को याद करना बहुत गर्व की बात है। पंजाब हमेशा से ही भारत के प्रगतिशील राज्य के रूप में अग्रणी रहा है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र के समक्ष ''अमृत काल'' की अवधारणा प्रस्तुत की। अमृत काल प्रधानमंत्री का 2047 का 'नया भारत' का विजन है, जो देश के लिए एक नई सुबह है, जो इसकी आकांक्षाओं को पूरा करने का अवसर लेकर आएगी। यह अमृत काल हम सभी के लिए कर्तव्य निर्वहन का समय है। यह अमृत काल हम सभी के लिए माँ भारती के लिए कुछ करने का समय है। जब आज़ादी की जंग चल रही थी, तो 1947 के पहले जिस पीढ़ी ने जन्म लिया था, उन्हें देश के लिए मरने का मौका मिला था। वो देश के लिए मर-मिटने का मौका नहीं छोड़ते थे। लेकिन हमारे भाग्य में देश के लिए मर-मिटने का मौका नहीं है। परन्तु हमारे पास देश के लिए जीने का कुछ कर दिखाने का इससे बड़ा कोई और अवसर नहीं हो सकता। हमें पल-पल देश के लिए जीना है, इसी संकल्प के साथ इस अमृत काल में 140 करोड़ देशवासियों के संकल्पों व सपनों को भी बुनना है। उनके संकल्प को सिद्धि में भी परिवर्तित करना है और जब वर्ष 2047 में तिरंगा झंडा फहरेगा, तब विश्व एक विकसित भारत का गुणगान करता दिखाई देगा। वर्ष 2024 में 18वीं लोकसभा के चुनाव के रूप में हमारे देश का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक त्योहार मनाया गया जो शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। पूरे देश के लोगों ने एक लोकतांत्रिक सरकार का चुनाव करके वास्तव में दुनिया को दिखा दिया है कि भारत एक परिपक्व लोकतंत्र बन चुका है, जिसका हिस्सा हमारे पूर्वजों द्वारा कल्पित आत्मविश्वासी और दूरदर्शी लोग हैं। हमें देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का सुनहरा अवसर दिया गया है। विभिन्न लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए देश के प्रत्येक नागरिक का योगदान महत्वपूर्ण है। इसके लिए मैं समस्त नागरिकों से संविधान में निहित हमारे मौलिक कर्तव्यों का पालन करने की अपील करता हूं। ये कर्तव्य भारत को स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में प्रत्येक नागरिक का आवश्यक दायित्व है। हम अयोध्या में प्रभु श्री राम जी की जन्मस्थली पर निर्मित भव्य नए मंदिर में उनकी मूर्ति की ऐतिहासिक प्राण-प्रतिष्ठा के साक्षी बने हैं। जब इस घटना को व्यापक दृष्टिकोण से देखा जाएगा, तो भविष्य के इतिहासकार इसे भारत की अपनी सभ्यता व विरासत की निरंतर पुनः खोज में एक मील का पत्थर मानेंगे। भारत की अध्यक्षता में देश की राजधानी में जी-20 शिखर सम्मेलन का सफल आयोजन एक अभूतपूर्व उपलब्धि रही है। इसकी सबसे उल्लेखनीय बात यह थी कि जी-20 के आयोजनों में लोगों की व्यापक भागीदारी देखने को मिली। इस शानदार आयोजन ने नागरिकों को उनके अपने भविष्य को आकार देने वाले रणनीतिक और कूटनीतिक मामलों में

भागीदार बनाने का सभी को सबक दिया। जब संसद ने ऐतिहासिक महिला आरक्षण विधेयक पारित किया, तो हमने लैंगिक समानता के आदर्श की ओर भी एक कदम आगे बढ़ाया। मेरा मानना है कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिला सशक्तिकरण का एक क्रांतिकारी साधन साबित होगा। एक और महत्वपूर्ण सुधार के अन्तर्गत डिजिटल इंडिया की शुरूआत की गई है जिसने देश में लोगों के जीवन और व्यापार को बहुत आसान बना दिया है। आज पूरा विश्व इसे भारत की एक बड़ी उपलब्धि के रूप में देखता है। यहां तक कि विकसित देशों के पास भी भारत जैसी डिजिटल प्रणाली नहीं है। हमारे माननीय प्रधान मंत्री जी के गतिशील नेतृत्व में, हमारा देश विभिन्न वैश्विक मंचों पर अपनी जोरदार उपस्थिति दर्ज करवा रहा है। राष्ट्र में मौजूद प्रतिभाओं के विशाल भंडार की बदौलत देश का भविष्य और भी उज्जवल होने वाला है। आइए, हम समावेशिता और विकास के अवसरों से परिपूर्ण भारत को विकसित भारत बनाने के लिए प्रतिबद्ध रहें। आज हमारे सामने कुछ चुनौतियां हैं और हमें विशेष रूप से युवाओं में नशे की लत जैसी सामाजिक बुराई को रोकने पर विशेष ध्यान देना होगा। पंजाब एक सीमावर्ती राज्य होने के कारण हमेशा हमारे पड़ोसी दुश्मन देश पाकिस्तान से चुनौतियों का सामना करता रहा है, जिसकी 245 किलोमीटर लंबी सीमा पाकिस्तान से लगती है। चूंकि पाकिस्तान के पास भारत के साथ सीधी लड़ाई लड़ने की हिम्मत नहीं है, इसलिए वह देश में अशांति पैदा करने के लिए विभिन्न तरीकों से ड्रग्स और हथियार भेजकर भारत के साथ प्रॉक्सी वार लड़ रहा है। हमें दुश्मन की ऐसी हरकतों और चालों से सावधान रहने और सामूहिक रूप से लड़ने की जरूरत है। देश के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार और पंजाब सरकार ने पाकिस्तान से ड्रग्स और हथियारों की तस्करी को रोकने के लिए संयुक्त प्रयास शुरू किए हैं। केंद्रीय और राज्य सुरक्षा बलों ने पंजाब के 6 सीमावर्ती जिलों में संयुक्त अभियान चलाए हैं जो ड्रोन के माध्यम से ड्रग्स की तस्करी से निपटने में बहुत सफल रहे हैं। सीमावर्ती क्षेत्र में देश विरोधी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए लगभग 3000 एआई-सक्षम कैमरे लगाए जा रहे हैं। भारत सरकार सीमा पार से ड्रोन के माध्यम से होने वाली नशों और हथियारों की तस्करी से निपटने के लिए पूरी सीमा को ड्रोन रोधी तकनीक से सुसज्जित कर रहा है। अब पंजाब के सभी सीमावर्ती जिलों में भी ग्राम स्तरीय रक्षा समितियों का गठन किया गया है, जो सामूहिक रूप से पुलिस और सुरक्षा बलों को सीमावर्ती जिलों में असामाजिक और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के बारे में सूचित करके सीमा पार से होने वाली तस्करी के विरूद्ध जंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। पंजाब के राज्यपाल ने इन समितियों में से पहली तीन सर्वश्रेष्ठ ग्राम स्तरीय रक्षा समितियों को उनके गांवों में नशीले पदार्थों के खात्मे के लिए उनके प्रदर्शन के आधार पर अपने विवेकाधीन फंड से 36 लाख रुपये वार्षिक पुरस्कार राशि देने का फैसला किया है। यह पुरस्कार सभी छह सीमावर्ती जिलों में प्रत्येक जिले के तीन गांवों को दिया जाएगा, जिसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली समिति को 3 लाख रुपये, दूसरा स्थान पाने वाली समिति को 2 लाख रुपये और तीसरे स्थान पर आने वाली ग्राम स्तरीय रक्षा समिति को 1 लाख रुपये का पुरूस्कार दिया जाएगा। इसके अलावा, पंजाब राजभवन ने पंजाब और चंडीगढ़ के मेधावी छात्रों को सम्मानित करने की परंपरा शुरू की है, जिसका उद्देश्य न केवल उनकी कड़ी मेहनत और उपलब्धियों की सराहना करना है, बल्कि उनकी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के उनके संकल्पों को और मजबूत करने हेतु उन्हें कुछ वित्तीय सहायता प्रदान करना भी है। इस पहल के तहत पंजाब और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ से 8वीं और 10वीं कक्षाओं में अव्वल आने वाले सरकारी स्कूलों के 300 मेधावी छात्रों को सम्मानित किया जाता है। दी जाने वाली पुरस्कार राशि में 10वीं कक्षा के प्रत्येक छात्र को 10,000/- रुपये और 8वीं कक्षा के प्रत्येक छात्र को 5000/- रुपये की राशि शामिल है। मैं पंजाब के लोगों, जनता के निर्वाचित प्रतिनिधियों, सिविल और पुलिस अधिकारियों, पूर्व सैनिकों, युवाओं, डॉक्टरों, शिक्षाविदों, बुद्धिजीवियों, गैर सरकारी संगठनों, स्वैच्छिक संगठनों और मीडिया से नशीले पदार्थों के खिलाफ अभियान चलाने, हरित और स्वच्छ वातावरण के लिए सार्वजनिक अभियान चलाने के साथ-साथ हरित ऊर्जा, सौर ऊर्जा, वृक्षारोपण, भारत सरकार की योजना 'एक पेड़ मां के नाम', स्वच्छ भारत, डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, महिला सशक्तिकरण, विकसित भारत आदि पहलों में अपना महति योगदान देने का आह्वान करता हूं। आइए, आज के इस अवसर पर हम अपने देश के हितों को सर्वोपरि रखते हुए पूरी ईमानदारी, प्रतिबद्धता, भक्ति और समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए सामूहिक रूप से कड़ी मेहनत करने की अपनी प्रतिज्ञा को दोहराएं। मैं एक बार फिर स्वतंत्रता दिवस के इस शुभ अवसर पर पंजाब और चंडीगढ़ के लोगों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

धन्यवाद,

जय हिंद!

Name Change
I, P PADMA W/o JC-313487W Rank-SUB Name-SIMHACHALAM KATTIRI Presently residing at VILL-GUMMA-PADU, PO-BHADRI, TALUK-SARAVAKOTA, DIST-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532427 have changed my name from P PADMA to KATTIRI PADMA for all future purposes vide Affidavit dated 14/08/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Soni Devi W/O: Santosh Sharma,R/O H-16/977, Gali No-16, Sangam Vihar, Deoli, PO: Deoli, DIST: South Delhi, Delhi-110062 declare that the name of mine has been wrongly written as Soni Sharma in my minor daughter Saniya aged 15 years in her 10th class educational document, The actual name of mine is SONI DEVI respectively which may be amended accordingly.

Name Change
I, JC-472308X, Rank-SUB Name-PRABHAKAR SINGH R/O VILL-IBRAHIM PUR KANDAI, PO-DEORHI, TEHSIL-SOHAWAL, DISTT-AYODHYA (FAIZABAD), U.P-224189 have changed my mother's name from VIDHYA DEVI toVIDYAVATI SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 14/08/2024 before Notary Public, Delhi

Name Change
I, SMT SHYNI BINOY Wife of No. No-15419979M Rank-NK Name-BINOY K V Presently residing at VPO-UDAYAGIRI, TEH-THALIPARAMBA, DIST-KANNUR, KERALA-670571 have changed my name from SMT SHYNI BINOY to SHYNI P M for all future purposes vide Affidavit dated 14/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I Rajesh Kumar S/O Suraj Bhan,R/O H. No. C-11, Main Budh Bazar Chowk, Near Zero Chowk, Mundka Village, West Delhi, Delhi-110041,have changed the name of my minor son druv aged 16 years and he shall hereafter be known as Dhruv.

Name Change
I, JC-472307P, Rank-SUB Name-NIHAL SINGH Unit 17 RAJ RIF (SM) R/O VILL-KATKAI, PO-GUJARWAS, TEHSIL-ATELI, DISTT-MAHENDRAGARH, HARYANA-123021 have changed my mother's name from MAPHIL DEVI to MEPHAL DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 14/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, JC-472494Y SUB SATYABIR SINGH R/o VILL-NERA, PO-NERA, TEHSIL-MAHAWAN, DISTT-MATHURA, U.P-281301 have changed my father's name from LAKSHMAN SINGH to LAXMAN for all future purposes vide Affidavit dated 14/08/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
I, Jyoti Choudhary W/O Arvind Kumar R/O House No. -252, Gali No. -14, Near Mukharjee Nagar, Gopalpur Village, North West Delhi, Delhi-110009, have changed the name of my minor daughter namely Aradhya aged 10 years and she shall hereafter be known as Aradhya Choudhary

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I RAVI S/O RAJ SINGH R/O C-3/41, SULTAN PURI, DELHI-86 declare that name of mine has been wrongly written as RAVI KUMAR in my 10th and 12th class educational documents ,The actual name of mine is RAVI respectively which may be amended accordingly.

Name Change
I, JC-472494Y SUB SATYABIR SINGH R/o VILL-NERA, PO-NERA, TEHSIL-MAHAWAN, DISTT-MATHURA, U.P-281301 have changed my mother's name from KANU SINGH to KINTO for all future purposes vide Affidavit dated 14/08/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Jyoti Choudhary W/O Arvind Kumar R/O House No. -252, Gali No. -14, Near Mukharjee Nagar, Gopalpur Village, North West Delhi, Delhi-110009, declare that name of mine has been wrongly written as Jyoti in the school records of my minor daughter namely Aradhya aged 10 years. The actual name of mine is Jyoti Choudhary.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Jyoti Choudhary W/O Arvind Kumar R/O House No. -252, Gali No. -14, Near Mukharjee Nagar, Gopalpur Village, North West Delhi, Delhi-110009, declare that name of mine has been wrongly written as Jyoti in the school record of my minor son namely Aditya Chaudhary aged 13 years. The actual name of mine is Jyoti Choudhary

Name Change
I, KOUSHLYA DEVI mother of NO-15178519K Rank-HAV Name-KRISHAN SINGH R/O VILL-ROPA SERI, PO-PIPLAGE, TEH-BHUNTER, DIST-KULLU, HIMACHAL PRADESH-175125 have changed my name from KOUSHLYA DEVI to KAUSHALYA DEVI for all future purposes vide affidavit dated 14/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, JC-472307P, Rank-SUB Name-NIHAL SINGH Unit 17 RAJ RIF (SM) R/O VILL-KATKAI, PO-GUJARWAS, TEHSIL-ATELI, DISTT-MAHENDRAGARH, HARYANA-123021 have changed my father's name from RAMESH KUMAR to RAMESH SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 14/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, NANDALA SAKONTHALAMA Mother of No. 16115818K Rank-L/NK Name-SIVANANDA REDDY NANDALA R/o KUMARAPALLI-VIIL, BUDITHAREDDY PALLI-PO, BANAGARU PALLYAM-MANDAL, CHITTOOR-DISTT-, ANDHRA PRADESH-517422 have changed my name from NANDALA SAKONTHALAMA to NANDALA SAKUNTHALA for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1965 instead of my correct date of birth as 01/01/1966 Vide Affidavit dated 14/08/2024 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, KHUSHBU GOSWAMI D/O RAMESH GOSWAMI W/O HARI OM residing at H-190, ADHYAPAK NAGAR, NANGLOI, WEST DELHI, DELHI-110041, declare that the name of mine and my father has been wrongly written as KM KHUSHBU GOSHWAMI in my 10th Class Educational Documents and RAMESH CHAND in my Pan Card NO. DZMPG1720H The actual name of mine and my father are KHUSHBU GOSWAMI and RAMESH GOSWAMI respectively which may be amended accordingly.

Name Change
I,ISLAM MALIK S/O AHMED ZAHOOR MALIKR/O 1207 THIRD FLOOR GALI NO G2-39/4 NEAR KHAJOOR WALI MASJID JAFRABAD DELHI 110053 HAVE CHANGED MY NAME MOHAMMAD ISLAM MALIK FOR ALL FUTURE PURPOSE

PUBLIC NOTICE
To Whom so ever it may concern
1) Mrs. Savita Gulati W/o Mr. Vijay Kumar Gualti & 2) Mrs. Veena Gulati W/o Mr. Baldev Raj Gulati were absolute owners of Third Floor with roof rights, area measuring 600 Sq. Ft., (i.e., 55.74 Sq. Mts)., Built on Property bearing No. WZ-34, Built on Plot No. 34, New No. B-59, having land area measuring 66. 2/3 Sq. Yds., Out of Khasra No. 69, situated in the area of Village Nangli Jalib, Colony known as Ganesh Nagar, New Delhi-110018 and whereas Mrs. Savita Gulati & 2) Mrs. Veena Gulati Selling above Mentioned property to Mrs. Shamma Sharma if anybody have any Objection kindly contact on-9540419009 within 7 days.
(Advocate Deepak Malik)
Off: -Shop no. 2, 1st First floor Kataria complex, Near Axis Bank, New RailwayRoad Gurugram-122001

Name Change
I, JC-472693M Rank-SUB Name-KRISHAN KUMAR Presently residing at VPO-JHAMRI, TEH-MATANHAIL, DIST-JHAJJAR, HARYANA-124146 have changed my father's name from MANGE RAM to MANGE for all future purposes vide Affidavit dated 14/08/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
Be it known that my client Dhyan Singh W/o. Sh. Jhhaman Singh, R/o. H.No.K-1/1694/19, Gali No. 19, Sangam Vihar, New Delhi-110080, Aadhar No.364954158889 hereby severed all their relation and has debarred and disinherited his sons and daughters-in-law Birender Singh(Sonu), Sangeeta W/o Birender Singh(Sonu), Bhanu Pratap(Monu), Rita W/o, Bhanu Pratap, Lalit Kumar, Priyanka W/o. Sh. Lalit Kumar from all his properties both immovable and movable. My client has no control over his sons and daughters-in-law who have no respect and regard for my client and his wife. anybody dealing with them in any manner will do so at their own risk and consequences.
ANAND MISHRA Advocate
Ch. No. 245-A, Lawyer's Chamber Block Saket Court, New Delhi-110017

Name Change
I Neeraj Sharma wife of Sidhartha Chakraborty, Resident of H.No.-86/202, Block - B, Vishwakarma colony, Lal Kuan, Badarpur, South East Delhi, Pin - 110044, Delhi, India. have changed my name to Nitika Chakraborty for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
Be it know to all that my client SMT. SEEMA YADAV W/O SH. GIRIRAJ YADAV, R/o B3/25, DLF PHASE-5, PARK DRIVE NEAR SECTOR-53, GURGAON, HARYANA-122001, wants to declare that she is selling the Property Bearing No. 194, THIRD FLOOR WITH ROOF RIGHTS, VIVEKNAND PURI, SARAI ROHILLA, DELHI-110007 to MR. SAJJAN KUMAR S/O SH. MOOL CHAND, R/o 194, FIRST FLOOR, VIVEKNAND PURI, SARAI ROHILLA, DELHI 110007, if any person/Bank/institution, has any claim, right, title or interest or have any kind of objection in the said property, He/She/They are requested to forward His/Her/Their Claims along with the relevant documents, can contact me or my clients within 07 days from the date of the publication of the said notice in the newspaper.
SANDEEP TOKAS ADVOCATE
Ch. No. 236, Saket Court Complex New Delhi 110017

Name Change
I,NGMA PARVEEN W/O GULAM MUSTAFA R/O C-124 WELCOME SEELAMPUR DELHI 110053 HAVE CHANGED MY NAME REHANA PARVEEN FOR ALL FUTURE PURPOSE

PUBLIC NOTICE
Mr. Dalip Singh Ambesh Owner of the Residential Flat/Apartment bearing no. 401, Tower-CS-06, 4th floor having super area 1150 Sq. Fts. in "CAPETOWN", at plot no GH-OIA. Sector-74 Noida, District Gautam Bodh Nagar, U.P. Mr. Dalip Singh Ambesh have lost Original last page of Sub-Lease Deed By and BETWEEN NOIDA AND M/S Supertech Ltd in favour of Mr. Ashok Kumar Maurya, duly regd, as doc No. 2152, Book No. 1. Vol No. 5249, Pages 215-252, dated 08.03.2016, for which complaint lodged to the police. That any person(s)/Appropriate authority ete. if finds the misplaced last page of sub lease deed aforesaid said person may come forward and inform the undersigned within 15 days from the date of Publication.
RAHUL KUMAR GUPTA
ADVOCATE
43B, Third Floor, Patparganj Village, Mayur Vihar, Phase-1, Delhi

महानिदेशालय पुनर्वास
रक्षा मंत्रालय

जॉब फेयर : कानपुर

23 अगस्त 2024 – प्रात: 07:00 बजे से
(पंजीकरण प्रात: 10:00 बजे तक)
स्थान : एमटी पार्क, इनफेंट्री बटालियन
(नजदीक एयर फोर्स अस्पताल) कानपुर, यूपी

आवश्यक दस्तावेज :
ESM I कार्ड और फोटोग्राफ के साथ नवीनतम सीवी/बायो डेटा की पांच प्रतियां

ESM नौकरी चाहने वालों के लिए लाभ
शीर्ष PSU/कॉर्पोरेटों (नियोक्ताओं) के भर्तीकर्ताओं के साथ बातचीत करें
परेशानी मुक्त भर्ती प्रक्रिया
एकाधिक नौकरी के अवसरों तक नि:शुल्क पहुंच

नियोक्ताओं के लिए लाभ
वयोवृद्ध प्रतिभा पूल तक नि:शुल्क पहुंच
ऑनलाइन पंजीकरण करें और www.dgrindia.gov.in पर अपनी कंपनी का स्टॉल बुक करें
पहले आओ पहले पाओ के आधार पर आवंटन

अधिक प्रश्नों और सहायता के लिए, कृपया संपर्क करें:

संयुक्त निदेशक (एसई एवं सीआई)
पुनर्वास महानिदेशालय
वेस्ट ब्लॉक IV, आरके पुरम, नई दिल्ली-110066
फ़ोन: 011-20862542
ई-मेल: seopadgr@desw.gov.in
वेब: http://www.dgrindia.gov.in

डीआरजेड(सी), लखनऊ
फ़ोन : 0522-2482833
ई-मेल: drzclkw@desw.gov.in
ईएसएम और स्थल पूछताछ :
सब विष्णू पाताने - 8575653616
एनबी सब रविंद्र चोरमारे - 9561066059

CBC 10401/11/0005/2425

तिरंगा यात्रा राष्ट्र के प्रति समर्पण और गर्व का प्रतीकः मोहन लाल बड़ौली

एजेंसी

सोनीपत। उपमंडल राई में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और राई विधायक मोहनलाल बड़ौली के नेतृत्व में हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा गांव असावरपुर के कम्यूनिटी सेंटर से शुरू होकर राई रेस्ट हाउस तक पहुंची, जिसमें स्थानीय लोगों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। तिरंगा यात्रा के दौरान, लोगों ने देश के वीर शहीदों और तिरंगे के सम्मान में शौर्य और बलिदान को याद किया। विधायक बड़ौली ने कहा कि यह यात्रा युवा पीढ़ी को राष्ट्र प्रेम और देशभक्ति से जोड़ने का एक माध्यम है। उन्होंने आमजन से अपील की कि हर घर तिरंगा अभियान के तहत सभी अपने घरों पर तिरंगा फहराएं। यात्रा में एसडीएम सोनीपत अमित कुमार, सीईओ जिला परिषद सुशील कुमार, और भाजपा के कई कार्यकर्ता और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। यात्रा के दौरान देशभक्ति के गीत और नारों से शहर गूंज उठा, जिससे लोगों में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ। बड़ौली ने कहा कि यह यात्रा केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति समर्पण और गर्व का प्रतीक है। इस अवसर पर उन्होंने एक पेड़ अपनी मां के नाम से भी लगाया।

मतदाता सूचियों की त्रुटियां दूर करने के लिये भाजपा नेताओं ने उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

हिसार। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व हिसार विधानसभा के संयोजक रामचंद्र गुप्ता के नेतृत्व में पार्टी के मंडल अध्यक्ष सुशील बुड़ाकिया व सब्जी मंडी मंडल अध्यक्ष लोकेश असीजा ने जिला उपायुक्त से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने इस मुलाकात के दौरान हिसार विधानसभा की वोटर लिस्ट में चल रही त्रुटियों के बारे में अवगत करवाया और उनसे मांग की कि वे जल्द से जल्द इन त्रुटियों को दूर करें। जिला चुनाव अधिकारी ने भाजपा नेताओं को आश्वासन दिया कि वे जल्द से जल्द वोटर लिस्ट को ठीक करवाने का कार्य करेंगे।

पूर्व पार्षदों ने सरकार को भेजा ज्ञापन

जींद। जिला परिषद सदस्यों ने मांगों को लेकर ज्ञापन सरकार को भेजा है। ज़िला परिषद की पूर्व प्रधान सीमा बिरोली, वीना देशवाल, पूर्व जिला पार्षद अमित निडाना, अनिल जागलान, रणबीर पहलवान, सतीश पहलवान, सतपाल सत्तू, जितेंद्र चहल, विकास, महावीर धरौदी, हैप्पी कालवा, जसमेर रजाना आदि ने बताया कि जिला परिषद सदस्यों को 10 हजार रुपये महीना पेंशन दी जाए, जिसमें जिला परिषद प्रधान को 20 हजार व उप्र धान को 15 हजार रुपये महीना पेंशन दी जाए। जिला परिषद सदस्यों को टोल फ्री व बस फ्री कार्ड दिए जाएं। जिला परिषद सदस्यों को पेटी ग्रांट दी जाए, जिसमें किसी भी मद में स्वतंत्र रूप से अनुदान दिया जा सके। जिला परिषद सदस्यों को रेस्ट हाउस आदि सरकारी हाउसों में प्रोटोकाल के तहत सुविधा दी जाए। प्रत्येक जिला परिषद सदस्य को सक्षम या कौशल स्कीम के तहत एक सहायक प्रधान किया जाए। जिला में होने वाले विकास कार्यों की जांच कमेटी में जिला परिषद सदस्यों का होना अनिवार्य किया जाए। जिला परिषद अध्यक्ष व उपाध्यक्ष को सरकारी आवास दिए जाएं। जिला परिषद सदस्यों को सरकार द्वारा दी गई टाउनशिप में प्लाटो में रिजर्वेशन दी जाए।

हरियाणा में कांग्रेस निकालेगी रथयात्रा

चंडीगढ़। गुटबाजी से ग्रसित हरियाणा कांग्रेस मजबूरी में ही सही लेकिन अब एक मंच पर दिखाई देगी। कांग्रेस हाईकमान ने वर्ष 2019 की तरह इस बार भी हरियाणा में रथयात्रा निकालने के निर्देश दिए हैं। सितंबर माह के दौरान आयोजित होने वाली इस यात्रा में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तथा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी भाग लेंगे।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष चौ उदयभान ने पत्रकारों से बातचीत में रथयात्रा की पुष्टि करते हुए कहा कि चुनावों में कांग्रेस की रथयात्रा चलेगी और सभी विधानसभा क्षेत्रों को कवर करेगी। रथ यात्रा को लेकर हाईकमान की गाइडलाइन आ चुकी है। हरियाणा कांग्रेस ने रथयात्रा को लेकर सभी तैयारियां को अंजाम दे रही। अगस्त के आखिरी सप्ताह अथवा सितंबर के पहले सप्ताह में रथयात्रा की शुरूआत हो सकती है। पूर्व मुख्यमंत्री व विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा, प्रदेशाध्यक्ष चौ उदयभान के अलावा पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा, राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला, रोहतक सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा, पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव सहित प्रदेश कांग्रेस के अधिकांश वरिष्ठ नेता इस रथ यात्रा पर चलेंगे। वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस ने इसी तरह से रथयात्रा निकाली थी।

सोनीपत में मुख्यमंत्री ने वर्चुअली 19 परियोजनाओं का किया शिलान्यास व लोकार्पण

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह ने संकल्प से परिणाम वर्ष के तहत जिला पंचकूला में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह से वर्चुअल माध्यम से सोनीपत में विभिन्न विकास परियोजनाओं का विधिवत शिलान्यास और लोकार्पण किया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व राई विधायक मोहनलाल बड़ौली भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री सैनी ने 120 करोड़ रुपये से अधिक परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। इन परियोजनाओं में जिला सोनीपत के लिए 6268.783 लाख रुपये की लागत से 10 विकास कार्यों की आधारशिला और 5336.92 लाख रुपये की लागत की नौ विकास योजनाओं का उद्घाटन शामिल है। आधारशिला की योजनाओं में जल संरक्षण योजनाएं, जल संग्रहण और

भूजल पुनर्भरण प्रणाली, सड़कों का सुदृढ़ीकरण, पेयजल और सीवरेज व्यवस्था का निर्माण शामिल है। इसके अलावा विभिन्न सड़कों के पुनर्निर्माण और सुदृढ़ीकरण कार्य का परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया। सोनीपत के लघु सचिवालय में आयोजित समारोह में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने कहा कि सरकार ने विकास की दिशा में तेज गति से कदम बढ़ाए हैं, जिससे सोनीपत को नए विकास की दिशा मिली है। उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित राष्ट्र के सपने को साकार करने में सोनीपत तेजी से आगे बढ़ रहा है।

इस मौके पर उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि प्रशासन का लक्ष्य लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने विकास कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता को प्राथमिकता देने का संकल्प भी व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों को पौधे और पुस्तकें भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जिला प्रदेश अध्यक्ष जसबीर दोदवा और मेयर निखिल मदान भी मौजूद रहे।

स्वतंत्रता दिवस को लेकर एकलव्य स्टेडियम में हुई फुल ड्रेस रिहर्सल

एजेंसी

जींद। उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने एकलव्य स्टेडियम में फुल ड्रेस रिहर्सल में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और मार्च पास्ट की सलामी ली। उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा एवं पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार ने एक साथ संयुक्त रूप से विभिन्न परेड की टुकडियों के प्रदर्शन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का फाइनल अवलोकन किया तथा जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए। इस मौके पर उपायुक्त ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में 15 अगस्त को आयोजित होने वाले समारोह की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

इस समारोह में प्रस्तुत किए जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों और मार्च पास्ट का फाइनल फुल ड्रेस अभ्यास एकलव्य स्टेडियम में किया गया। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय स्वतंत्रता समारोह में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराएंगे और मार्च पास्ट की सलामी लेंगे। जिला प्रशासन की ओर से जिला के स्वतंत्रता सेनानियों, युद्ध वीरांगनाओं, शहीदों के परिजनों, आपातकालीन पीड़ित व हिंदी आंदोलन के सत्याग्रहियों को इस अवसर पर सम्मानित किया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस समारोह में परेड का नेतृत्व डीएसपी गीतिका जाखड़ कर रही है। फाइनल रिहर्सल में जिला पुलिस महिला की टुकड़ी पीएसआई प्रीती के नेतृत्व में, जिला पुलिस की टुकड़ी पीएसआई सचिन कुमार के नेतृत्व में, होमगार्ड की टुकडी संजीव सैनी के नेतृत्व में, एनसीसी राजकीय पीजी कॉलेज पुरूष वर्ग की टुकड़ी विनय कुमार के नेतृत्व में, एनसीसी राजकीय पीजी कॉलेज महिला वर्ग की टुकड़ी कुमारी आस्था ने, कब बुलबुल डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल जींद दिवांशी के नेतृत्व में, आर्य सीनियर सैकेंडरी स्कूल बैंड के नेतृत्व में मार्चपास्ट किया।

चुनाव आयोग के समाने राजनीतिक दलों ने रखी चुनाव खर्च सीमा बढ़ाने की मांग

● केंद्रीय चुनाव आयोग ने हरियाणा में दो दिन की चुनाव की तैयारियों की समीक्षा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में विधानसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लेने पहुंची चुनाव आयोग की टीम के सामने प्रदेश के विभिन्न राजनीतिक दलों ने सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग को रोकने तथा आपात स्थिति में पर्यवेक्षकों को तुरंत सुनवाई करने का मुद्दा उठाया। राजनीतिक दलों ने चुनाव आयोग से विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारों की खर्च सीमा को बढ़ाने की भी मांग की है। चुनाव आयोग का हरियाणा में दो दिवसीय दौरा समाप्त हो गया। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार व डॉ. एसएस संधू की टीम ने सोमवार देररात तक राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, मंडलायुक्तों, जिला उपायुक्तों, पुलिस अधिकारियों व राज्य चुनाव आयोग के प्रतिनिधियों के साथ चुनाव की तैयारी पर चर्चा की। दूसरे दिन आयकर, जीएसटी, ईडी, राज्य पुलिस, सीआईडी, आरपीएफ, आरबीआई और विजिलेंस समेत करीब दो दर्जन जांच एजेंसियों के साथ चुनाव की तैयारियों पर बैठक की। हरियाणा के मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद, अतिरिक्त गृह सचिव अनुराग रस्तोगी, पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर, सीआइडी चीफ आलोक कुमार मित्तल और मुख्य चुनाव आयुक्त पंकज अग्रवाल ने भी केंद्रीय चुनाव आयोग की टीम के साथ चुनाव की तैयारियों को लेकर

चर्चा की।

प्रदेश के राजनीतिक दलों ने सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग तुरंत प्रभाव से रोकने, शिकायत होने पर समय से कार्रवाई करने, संवेदनशील पोलिंग स्टेशनों पर केंद्रीय बलों की तैनाती करने, मतदाता सूचियों की खामियों की दूर करने, पोलिंग स्टेशनों की दूरी कम करने, पोलिंग स्टेशनों पर महिलाओं व बुजुर्गों के लिए सुविधाएं बढ़ाने जैसी मांग उठाई। राजनीतिक दलों ने चुनाव आयोग से विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारों की खर्च सीमा को बढ़ाने की भी मांग की है। साथ ही राजनीतिक दलों ने चुनाव आयोग को सुझाव दिया कि शहरी क्षेत्रों में पोलिंग स्टेशन से करीब 50 मीटर की दूरी पर डेस्क लगाने की अनुमति देने की मांग की, जो कि अभी 200 मीटर पर लगती है।

राजनीतिक दलों ने केंद्रीय चुनाव आयोग के सामने चुनाव पर्यवेक्षकों की समय से उपलब्धता तथा शिकायत करने के बाद उस पर तीव्र कार्रवाई नहीं हो पाने का मुद्दा भी उठाया। केंद्रीय चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को भरोसा दिलाया कि राज्य में निष्पक्ष, भय रहित और शांतिपूर्ण चुनाव कराए जाएंगे। इसके लिए सभी एजेंसियों को आवश्यक हिदायतें जारी की जा चुकी है। केंद्रीय चुनाव आयोग ने निर्वाचन विभाग के अधिकारियों से कहा है कि वह प्रत्येक मतदान केंद्र को ग्राउंड फ्लोर पर ही बनाएं तथा कोई भी मतदान केंद्र घर से दो किलोमीटर की दूरी से अधिक नहीं होगा। उन्होंने निर्वाचन अधिकारियों को आदेश दिये कि सभी मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन 27 अगस्त तक हर हाल में अवश्य कर दिया जाए। मुख्य चुनाव आयोग राजीव कुमार ने प्रवर्तन एजेंसियों के साथ बैठक में शराब और नशे का कारोबार करने वाले माफिया पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। काफी संवेदनशील चेक पोस्ट पर दिन रात 24 घंटे सीसीटीवी कैमरे लगाने की व्यवस्था की जाएगी।

अब हिसार में होगी पर्यावरण अदालत से जुड़े मामलों की सुनवाई

एजेंसी

हिसार। पर्यावरण से जुड़े मामलों की सुनवाई अब हिसार न्यायालय में होगी। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के निर्देशों पर हिसार क्षेत्राधिकार से जुड़े पर्यावरण से जुड़े सभी केस कुरुक्षेत्र की पर्यावरण अदालत से हिसार मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में स्थानांतरित कर दिए गए हैं। जिला बार एसोसिएशन के प्रधान विनय बिश्नोई एवं अन्य पदाधिकारियों ने इस फैसले के लिए पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय का आभार जताया है। एडवोकेट विनय बिश्नोई ने बताया कि पिछले दिनों हिसार पहुंचे पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के निरीक्षण जज जस्टिस हरसिमरण सिंह सेठी को जिला बार की तरफ से इस संबंध में मांगपत्र सौंपा गया था। मांगपत्र में

कहा गया था कि पर्यावरण अदालत इस समय केवल कुरूक्षेत्र में ही है जबकि अधिकतर मामले हिसार क्षेत्राधिकार से संबंधित है। ऐसे में हिसार क्षेत्राधिकार से जुड़े मामले होने के बावजूद कुरुक्षेत्र जाना पड़ता है। ऐसे में बार ने मांग की कि हिसार क्षेत्राधिकार से जुड़े मामलों की सुनवाई के लिए पर्यावरण कोर्ट हिसार में ही स्थापित करवाई जाए या इन मामलों की सुनवाई हिसार में करवाई जाए।

एडवोकेट विनय बिश्नोई ने बताया माननीय जस्टिस हरसिमरण सिंह सेठी ने जिला बार के मांगपत्र पर गौर करते हुए हिसार क्षेत्राधिकार से जुड़े मामले हिसार में स्थानांतरित कर दिए हैं। अब इन मामलों की सुनवाई हिसार के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में होगी। इस फैसले के जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विनय बिश्नोई व अन्य पदाधिकारियों ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस हरसिमरण सिंह सेठी का आभार जताया है। अन्य पदाधिकारियों सचिव गौरव बैनीवाल, उप प्रधान विनोद कस्वां, सह सचिव प्रवीन नैन, खजांची दकशेष जाखड़ के अलावा वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश पंवार, अशोक बिश्नोई व मानसिंह चौहान ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस हरसिमरण सिंह सेठी का आभार जताया है।

एनएचएम कर्मचारियों ने भीख मांगकर किया विरोध प्रदर्शन

एजेंसी

चंडीगढ़। अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर चल रहे प्रदेश भर के एनएचएम कर्मचारियों ने जिला मुख्यालयों में सार्वजनिक स्थानों व चौराहों पर भीख मांगकर विरोध प्रदर्शन किया। एनएचएम कर्मचारियों की हड़ताल आज 19वें दिन भी जारी रही। प्रदेश भर में सामूहिक रूप से मुंडन करवाकर विरोध दर्ज करवाने वाले एनएचएम कर्मचारियों को आज भी सरकार की तरफ से बैठक के लिए नहीं बुलाया गया। एनएचएम कर्मचारियों द्वारा सांझा मोर्चा के बैनर तले हड़ताल की जा रही है। इसके चलते प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं पर असर पड़ रहा है। साझा मोर्चा की प्रतिनिधि मंजू व प्रदेश मीडिया प्रभारी गौरव सहगल ने कहा कि सरकार की तरफ से कोई सुनवाई नहीं किए जाने पर अब वह कठोर फैसला करने को मजबूर हो गए हैं। अब प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में बड़ा फैसला लेकर प्रदेशव्यापी अभियान को तेज किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश भर में कर्मचारियों ने भीख मांगकर अपने आंदोलन को नया मोड़ दिया है। अब पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 15 अगस्त को रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाएगा, जिसकी तैयारियां की जा रही है। सरकार को आंदोलन का यह शांतिपूर्ण तरीका पसंद नहीं है, जिसके चलते 16 अगस्त के बाद एनएचएम कर्मचारियों का आंदोलन उग्र रूप धारण करके चलेगा।

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के नाम पर सोशल मीडिया में बने फर्जी अकाउंट

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग में होने वाली भर्तियों के बारे में सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही अफवाहों पर कार्रवाई करते हुए पुलिस महानिदेशक ने राज्य के सभी पुलिस अधीक्षकों तथा साइबर क्राइम सेल को जांच के आदेश जारी किए हैं। प्रारंभिक जांच में 44 ऐसे सोशल मीडिया हैंडल के बारे में पता चला है, जिनके द्वारा हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग का लोगो लगाकर प्रदेश के लाखों बेरोजगार युवाओं को अपना निशाना बनाया जा रहा है।

कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने सोमवार की रात इस संबंध में पुलिस महानिदेशक को एक पत्र लिखकर जांच करवाने का आग्रह किया था। उसके बाद इस मामले की जांच शुरू हो गई है। दिलचस्प बात यह है कि एचएसएससी के नाम से फर्जी सोशल मीडिया अकांउट चलाने वालों में कई सरकारी कर्मचारी या उनके परिजन हैं, जो यू-टयूब चैनल चलाकर भर्तियों के बारे में आए दिन नई-नई जानकारियां दे रहे हैं। इन जानकारियों के बारे में कोई भी पुख्ता प्रमाण नहीं है। आयोग चेयरमैन द्वारा दी गई शिकायत में कहा गया है कि एक यू-टयूबर ने तो आयोग के खिलाफ केस करने के नाम पर अभ्यर्थियों से पैसे की डिमांड भी की है। एचएसएससी की ओर एक पत्र शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को भी भेजा गया है, जिसमें शिक्षा विभाग के उन कर्मचारियों के नाम दिए गए हैं, जो सरकारी भर्तियों को लेकर गलत जानकारी दे रहे हैं। आयोग द्वारा डीजीपी को भेजे गए लेटर में यह भी खुलासा किया गया है कि कुछ यूट्यूबर्स जो सरकारी कर्मचारी हैं, उन्होंने एचएसएससी के ऑफिशियल नाम से अपने चैनल बनाए हुए हैं।

फरीदाबाद जिले के दस गांव हुए नशामुक्त घोषित

एजेंसी

फरीदाबाद। फरीदाबाद पुलिस के प्रयासों और गांवों के सरपंचों के सहयोग से थाना छांयसा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले दस गांवों को नशामुक्त घोषित किया गया है। इन गांवों में चांदपुर, जवां, अरुआ, नंगला मोठुका, हीरापुर, पहैंडा कलां, गढखेडा, शाहपुर खादर, ईमामुदीनपुर एंव लहंडोला आदि शामिल हैं, जिन्हें पुलिस उपायुक्त बल्लबगढ अनिल कुमार द्वारा नशा मुक्त घोषित किया गया।

इस उपलक्ष्य पर पुलिस उपायुक्त बल्लबगढ ने उक्त सभी गांव के सरपंचो द्वारा पुलिस विभाग के साथ मिलकर योगदान देने पर उन्हें स्मृति चिन्ह प्रदान करके सम्मानित किया। इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त ने उपस्थित लोगों को जागरुक करते हुए बताया कि आज युवा वर्ग गलत संगत में नशे का शिकार हो रहा है। समाज से नशे को पूर्ण रुप से खत्म करने के लिए हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी एंव भागीदारी विशेष महत्व रखती है। पुलिस उपायुक्त ने आगे कहा कि जिस प्रकार इन गांवों के सरपंचो ने नशे के खिलाफ व्यक्तिगत रुप से रुचि लेकर अपने गांव को नशा मुक्त करने में आग्रणीय भूमिका निभाई है, उनका फरीदाबाद पुलिस तह दिल से धन्यवाद करती है। पुलिस एंव स्थानीय लोगों द्वारा किये जा रहे प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं, जिनसे प्रेरित होकर युवा वर्ग ने शिक्षा एंव खेल गतिविधियो में भाग लेना शुरू कर दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि नशा मनुष्य के शारीरिक स्वास्थ, सौन्दर्य, आर्थिक स्थिति एंव मानसिक स्थिति को बुरी तरह से नुकसान पहुंचाता है और नशे से ग्रस्त व्यक्ति समाज के प्रति अपराधिक घटनाओं को अन्जाम देते हैं। गांव के सरपंचो एंव स्थानीय पुलिस द्वारा नशे पर प्रहार करने के किये जा रहे कार्यो से प्रेरित होकर अन्य लोगों द्वारा भी पुलिस का सहयोग करना शुरू कर दिया गया है। जिसके प्रणाम स्वरूप पुलिस द्वारा अन्य गांव में भी नशा मुक्ति जागृति अभियान एंव मैडिकल कैम्प लगाए जा रहे हैं और अन्य गांवों को भी नशा मुक्त बनाने के प्रयास किए जाएंगे।अंत मे पुलिस उपायुक्त बल्लबगढ द्वारा उपस्थित सरपंचों को स्मृति चिन्ह प्रदान किया गए।

भाजपा ने दोबारा जारी की चुनाव समिति की सूची

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार में नेतृत्व परिवर्तन के बाद भाजपा की राजनीति में हाशिए पर चल रहे पूर्व गृहमंत्री अनिल विज के दबाव में भाजपा हाईकमान ने प्रदेश चुनाव समिति की सूची दोबारा जारी की है। इस सूची में अनिल विज का नाम शामिल कर लिया गया है। दो दिन पहले जारी लिस्ट में

पूर्व गृहमंत्री अनिल विज का नाम नहीं था। इससे नाराज अनिल विज सोमवार को अचानक दिल्ली पहुंच गए। यहां उन्होंने केंद्रीय मंत्री और प्रदेश चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात कर अपनी नाराजगी जाहिर की। इसके बाद सोमवार देर रात ही पार्टी की ओर से चुनाव समिति की संशोधित लिस्ट जारी की गई। इस लिस्ट में नौवें नंबर पर पूर्व गृह मंत्री अनिल विज का नाम जोड़ा गया है। अनिल विज के अलावा हिसार से लोकसभा प्रत्याशी रह चुके रणजीत सिंह चौटाला का नाम भी लिस्ट में नहीं है। चर्चा है कि वह भी इसको लेकर नाराज हैं, जिससे वह घर बैठ गए हैं।

सीएम नायब सिंह सैनी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से किया योजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास

एजेंसी

कैथल। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जिला को 301 करोड़ 33 लाख रुपये से अधिक की राशि की विभिन्न परियोजनाओं की सौगात दी। पंचकूला में प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसका प्रसारण वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में डीसी प्रशांत पंवार ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और परियोजनाओं का लोकार्पण किया।

डीसी प्रशांत पंवार ने लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में कुल 20 परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इसमें 51 करोड़ 96 लाख 93 हजार रुपये की 4 परियोजनाओं का उद्घाटन तथा 249 करोड़ 36 लाख 87 हजार रुपये की 16 परियोजनाओं का शिलान्यास किया।

इन 4 परियोजनाओं का हुआ उद्घाटन

-25 करोड़ 6 लाख 53 हजार रुपये की राशि से लोक निर्माण विभाग द्वारा कैथल विधानसभा में 21 सड़कों के सुदृढ़ीकरण का कार्य।

-कैथल विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत कैथल-खनौरी रोड (पेहवा चौक से संगतपुरा तक)का 10 करोड़ 11 लाख 42 हजार रुपये से सुदृढीकरण का कार्य।

-कलायत विधानसभा क्षेत्र के

अंतर्गत 15 करोड़ 84 लाख 29 हजार रुपये से 15 सड़कों का सुधारीकरण का कार्य।

-गांव माधोमाजरी में 94 लाख 69 हजार रुपये की राशि से बनाए गए बायोगैस प्लांट।

इन 16 परियोजनाओं का हुआ शिलान्यास

-गांव किठाना में 6 करोड़ 4 लाख 97 हजार रुपये से फेज-1 के तहत सब यार्ड का निर्माण।

-कैथल सब्जी मंडी मार्किट में 8 करोड़ 7 लाख रुपये की लागत से फेज-1 के तहत विकास कार्य।

-अतिरिक्त नई अनाज मंडी में 2 करोड़ 40 लाख 39 हजार रुपये की लागत से कवर्ड शैड का निर्माण।

-ढांड में 52 करोड़ 12 लाख 37 हजार रुपये से सीवरेज नेटवर्क तथा सीवरेज ट्रिटमेंट प्लांट।

-तितरम से राजौंद होती हुई करनाल जिला की सीमा तक की सड़क का 39 करोड़ 45 लाख 29 हजार रुपये से सुधारीकरण।

-कैथल विधानसभा क्षेत्र में 26 करोड़ 86 लाख 11 हजार रुपये से विभिन्न 25 सड़कों का सुदृढ़ीकरण का कार्य

-23 करोड़ 78 लाख रुपये की राशि से देवबन से किठाना रोड तथा पेहवा चौक से छोटू राम चौक सड़क का सुधारीकरण कार्य।

विनेश फौगाट प्रकरण की हो जांच, खापों ने दिया डीसी को ज्ञापन

एजेंसी

जींद। सर्वखाप पंचायत के तहत आने वाली जिलेभर की 24 खापों के चौधरियों ने डीसी मोहम्मद इमरान रजा से मुलाकात की और राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि विनेश फोगाट के मामले की सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश से करवाई जाए। गोल्ड मेडल विजेता को दी जाने वाली सभी सुविधाएं विनेश को दी जाएं। विनेश को भारत रत्न से सम्मानित किया जाए। खापों का कहना है कि साजिश के तहत विनेश फोगाट को बाहर किया गया। खापों ने यह भी मांग की कि विनेश को गोल्ड मेडल विजेता का सम्मान दिया जाए। सर्वखाप पंचायत के महासचिव गुरविंद्र सिंह संधू, ओमप्रकाश कंडेला, उमेद जागलान, समुंद्र सिंह फोर, दिलबाग कुंडू ने कहा कि प्रदेश सरकार विनेश को सिल्वर मेडल देने की घोषणा कर रही है, जो नाकाफी है, उसे गोल्ड मेडल वाली सुविधा व सम्मान मिलना चाहिए। खाप चौधरियों ने कहा कि खेल फैडरेशन में राजनीति की जा रही है। जहां खेलों में कोई रूचि नही है, वहां गुजरात को 600 करोड़ रुपये, उत्तर प्रदेश को 450 करोड़ खेल बजट में दिए जा रहे हैं जबकि हरियाणा को केवल 60 करोड़ रुपये का बजट मिला है। जहां सबसे ज्यादा मेडल आए हैं। खिलाड़ियों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। वहीं खापों ने खटकड़ टोल प्लाजा पर चल रहे किसानों के धरने को लेकर भी समाधान करवाने की मांग की। जिस पर डीसी ने दो से तीन दिन में समाधान का आश्वासन दिया। ज्ञापन के मौके पर कालवा तपा प्रधान दिलबाग कुंडू, दाडन् खाप प्रधान सूरजभान घासो, नौगामा खाप प्रधान सुरेश बहबलपुर, जुलाना खाप प्रधान बसाऊ लाठर, रामकरण दलाल, कुलदीप ढांडा, दलेल सिहाग, धर्मपाल ने कहा कि विनेश फोगाट से बातचीत कर उसने समय लिया जाएगा और जल्द ही रोहतक में नांदल खाप चबूतरे पर समारोह का आयोजन किया जाएगा।

राज्य मंत्री के बयान से भारतीय मसाला उद्योग को राहत मिली

नई दिल्ली। मसाला उद्योग के प्रतिनिधियों ने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल के इस बयान पर राहत व्यक्त की है कि सिंगापुर और हांगकांग के अधिकारियों ने भारत से मसालों की खेप को केवल जांच के लिए रोका है तथा इस तरह की कार्रवाई भारत के किसी ब्रांड के मसालों पर कोई पाबंदी नहीं मानी जा सकती है। मसाला उद्योग के एक प्रतिनिधि ने कहा कि मंत्रालय के ताज़ा स्पष्टीकरण ने भारतीय मसालों की गुणवत्ता के बारे में चल रहे अटकलों को समाप्त कर दिया है। प्रतिनिधि ने कहा कि श्रीमती पटेल ने स्पष्ट किया है कि सिंगापुर और हांगकांग की एजेंसियों ने किसी सामान्य प्रक्रिया के रूप में 'होल्ड-एंड-टेस्ट' प्रणाली लागू की थी। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इस तरह की कार्रवाई किसी भी भारतीय मसाला उत्पाद या ब्रांड पर प्रतिबंध नहीं है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें यथावत

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज यथावत रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर

साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.19 प्रतिशत फिसलकर 79.91 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.29 प्रतिशत गिरकर 82.06 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। देश के चार महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत इस प्रकार रही।

पाईरियन एश्योरेंस एंड एडवाइजरी की पाईरैग कंसल्टिंग एलएलपी के रूप में रीब्रांडिंग

नई दिल्ली। वैश्विक कंसल्टिंग कंपनी पाईरियन एश्योरेंस एंड एडवाइजरी का पाईरैग कंसल्टिंग एलएलपी के रूप में रीब्रांडिंग की गयी है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि रीब्रांडिंग एक नए ब्रांड पहचान, उद्देश्य, महत्वाकांक्षा और दृष्टि के साथ एक महत्वपूर्ण बदलाव को चिह्नित करता है। कंपनी ने आने वाले वर्षों के लिए रणनीतिक लक्ष्य और विकास योजनाओं की भी घोषणा की है, जिसमें राजस्व वृद्धि के लक्ष्य, टीम विस्तार, विश्व स्तर पर उपस्थिति का विस्तार और सेवा पोर्टफोलियो का विस्तार शामिल है। पाईरैग कंसल्टिंग एलएलपी का लक्ष्य वित्त वर्ष 2026 में 2.5 करोड़ डॉलर का राजस्व हसिल करना है जो चालू वित्त वर्ष में 1.2 करोड़ डॉलर से अधिक रह सकता है। 2021 में शुरू होने के बाद से कंपनी ने 210 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर के साथ विकास किया है और वित्त वर्ष 2027 तक 5 करोड़ डॉलर राजस्व हासिल करने की योजना बना रही है। यह कंपनी की आने वाले वर्षों में लगातार विकास प्राप्त करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पाईरैग कंसल्टिंग एलएलपी अमेरिका , भारत और ब्रिटेन में कंपनियों को एश्योरेंस, अकाउंटिंग एडवाइजरी, बिजनेस रिस्क एडवाइजरी और टेक्नोलॉजिकल रिस्क एडवाइजरी जैसी विशेष सेवाएं प्रदान करता है।

एसुस का दिल्ली में एक्सक्लूसिव स्टोर

नयी दिल्ली। देश के रिटेल क्षेत्र में ब्रांड को मजबूत करने की दिशा में कदम बढाते ताइवान की प्रौद्योगिकी कंपनी एसुस इंडिया ने राजधानी दिल्ली के पीतमपुरा में एक एक्सक्लूसिव स्टोर शुरू करने की घोषणा की। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि नया एक्सक्लूसिव स्टोर 300 वर्ग फुट में फैला हुआ है और इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर हार्डवेयर की एक विस्तृत श्रृंखला पेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है, जिसमें वीवोबुक, ज़ेनबुक, रिपब्लिक ऑफ गेमर्स (आरओजी) लैपटॉप, गेमिंग डेस्कटॉप, ऑल-इन-वन डेस्कटॉप जैसे एसुस फ्लैगशिप उत्पाद शामिल हैं। एसुस इंडिया के राष्ट्रीय विक्रय प्रबंधक (पीसी और गेमिंग बिजनेस) जिग्नेश भावसार ने कहा, हमें भारत में अपने रिटेल कारोबार के विस्तार की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। दिल्ली हमारे लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है, दिल्ली में नए ब्रांड स्टोर का उद्घाटन हमारे नए उत्पादों की मदद से बेहतर अनुभव के साथ देश के विभिन्न क्षेत्रों में उपभोक्ताओं को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। रणनीतिक रिटेल विस्तार दृष्टिकोण के साथ, हम अपने यूजर्स के लिए नए टचप्वाइंट बनाना जारी रखेंगे।

अभारतीय मानक ब्यूरो ने पर्यावरण पर नए विभाग ईईडी की शुरुआत की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने पर्यावरण और पारिस्थितिकी से संबंधित मुद्दों पर मानकीकरण के लिए एक नए विभाग की शुरुआत की है। इसका नाम पर्यावरण और पारिस्थितिकी विभाग (ईईडी) दिया गया है।

उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि बीआईएस ने पर्यावरण और पारिस्थितिकी से संबंधित मुद्दों पर मानकीकरण के लिए एक नया विभाग शुरू किया है। इसका उद्देश्य स्थिरता तथा पर्यावरण मानकीकरण में वैश्विक मानक स्थापित करना है।

मंत्रालय के मुताबिक राष्ट्रीय मानक निकाय बीआईएस ने विभाग की स्थापना के उपलक्ष्य में एक दिन पहले एक कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें देशभर से 100 से अधिक विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। बीआईएस के महानिदेशक प्रमोद कुमार तिवारी ने कहा कि नया विभाग सभी पारिस्थितिक आवश्यकताओं को पूरा करेगा और भारत तथा विश्व दोनों के लिए मानक तैयार करेगा।

संदीप पौंड्रिक ने इस्पात मंत्रालय में सचिव पद का कार्यभार संभाला

एजेंसी

नई दिल्ली। संदीप पौंड्रिक ने मंगलवार को इस्पात मंत्रालय के सचिव का पदभार संभाल लिया है। उद्योग भवन में स्थित इस्पात मंत्रालय में पौंड्रिक का कार्यभार संभालने के मौके पर मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। वे बिहार कैडर के 1993 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी हैं।

इस्पात मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि 1993 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी संदीप पौंड्रिक ने इस्पात मंत्रालय के सचिव के तौर पर कार्यभार संभाल लिया है। मंत्रालय के मुताबिक कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने देश में इस्पात क्षेत्र की प्रगति की समीक्षा के लिए इस्पात मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। उल्लेखनीय है कि पौंड्रिक बिहार सरकार में उद्योग विभाग में अतिरिक्त मुख्य सचिव के पद पर कार्यरत थे। उन्होंने कई अन्य पदों का अतिरिक्त प्रभार भी संभाला है। इससे पहले वे गृह मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) में सलाहकार तथा पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव के पद पर कार्यरत थे।

आईआरएफ रैंकिंग में आईआईएफटी 12 पायदान की छलांग लगाकर 15वें स्थान पर पहुंचा

एजेंसी

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय का भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) ने शिक्षा मंत्रालय की जारी राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) रैंकिंग में 12 स्थानों की छलांग लगाकर इस वर्ष 15वें स्थान पर पहुंच गया है। आईआईएफटी पिछले वर्ष की रैंकिंग में 27वें स्थान पर था, जबकि वर्ष 2022 में यह 24वें स्थान पर था। संस्थान की रैंकिंग में यह रिकॉर्ड सुधार है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि आईआईएफटी को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बधाई दी है। वाणिज्य मंत्री गोयल ने विश्वास व्यक्त किया कि संस्थान जल्द ही एक विश्व स्तरीय संस्थान में बदल जाएगा, जो व्यापार और निवेश में भारत के प्रभावशाली विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा।उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भावी नेताओं को तैयार करने में आईएफटी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वर्ष 2023 में

27वें स्थान से इस साल 15वें स्थान पर भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) दिल्ली ने उल्लेखनीय प्रगति की है।

मंत्रालय के मुताबिक वर्ष 2016 में एनआईआरएफ रैंकिंग की शुरुआत के बाद से भारतीय विदेश व्यापार संस्थान की रैंकिंग में यह रिकॉर्ड सुधार है। आईआईएफटी 2021 में 25वें, 2020 में 26वें और 2019 में 31वें, 2018 में 23वें, 2017 में 30वें और 2016 में 81वें स्थान पर था। देश में उच्च शिक्षण संस्थानों को वस्तुनिष्ठ मानदंडों के आधार पर रैंकिंग देने के लिए 2016 में एनआईआरएफ की शुरुआत की गई थी, ताकि ऐसे संस्थानों में प्रतिस्पर्धात्मक उत्कृष्टता को बढ़ावा दिया जा सके।

उल्लेखनीय है कि आईआईएफटी की स्थापना 1963 में भारत के बाह्य व्यापार क्षेत्र के लिए कौशल निर्माण में योगदान देने को मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय के रूप में की गई थी।

ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक का मुनाफा जून तिमाही में 33 फीसदी बढ़कर 24 करोड़ रुपये पर पहुंचा

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड (ओजीएल) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 30 जून, 2024 को समाप्त अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी का मुनाफा 32.69 फीसदी बढ़कर 23.99 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 18.08 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी की ओर से जारी बयान के मुताबिक 30 जून 2024 को समाप्त पहली तिमाही में ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड का परिचालन से प्राप्त राजस्व उछलकर 313.93 करोड़ रुपये रहा है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 216.02 करोड़ रुपये की तुलना में 45.33 फीसदी ज्यादा है। कंपनी ने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में कर-पूर्व लाभ 31.85 करोड़ रुपये रहा, जो वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही के 25.25 करोड़ रुपये से 26.09 फीसदी अधिक है।

ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक के मुताबिक 30 जून, 2024 को समाप्त अप्रैल-जून तिमाही में कुल व्यय 51.78 फीसदी बढ़कर 288.70 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान उपभोग की गई सामग्री की लागत 224.10 करोड़ रुपये (46.14 फीसदी सालाना वृद्धि) और कर्मचारी लाभ व्यय 18.42 करोड़ रुपये (23.54 फीसदी सालाना वृद्धि) रहा। कंपनी के मुताबिक ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की कमाई पहली तिमाही में 50.5 करोड़ रुपये पर हुंच गया है, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में 22 फीसदी की वृद्धि है। ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (एमडी) के. वी. प्रदीप ने बताया कि कंपनी ने अब तक कुल 1,902 इलेक्ट्रिक वाहनों की डिलीवरी की है, जिसमें चालू वित्त वर्ष 24-25 में 156 इलेक्ट्रिक वाहनों की डिलीवरी शामिल है। प्रदीप ने कहा कि 10,818 इकाइयों पर बस ऑर्डरों की कुल संख्या के साथ मजबूत मांग जारी है। आज कारोबार के दौरान ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक का शेयर 11.93 फीसदी बढ़कर 1,727.35 रुपये पर पहुंच गया।

विदेशी निवेशकों की बिकवाली से शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) द्वारा आज जम कर की गई बिकवाली के कारण घरेलू शेयर बाजार बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली कमजोरी के साथ हुई थी। शुरुआती कारोबार में खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स कुछ देर के लिए हरे निशान में भी आया लेकिन सुबह 10 बजे के बाद बिकवाली का दबाव बढ़ जाने के कारण बाजार के दोनों सूचकांक बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.87 प्रतिशत और निफ्टी 0.85 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

दिनभर के कारोबार के दौरान मेटल, बैंकिंग और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयर में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसी तरह एनर्जी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और ऑयल एंड गैस इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर कंज्यूमर ड्युरेबल्स, फार्मास्यूटिकल और आईटी इंडेक्स में तेजी का रुख बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.98 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज बाजार में आई गिरावट के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब साढ़ चार लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 445.34 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 449.82 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 4.48 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,026 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,280 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,658 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 88 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,375 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 590 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,785 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 9 शेयर बढ़त के साथ और 21 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 14 शेयर हरे निशान में और 36 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 96.41 अंक की कमजोरी के साथ 79,552.51 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत में खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 43.63 अंक की मजबूती के साथ 79,692.55 अंक तक पहुंचा लेकिन ये तेजी अधिक देर तक कायम नहीं रह सकी। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने इसके बाद चौतरफा बिकवाली शुरू कर दी, जिसकी वजह से ये सूचकांक गिरता चला गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण सेंसेक्स 759.54 अंक की कमजोरी के साथ 78,889.38 अंक तक लुढ़क गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 692.89 अंक की कमजोरी के साथ 78,956.03 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 4.65 अंक की मामूली गिरावट के साथ 24,342.35 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। शुरुआती कारोबार में खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 12.95 अंक की मजबूती के साथ 24,359.95 अंक तक पहुंचा। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से इस सूचकांक में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से ये सूचकांक 230.50 अंक टूट कर 24,116.50 अंक तक लुढ़क गया। पूरे दिन हुई खरीद बिक्री के बाद निफ्टी 208 अंक की गिरावट के साथ 24,139 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

दिन भर के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाइटन कंपनी 1.89 प्रतिशत, अपोलो हॉस्पिटल 1.34 प्रतिशत, डॉक्टर रेड्डीज लेबोरेट्रीज 0.90 प्रतिशत, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स 0.68 प्रतिशत और नेस्ले 0.47 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर बीपीसीएल 3.51 प्रतिशत, एचडीएफसी बैंक 3.43 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 2.85 प्रतिशत, एचडीएफसी लाइफ 2.48 प्रतिशत और बजाज फाइनेंस 2.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

मक्का आयात नीति पर तत्काल पुनर्विचार करें- डॉ कृष्ण बीर चौधरी

एजेंसी

इंदौर। मक्का आयात नीति पर तत्काल पुनर्विचार करें- डॉ कृष्ण बीर चौधरी - भारतीय कृषक समाज से सम्बद्ध एवं भारतीय राज्य फार्म निगम के पूर्व अध्यक्ष डॉ कृष्ण बीर चौधरी ने केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को हाल ही में एक विस्तृत पत्र लिखकर मक्का आयात नीति पर तत्काल पुनर्विचार करने की मांग की है। श्री चौधरी ने अपने पत्र में लिखा है कि भारत में मक्का आयात करने के हाल ही में किए गए भारत सरकार के फैसले पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त करने के लिए भारतीय कृषक समाज यह पत्र लिख रहा है। सरकार के द्वारा मक्का का आयात विशेषतः उस समय पर करना जब नई फसल बाजार में आने के लिए तैयार है, किसानों के प्रति संवेदनहीनता ही नहीं बल्कि कुठाराघात है। इस सम्बन्ध में निम्न विषयों को आपके संज्ञान में लाना चाहते हैं। कई भारतीय राज्य मक्का के महत्वपूर्ण उत्पादक हैं, जो घरेलू मांग को पूरा करने में सक्षम हैं। द हिंदू बिजनेस लाइन (दिनांक 4 अगस्त, 2024) की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान वर्ष में मक्का की खरीफ बुवाई सामान्य से लगभग 10 प्रतिशत अधिक की गई है। कृषि मंत्रालय के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष मक्के का क्षेत्रफल लगभग 82.25 लाख हेक्टेयर (एलएच) तक पहुंच गया है, जो गत वर्ष में लगभग 74.56 लाख हेक्टेयर था। यह संभावित रूप से प्रचुर घरेलू फसल उत्पादन का एक स्वस्थ संकेत है, जो आयात पर निर्भर हुए बिना मौजूदा घरेलू मांग की आपूर्ति करने में सक्षम है। घरेलू बाजार में मक्का के आयात द्वारा कीमतें कम होने पर हमारे किसान भाइयों को भारी आर्थिक हानि होगी और किसान उत्पादन बढ़ाने में हतोत्साहित होंगे।

जीएसटी परिषद की 54वीं बैठक 9 सितंबर को, दरों को तर्कसंगत बनाने पर होगी चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद की 54वीं बैठक 9 सितंबर, 2024 को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में होगी। इस बैठक में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों को तर्कसंगत बनाने पर चर्चा की जाएगी। परिषद की पिछली बैठक 23 जून, 2024 को हुई थी।

जीएसटी परिषद ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक आधिकारिक बयान में कहा कि 'जीएसटी परिषद की 54वीं बैठक नौ सितंबर, 2024 को नई दिल्ली में होगी। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण करेंगी। इस बैठक में दरों को युक्तिसंगत बनाने टैक्स 'स्लैब' को कम करने के अलावा जीएसटी के तहत उल्टा शुल्क हटाने पर चर्चा होने की संभावना है। इससे पहले जीएसटी परिषद की पिछली बैठक 23 जून, 2024 को राजधानी नई दिल्ली में हुई थी। इस बैठक के बाद आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में सीतारमण

ने कहा था कि जीएसटी परिषद की अगली बैठक में बिहार के उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में दरों को युक्तिसंगत बनाने पर गठित मंत्रिसमूह (जीओएम) कार्य की स्थिति और समिति के द्वारा 'कवर' किए गए पहलुओं तथा समिति के समक्ष लंबित कार्यों पर एक प्रस्तुति देगा। उल्लेखनीय है कि केंद्र तथा राज्यों के वित्त मंत्रियों वाली जीएसटी परिषद, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के संबंध में निर्णय लेने वाली सर्वोच्च संस्था है। ये संस्था एक जुलाई, 2017 से काम कर रही है।

यूनिकॉमर्स ई-सॉल्यूशन और फर्स्टक्राइ की शेयर बाजार में धांसू एंट्री

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज दो कंपनियों ने लिस्टिंग के जरिए शानदार एंट्री की है। इन कंपनियों में यूनिकॉमर्स ई-सॉल्यूशंस के शेयर ऑफर प्राइस की तुलना में दोगुनी से अधिक कीमत पर लिस्ट हुए। इसी तरह फर्स्टक्राइ के शेयर 40 प्रतिशत प्रीमियम के साथ शेयर बाजार में लिस्ट हुए।

यूनिकॉमर्स ई-सॉल्यूशंस का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 6 से 8 अगस्त तक खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला, जिसके कारण ये ओवरऑल 168.35 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ में सबसे अधिक बोली नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) ने लगाई थी, जिसके कारण एनआईआई का हिस्सा 252.46 गुना सब्सक्राइब हुआ था, जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स का हिस्सा 130.99 गुना सब्सक्राइब हुआ था। आईपीओ के तहत निवेशकों को 108 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए गए थे। आज बॉम्बे स्टॉक

एक्सचेंज (बीएसई) में इसकी लिस्टिंग 230 रुपये पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में इसकी लिस्टिंग 235 रुपये के भाव पर हुई। लिस्टिंग के साथ ही निवेशकों को 118 से 120 प्रतिशत तक का लिस्टिंग गेम मिल गया था। कारोबार की शुरुआत होने के बाद यूनिकॉमर्स ई-सॉल्यूशंस के शेयर उछल कर 256.15 रुपये के अपर सर्किट पर पहुंच गए। इस तरह इस आईपीओ के निवेशकों को 137.5 प्रतिशत तक का मुनाफा हो गया है।

यूनिकॉमर्स ई-सॉल्यूशंस विभिन्न कंपनियां, लॉजिस्टिक प्रोवाइडर्स और सेलर्स को ई-कॉमर्स सर्विस उपलब्ध कराती है। यूनिकॉमर्स ई-सॉल्यूशंस के भारतीय क्लाइंट्स में जीवामी, मामाअर्थ, लेंसकार्ट और सेलो जैसी कंपनियां शामिल हैं। यूनिकॉमर्स ई-सॉल्यूशंस द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के मुताबिक इसके क्लाइंट्स में 7 देशों की 43 कंपनियां शामिल हैं। यूनिकॉमर्स ई-सॉल्यूशंस की तरह ही ब्रेनबीज सॉल्यूशन के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म फर्स्टक्राई के शेयरों की भी आज घरेलू शेयर बाजार में जोरदार एंट्री हुई। 6 से 8 अगस्त के बीच खुले इस आईपीओ के तहत निवेशकों को 465 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए गए थे?। कंपनी का आईपीओ ओवरऑल 12 गुना ओवर सब्सक्राइब हुआ था। आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में कंपनी के शेयर 625 रुपये के स्तर पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में 651 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। इस तरह निवेशकों को 40 प्रतिशत से अधिक का लिस्टिंग गेन मिल गया। लिस्टिंग होने के बाद कंपनी के शेयर बढ़कर 695 के स्तर पर पहुंच गए, जिससे इसके निवेशक 49 प्रतिशत से अधिक के मुनाफे में आ चुके हैं।

फर्स्टक्राइ की पैरेंट कंपनी ब्रेनबीज सॉल्यूशन ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिये नवजात बच्चों और माताओं से जुड़े उत्पादों की बिक्री करती है। कंपनी की स्थापना 2010 में हुई थी और ये फर्स्टक्राइ के नाम से ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए अपने पूरे कारोबार का संचालन करती है।

मारुती सुजुकी ने फ़्रौंक्स का जापान को निर्यात किया शुरू

नई दिल्ली। वाहन निर्माण कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने अपनी 'मेड-इन-इंडिया' एसयूवी फ़्रौंक्स का जापान को निर्यात शुरू कर दिया। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि फ़्रौंक्स जापान में लॉन्च होने वाली मारुति सुजुकी की पहली एसयूवी होगी। यह ऐतिहासिक उपलब्धि 'मेक इन इंडिया' पहल की भावना को साकार करते हुए राष्ट्रीय गौरव को उजागर करती है। फ़्रौंक्स का निर्माण विशेष रूप से मारुति सुजुकी के अत्याधुनिक गुजरात संयंत्र में किया जाता है। जापान के लिए 1,600 से अधिक फ़्रौंक्स वाहनों की पहली खेप गुजरात के पीपावाव बंदरगाह से रवाना हुई है।

फ़्रौंक्स मारुति सुजुकी का दूसरा मॉडल है जिसे बलेनो के बाद जापान को निर्यात किया गया है। फ़्रौंक्स को मारुति सुजुकी की मूल कंपनी सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन द्वारा 2024 की ऑटम ऋतु में जापान में लॉन्च करने की योजना है।

महंगा हुआ सोना, चांदी की कीमत में गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने में तेजी का रुख नजर आ रहा है, जबकि चांदी गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है। सोना आज 250 से 300 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 70,740 रुपये से लेकर 70,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 64,860 रुपये से लेकर 64,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में आज कमजोरी आने की वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु आज 82,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 70,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 64,860 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 70,590 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 64,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 70,590 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 64,710 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 70,640 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 64,760 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 70,590 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 64,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 70,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 64,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 70,640 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 64,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 70,740 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 64,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने महंगा हुआ है।

सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो के लिए 20 टीमों की घोषणा

नई दिल्ली। सैमसंग इंडिया ने अपने प्रमुख सीएसआर प्रोग्राम 'सॉल्व फॉर टुमॉरो' 2024 के लिये राष्ट्रीय स्तर पर चुनी गई टॉप 20 टीमों की घोषणा कर दी है। यह टीमें आगामी नेशनल राउंड में जाने के लिये तैयार हैं और ये सभी टीमें देश के अलग-अलग हिस्सों से आई हैं। इनमें भारत के 12 राज्यों और 2 संघ शासित क्षेत्रों के लोग हैं। कुछ लोग तो देश के सुदूर इलाकों जैसे कि मणिपुर के इंफाल, मेघालय के ईस्ट खासी हिल्स और छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से आए हैं। गाज़ियाबाद में, यूथ ट्रैक की टीम एक्वाअलर्ट और स्कूल ट्रैक की टीम प्रीयेटर वीआर ने इस सीजन के टॉप 20 सेमी-फाइनलिस्ट्स में अपनी जगह बनाई है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि स्कूल ट्रैक की टॉप 20 सेमी-फाइनलिस्ट्स टीमों में से एक, गाज़ियाबाद की प्रीयेटर वीआर ने वीआर पर आधारित शिक्षा को सभी विद्यार्थियों की पहुँच में लाने के लिये काम किया है।

बरसात के मौसम में एलर्जी से लाल हो गया है चेहरा? तो राहत पाने के लिए आजमाएं 5 घरेलू नुस्खे

गर्मी और उमस के मौसम में अक्सर त्वचा से जुड़ी कई तरह की समस्याएं परेशान करने लगती हैं। खासतौर से सेंसिटिव स्किन वाले लोगों को घर से बाहर निकलते ही चेहरे पर रेडनेस हो जाती है, जो इचिंग और खुजली की भी वजह बन जाती है। अगर आप भी ऐसी सिचुएशन से जूझ रहे हैं, तो इस आर्टिकल में हम कुछ ऐसे घरेलू नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनकी मदद से चेहरे की लालिमा से छुटकारा पाया जा सकता है। आइए जानें।

गुलाब जल

त्वचा पर गुलाब जल के इस्तेमाल से ठंडक मिलती है। यह सनबर्न के कारण हुई डैमेज स्किन को तेजी से ठीक करने में मदद करता है। अगर आपके भी चेहरे पर रेडनेस हो गई है तो आप गुलाब जल का इस्तेमाल कर सकते हैं या फिर गुलाब जल में खीरे का रस मिलाकर चेहरे पर लगा सकते हैं। इसे लगाने के 10-15 मिनट बाद आप अपने चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। बता दें, नियमित रूप से गुलाब जल का इस्तेमाल करने से लालिमा कुछ ही दिनों में ही दूर हो जाती है।

शहद

ब्यूटी प्रोडक्ट के रूप में शहद का इस्तेमाल लंबे समय से किया जा रहा है। यह त्वचा से जुड़ी कई समस्याओं को दूर करता है। इसमें मौजूद एंटी इंफ्लेमेटरी गुण त्वचा की लालिमा और सूजन को दूर करने में मदद करते हैं। ये त्वचा पर होने वाले रैशेज और खुजली की समस्या को भी दूर करने में काफी मदद करता है। अगर आपके चेहरे पर रेडनेस की समस्या हो गई है तो शहद को प्रभावित हिस्सों पर लगाएं और फिर 15-20 मिनट चेहरे रखने के बाद इसे पानी से धो लें। इस तरह रोजाना दिन में 2-3 बार करने से रेडनेस जल्द खत्म होने लगेगी।

एलोवेरा

एलोवेरा में हीलिंग गुण मौजूद होते हैं जो चेहरे की रेडनेस को दूर करने में मदद करता है। अगर आपकी भी चेहरे पर लालिमा हो गई है तो एलोवेरा जेल को अपने चेहरे पर लगाएं। आधे घंटे बाद ठंडे पानी से चेहरे को धो लें। दिन में कम से कम 2-3 बार ऐसा करने से आपको राहत देखने को मिलेगी।

बर्फ

बर्फ रेडनेस को दूर करने के लिए रामबाण है। बर्फ की सिकाई करने से लालिमा कम होने में मदद मिलती है। इसके लिए आप एक सॉफ्ट कॉटन के कपड़े में बर्फ के टुकड़े को डालें और इसे अपने चेहरे पर लगाएं। आप चाहें तो चिल्ड पानी से भी चेहरा धो सकते हैं इससे भी आपको राहत मिलेगी।

नारियल का तेल

नारियल के तेल में एंटी फंगल और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। नारियल का तेल त्वचा की एलर्जी और लालिमा से छुटकारा दिलाने में मदद करता है। अगर आपके चेहरे पर रेडनेस हो गई है तो नारियल के तेल को प्रभावित हिस्से पर लगाएं। आधे घंटे बाद चेहरे को साफ पानी से धो लें।

विचाराधीन कैदियों के अधिकारों के हनन का सवाल

विचाराधीन कैदियों की दुर्दशा न्यायिक प्रणाली की विफलताओं की एक कठोर याद दिलाती है। प्रणाली की अक्षमता न केवल व्यक्तियों को निष्पक्ष और समय पर सुनवाई के उनके अधिकार से वंचित करती है, बल्कि वंचितता के एक चक्र को भी बनाये रखती है जो असमान रूप से गरीबों और हाशिए पर पड़े लोगों को प्रभावित करती है। वित्तीय बाधाओं के कारण जमानत प्राप्त करने में असमर्थता न्याय के लिए एक महत्वपूर्ण बाधा को रेखांकित करती है।

जब भारत के सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ कहते हैं कि लोग हमारी अदालतों के काम करने के तरीके से तंग आ चुके हैं, तो न्यायिक प्रणाली पर इससे अधिक गंभीर आरोप और क्या हो सकता है! उनका यह दावा कि न्यायपालिका को केवल न्यायाधीशों द्वारा न्यायाधीशों के लिए संचालित होने वाली संस्था नहीं होना चाहिए, एक महत्वपूर्ण आलोचना है जो भारत के कानूनी ढांचे के भीतर प्रणालीगत मुद्दों को रेखांकित करती है।

यह दृष्टिकोण केवल व्यक्तिगत असंतोष का प्रतिबिंब नहीं है, बल्कि एक अवलोकन है जो समय के साथ सर्वोच्च न्यायालय के विभिन्न निर्णयों और टिप्पणियों में प्रतिध्वनित हुआ है। पिछले सप्ताह सर्वोच्च न्यायालय में सप्ताह भर चलने वाली विशेष लोक अदालत के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में की गई मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ की टिप्पणी, अदालत की हालिया कार्रवाइयों और टिप्पणियों के संदर्भ में विशेष रूप से मार्मिक है।

हाल ही में, सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को त्वरित सुनवाई के अधिकार से वंचित करने की कड़ी आलोचना की, जो एक कानूनी लड़ाई में उलझे हुए हैं, जिसने काफी ध्यान आकर्षित किया था। उनके मामले ने मीडिया में महत्वपूर्ण कवरेज प्राप्त करने के साथ-साथ व्यापक प्रणालीगत मुद्दों का एक उदाहरण भी प्रस्तुत किया। इसलिए, सुप्रीम कोर्ट का निर्णय केवल उनके व्यक्तिगत अधिकारों के बारे में नहीं है, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया पर एक व्यापक टिप्पणी भी है।

सिसोदिया, बेशक, एक हाई-प्रोफाइल व्यक्ति हैं, लेकिन भारतीय जेलों में बंद लाखों गुमनाम विचाराधीन कैदियों की दुर्दशा पर विचार करें, जो या तो उचित सुनवाई के बिना या जमानत हासिल करने के साधनों के बिना जेल में हैं। उनमें से अधिकांश, अक्सर वंचित पृष्ठभूमि से आते हैं, तथा खुद को कानूनी अधर में फंसा हुआ पाते हैं। उनके मामले अनिश्चित काल के लिए विलंबित हो जाते हैं।

यह स्थिति इस बात की स्पष्ट याद दिलाती है कि न्यायिक प्रणाली की विफलताएं उन लोगों को कैसे प्रभावित करती हैं जिनके पास तत्काल न्यायिक हस्तक्षेप को आकर्षित करने के लिए संसाधन या बुद्धि की कमी होती है। विचाराधीन कैदियों का मुद्दा कोई नया नहीं है, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय की हालिया टिप्पणियों और निर्णयों के कारण इस पर फिर से ध्यान गया है। कई मामलों में, विचाराधीन कैदी अपने मुकदमों की सुनवाई शुरू हुए बिना ही लंबे समय तक जेल में रहते हैं, जो न्याय वितरण प्रणाली में एक महत्वपूर्ण दोष को उजागर करता है।

न्यायिक प्रक्रिया में देरी, न्यायिक कर्मियों की कमी और प्रणालीगत अक्षमताओं के कारण यह समस्या और भी बढ़ जाती है, जो मामलों के समय पर निर्णय को रोकती हैं। इस संदर्भ में, मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ की टिप्पणी सुधार की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता को दर्शाती है। न्यायिक प्रणाली, जैसा कि यह है, अपनी प्रक्रियात्मक देरी और अक्षमताओं के बोझ तले संघर्ष करती हुई प्रतीत होती है। आलोचना केवल व्यक्तिगत अधिकारों के बारे में नहीं है, बल्कि समय पर न्याय देने में प्रणालीगत विफलता के बारे में है। व्यापक निहितार्थ महत्वपूर्ण हैं। वह प्रणालीगत बदलाव की आवश्यकता की ओर इशारा करते हैं, जिसमें न केवल प्रक्रियागत देरी बल्कि अंतर्निहित अक्षमताएं भी शामिल हैं जो प्रणाली को प्रभावित करती हैं।

न्यायपालिका की भूमिका केवल निर्णय देना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि न्याय निष्पक्ष और शीघ्रता से दिया जाये। जब प्रणालीगत मुद्दे इस भूमिका को कमजोर करते हैं, तो यह न्यायिक प्रक्रिया में जनता के विश्वास और भरोसे को खत्म कर देता है। न्यायपालिका को एक ऐसी संस्था बनने का प्रयास करना चाहिए जो सभी के लिए न्याय के सिद्धांतों को कायम रखे, न कि केवल एक निकाय जो अपने स्वयं के प्रक्रियात्मक ढांचे के दायरे में काम करता है। ध्यान इस ओर केंद्रित होना चाहिए कि प्रणाली को सभी व्यक्तियों की ज़रूरतों के लिए अधिक सुलभ, कुशल और उत्तरदायी बनाया जाये, चाहे उनकी सामाजिक या आर्थिक स्थिति कुछ भी हो।निस्संदेह, न्यायिक प्रणाली के सामने आने वाली चुनौतियां जटिल और बहुआयामी हैं। उन्हें तत्काल चिंताओं, जैसे कि विचाराधीन कैदियों की दुर्दशा, और दीर्घकालिक संरचनात्मक मुद्दों, दोनों को संबोधित करने के लिए एक ठोस प्रयास की आवश्यकता है। न्यायिक प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने, न्यायाधीशों और न्यायालय कर्मियों की संख्या बढ़ाने और प्रक्रियात्मक दक्षता बढ़ाने के प्रयास इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इसके अतिरिक्त, देरी और अक्षमताओं के मूल कारणों, जैसे पुरानी प्रक्रियाएं और अपर्याप्त बुनियादी ढांचा, को संबोधित करना अधिक प्रभावी न्यायिक प्रणाली बनाने में आवश्यक होगा।हाल के आंकड़े स्थिति की गंभीरता को रेखांकित करते हैं। 2023 तक, भारत की जेलों की आबादी का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा विचाराधीन कैदियों का है। यह चौंका देने वाला आंकड़ा एक गंभीर मुद्दे को उजागर करता है- भारतीय जेलों में बंद व्यक्तियों का एक बड़ा हिस्सा अभी तक मुकदमे का सामना नहीं कर पाया है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार 2.5 लाख से अधिक लोग विचाराधीन कैदी थे। इनमें से कई व्यक्ति लंबे समय तक जेल में रहे हैं, अक्सर दोषी पाये जाने पर उन्हें मिलने वाली सजा की अवधि से अधिक।इन विचाराधीन कैदियों की जनसांख्यिकी एक परेशान करने वाला पैटर्न दिखाती है। उनमें से एक महत्वपूर्ण संख्या समाज के वंचित वर्गों से आती है। अध्ययनों से पता चला है कि गरीबी, शिक्षा की कमी और सामाजिक-आर्थिक नुकसान लंबे समय तक हिरासत में रहने से निकटता से जुड़े हुए हैं। कई विचाराधीन कैदी हाशिए के समुदायों से हैं,अनुसूचित जाति और जनजाति, तथा आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि वाले लोग। इन व्यक्तियों के पास अक्सर कानूनी प्रतिनिधित्व या जमानत प्राप्त करने के लिए संसाधन नहीं होते हैं, जिसके कारण उन्हें बिना किसी सुनवाई के लंबे समय तक कारावास में रहना पड़ता है। विचाराधीन कैदियों की समस्या जमानत प्राप्त करने की प्रणालीगत समस्या से और भी जटिल हो जाती है।हजारों लोग इसलिए जेल में नहीं रहते क्योंकि उन्हें दोषी ठहराया गया है, बल्कि इसलिए क्योंकि वे जमानत के लिए आवश्यक जमानत राशि का प्रबंध नहीं कर सकते।

जमानत देने में असमर्थता अक्सर वित्तीय बाधाओं के कारण होती है, जिससे कई लोगों के लिए अपनी रिहाई सुनिश्चित करना लगभग असंभव हो जाता है। यह वित्तीय बाधा भीड़भाड़ वाली जेलों की समस्या को और बढ़ा देती है और ऐसे व्यक्तियों की लंबे समय तक हिरासत में रहने में योगदान देती है जो अंततः निर्दोष पाये जा सकते हैं।विचाराधीन कैदियों की दुर्दशा न्यायिक प्रणाली की विफलताओं की एक कठोर याद दिलाती है। प्रणाली की अक्षमता न केवल व्यक्तियों को निष्पक्ष और समय पर सुनवाई के उनके अधिकार से वंचित करती है, बल्कि वंचितता के एक चक्र को भी बनाये रखती है जो असमान रूप से गरीबों और हाशिए पर पड़े लोगों को प्रभावित करती है। वित्तीय बाधाओं के कारण जमानत प्राप्त करने में असमर्थता न्याय के लिए एक महत्वपूर्ण बाधा को रेखांकित करती है और व्यापक सुधार की आवश्यकता को उजागर करती है।इन मुद्दों को संबोधित करने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। जमानत प्रणाली में सुधार करना यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है

संपादकीय

पेरिस ओलिम्पिक का खट्टा-मीठा समापन

फ्रांस की राजधानी पेरिस में 26 जुलाई को प्रारम्भ हुए 33वें ओलिम्पिक खेलों का समापन रविवार को हुआ। 126 पदकों के साथ अमेरिका (40 स्वर्ण) प्रथम, चीन दूसरे तथा जापान तीसरे क्रमांक पर रहा। 140 करोड़ की जनसंख्या वाले भारत ने पिछले टोक्यो ओलिम्पिक में कुल 6 मेडल पाये थे, लेकिन उसमें एक गोल्ड था। इस बार भी उसे कुल जमा 6 ही मिले- एक रजत और 5 कांस्य। उसका क्रमांक 71 रहा। छोटे-बड़े 62 देश ऐसे हैं जिन्हें कम से कम एक स्वर्ण पदक अवश्य मिला है। मनु भाकर एकमेव ऐसी खिलाड़ी रहीं जिन्होंने दो पदक पाये। एकमात्र रजत नीरज चोपड़ा को मिला जिन्होंने पिछली प्रतियोगिता में स्वर्ण जीता था। नीरज इस बार अपने परम्परागत प्रतिस्पर्धी अरशद नदीम (पाकिस्तान) से आगे भाला फेंक नहीं पाये। भारत के प्रदर्शन ने फिर साबित कर दिया कि खेल शक्ति बनने के लिये देश का आकार या जनसंख्या जिम्मेदार नहीं बल्कि सरकारों का रवैया, समाज का नज़रिया, खिलाड़ियों को मिलने वाला समर्थन व सम्मान, संसाधनों व सुविधाओं की उपलब्धता जैसे तथ्य मुख्य कारक होते हैं। पदक तालिका में शीर्ष पर खड़े अमेरिका की जनसंख्या भारत के मध्य वर्ग के बराबर भी नहीं है, तो वहीं दूसरे क्रमांक पर भारत से आकार में काफी छोटा जापान है। चीन तीसरे स्थान पर है जो भारत की ही तरह बड़ी आबादी तथा विशाल भूभाग वाला देश है।ज़ब्बा- बस यही मायने रखता है। फिर चाहे वह देश का हो या खिलाड़ियों का। भारत में खिलाड़ियों के पास जज़्बा और काबिलियत तो है, लेकिन सरकारें निराश करती है। खेलों को गम्भीरता से लेने वाले राज्यों की संख्या गिनाने के लिये एक हाथ की उंगलियां भी काफी हैं। शेष औपचारिकता निभाते हैं और इस क्षेत्र को भी अपनी सियासत का अखाड़ा मानते हैं। सत्ता से जुड़े लोग खेल संगठनों पर काबिज हैं। जिस संगठन की सरकार से जितनी निकटता होगी वह सरकार से उतना ही अनुदान खींच लाता है शासन से सहूलियतें जुटाई जाती हैं, अध्ययन के नाम पर विदेशी दौरे होते हैं, प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों के अनुपात में बड़ा सा अधिकारियों का दल होता है। टूर्नामेंट के प्रदर्शनों का विश्लेषण नहीं होता, न ही खर्चों की समीक्षा होती है। ओलिम्पिक हों या कोई और स्पर्धा, लौटने पर खराब प्रदर्शन के लिये थोड़ी-बहुत शिकायतें होती हैं या आलोचना होती है, वह भी खिलाड़ियों की। सरकारें, खेल संगठन एवं अधिकारीगण बच निकलते हैं। ऐसे राज्य जो ढंग के दो खिलाड़ी भी पैदा नहीं करते, वे खेल मंत्रालय से करोड़ों रूपये उठा लाते हैं। जिन कथित पिछड़े राज्यों में खिलाड़ियों को विकसित करने की असीम सम्भावना होती है वहां के खिलाड़ी और संगठन पाई-पाई को तरसते हैं।र, ये वे ही पुरानी बातें हैं जो पिछले हर ओलिम्पिक के बाद भारत में कही और दोहराई जाती हैं। इस बार के ओलिम्पिक ने तो यह बताया है कि लोगों में सरकार अगर भेद-भाव और नफ़रत के बीज बो दे तो उसकी कंटीली शाखाएं हर जगह पर उग आती हैं। इसके कारण खेल का क्षेत्र कैसा विषाक्त बन जाता है, इसका प्रत्यक्ष उदाहरण पेरिस ओलिम्पिक भारत को दिखा गया। देश का प्रतिनिधित्व करने वाली विनेश फोगाट ने एक ही दिन में कुश्ती के तीन मुकाबले जीत लिये थे और स्वर्ण पदक पहुंच में था। अंतिम मुकाबले के पहले उनका वजन 100 ग्राम अधिक पाया गया। बाहर हो गईं।ये वही विनेश हैं जिन्होंने कुश्ती महासंघ के तत्कालीन अध्यक्ष ब्रजभूषण शरण सिंह के खिलाफ इस आरोप के साथ मोर्चा खोला था कि ब्रजभूषण द्वारा उनके समेत कई महिला पहलवानों का उत्पीड़न किया गया है। इसे लेकर देश भर के पहलवानों एवं महिला सम्मान के पक्ष में खड़े लोगों ने दिल्ली और कई जगहों पर प्रदर्शन किये थे। दिल्ली में इनके साथ पुलिस ज्यादतियां भी हुईं। विनेश के साथ साक्षी मलिक, बजरंग पुनिया आदि विशेष प्रताड़ित किये गये। ब्रजभूषण को उनके गोड्डा लोकसभा क्षेत्र से इसी प्रकरण के चलते इस बार टिकट नहीं दिया गया था, लेकिन उनके पुत्र करण भूषण सिंह जीत आये। अपने खिलाफ़ चले आंदोलन की रत्ती भर परवाह न करते हुए ब्रजभूषण पहले भी कह चुके थे- बदबा है और दबदबा रहेगा।55 किलो केटेगरी में खेलने वाली विनेश को क्यों 50 किलोग्राम श्रेणी में उतारा गया और कैसे दल के पास खान-पान विशेषज्ञों के रहते उनका वजन बढ़ा, इसका जवाब भी उसी दबदबे में छिपा हुआ हो सकता है।

वक्फ विधेयक: सुधार की खाल में सांप्रदायिकता

वक्फ कानून में संशोधन की इस कसरत की आलोचना करने वाले इसका दावा कर रहे हों कि 1995 का वक्फ कानून अपने आप में कोई आदर्श कानून था और उसमें किसी संशोधन या सुधार की कोई गुंजाइश या आवश्यकता ही नहीं थी। यह तो खैर किसी का भी कहना नहीं था कि वक्फ संबंधी सारी व्यवस्था बहुत ही अच्छी तरह से चल रही थी, जिसमें कोई कमजोरियां या खामियां थी ही नहीं।

आखिरकार, 1995 के वक्फ कानून में संशोधनों के विधेयक को, फिलहाल एक संयुक्त संसदीय समिति को भेज दिया गया है। मोदी सरकार द्वारा प्रस्तावित किसी विधेयक के लिए ऐसे सलूक को, निश्चित रूप से अपवाद ही कहा जाएगा। संसद के पिछले सत्र तक बिना किसी समुचित चर्चा के बल्कि बिना चर्चा के ही, विधेयकों पर संसद से मोहर लगवाने के अपने उतावलेपन के लिए कुख्यात मोदी सरकार का, 18वीं लोकसभा के पहले सत्र में ही वक्फ विधेयक पर %विस्तृत और बहुपक्षीय% चर्चा की जरूरत स्वीकार कर लेना और विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति को भेजने के लिए राजी होना, बेशक हाल के आम चुनाव से निकल कर आई सच्चाइयों को प्रतिबिंबित करता है। इससे तो कोई इंकार ही नहीं कर सकता है कि अब संसद में राजनीतिक ताकतों का संतुलन काफी बदला हुआ है। इस बदले हुए संतुलन का ही संकेतक है कि एक ओर सत्ताधारी भाजपा और दूसरी ओर इंडिया गठबंधन के बैनर तले विपक्ष की ताकत, लगभग बराबर है और इन हालात में मुख्यतः तेलूगू देशम तथा जनता दल-यूनाइटेड के साथ गठबंधन के बल पर ही, नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री के पद पर पहुंच पाए हैं। जाहिर है कि सत्ता में होते हुए भी भाजपा इन हालात में, खासतौर पर मोदी के राज के पिछले कार्यकाल की तरह, बहुमत की मनमानी चलाने की उम्मीद नहीं कर सकती है। हालांकि, उसके पास सरकार चलाने के लिए जरूरी बहुमत है, फिर भी विपक्ष की बढ़ी हुई ताकत के सामने, यह बहुमत भी मनमानी चलाने के लिए काफी नहीं है।

फिर वक्फ विधेयक के खास मामले में, यह सिर्फ बहुमत के लिए जरूरी संख्या का मामला नहीं रह सकता था। तेलुगू देशम और जनता दल-यूनाइटेड ने बेशक, इस विधेयक पर भी कोई भाजपा से खुद को अलग नहीं कर लिया था। सहयोगी पार्टियों का सत्ता पक्ष के लिए ऐसा कोई धर्मसंकट पैदा करना तो दूर रहा, लोकसभा में जदयू के प्रवक्ता ने औपचारिक रूप से इस विधेयक की पैरवी भी की थी। इसके बावजूद, यह कहना सही नहीं होगा कि ये सहयोगी पार्टियां इस विधेयक का कोई बढ़-चढ़कर समर्थन कर रही थीं। उल्टे प्रस्तावित विधेयक की विपक्ष की प्रबल आलोचनाओं से ये पार्टियां साफ तौर पर असहज नजर आ रही थीं और विधेयक की उनके समर्थन के सारे तर्क, बचाव के तर्क थे। वर्ना उनकी दलीलों के पीछे छुपी बेचैनी आसानी से पढ़ी जा सकती थी।

और ऐसा होना, इस संशोधन विधेयक के लाए जाने की पूरी कसरत के अर्थ और मंतव्यों के चलते होना स्वाभाविक ही था, जिनको विपक्ष द्वारा बलपूर्वक रेखांकित किया जा रहा था। पहला सवाल तो यही था कि वक्फ कानून में इस तरह के संशोधनों की आवश्यकता ही क्या थी? संबंधित विधेयक लोकसभा में पेश करते हुए, संसदीय कार्यमंत्री तथा अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरण रिजिजू तथा सत्ता पक्ष के अन्य वक्ताओं द्वारा भी इसके तमाम दावे किए जाने के बावजूद कि परामर्श की एक विस्तृत प्रक्रिया से गुजर कर उक्त संशोधन प्रस्ताव तैयार किए गए थे, यह सच किसी से छुपा हुआ नहीं था कि उक्त विधेयक किसी भी तरह की पॉपूलर डिमांड पर नहीं लाया गया था। उल्टे मुस्लिम समुदाय, जिसके धार्मिक आचार के हिस्से के तौर पर दान-पुण्य के कार्य के तौर पर, चल-अचल संपत्तियां वक्फ करने की रिवायत आती है और इन संपत्तियों की समुचित व्यवस्था के लिए ही वक्फ कानून बनाया गया है, और मुस्लिम धार्मिक राय के बड़े हिस्से द्वारा इस पूरी कसरत को गहरे संदेह की नजर से ही देखा जा रहा था।

ऐसा भी नहीं है कि वक्फ कानून में संशोधन की इस कसरत की आलोचना करने वाले इसका दावा कर रहे हों कि 1995 का वक्फ कानून अपने आप में कोई आदर्श कानून था और उसमें किसी संशोधन या सुधार की कोई गुंजाइश या आवश्यकता ही नहीं थी। यह तो खैर किसी का भी कहना नहीं था कि वक्फ संबंधी सारी व्यवस्था बहुत ही अच्छी तरह से चल रही थी, जिसमें कोई कमजोरियां या खामियां थी ही नहीं। लेकिन, सबसे पहली बात तो यह कि इस पूरी कसरत के पीछे सत्ताधारी भाजपा की नीयत ही संदेह के घेरे में थी। बेशक, सत्ता पक्ष की ओर से गरीब-मुसलमानों की भलाई की चिंता का जमकर दिखावा किया जा रहा था। वर्तमान व्यवस्था में मुस्लिम महिलाओं के निर्णय प्रक्रियाओं से बाहर ही छूटे रहने पर काफी आंसू बहाए जा रहे थे। वक्फ बोर्डों तथा वक्फ से जुड़ी अन्य संस्थाओं के बेशुमार मामलों-मुकदमों में फंसे होने पर बड़ा अफसोस जताया जा रहा था। और वक्फ की संपत्तियों, विशेष रूप से जमीनों का, मुसलमानों की भलाई के लिए ठीक से उपयोग न हो पाने का, खूब रोना रोया जा रहा था। लेकिन, एक ओर जिस तरह के पैट्रनाइजिंग सुर में और दूसरी ओर, मुस्लिम समुदाय की संस्थाओं व समुदाय के नेताओं के प्रति हिकारत के सुर में, ये सारी दलीलें दी जा रही थीं, उनसे कोई समझ सकता था कि इस कसरत के पीछे कम से कम मुसलमानों का भला करने की इच्छा नहीं थी।

उल्टे जिस तरह से प्रस्तावित संशोधनों के जरिए, सुधार के नाम पर वास्तव में वक्फ की संपत्तियों पर केंद्र सरकार के नियमनकारी नियंत्रण को उल्लेखनीय तरीके से बढ़ाने की कोशिश की जा रही था, वह किसी से भी छुपा नहीं रहा। वक्फ की संपत्तियों के रिकार्डों को चुस्त-दुरुस्त बनाने के नाम पर, न सिर्फ वक्फ संपत्तियों के लिए एक केंद्रीय रजिस्ट्रेशन व्यवस्था का प्रस्ताव किया गया है बल्कि इन संपत्तियों के संबंध में तमाम जानकारियां नया कानून बनने के छः महीने के अंदर-अंदर अपलोड किए जाने तथा तमाम नयी वक्फ संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन उक्त पोर्टल के जरिए ही वक्फ बोर्डों के सामने पेश किए जाने के तकनीकी रूप से उन्नत किए जाने के नजर आने वाले किंतु वास्तव में सब कुछ ज्यादा केंद्रीयकृत करने वाले प्रावधान किए गए हैं। लेकिन, इससे भी ज्यादा समस्यापूर्ण तरीके से पुराने कानून की उस धारा-40 को हटा दिया गया है, जिसके तहत वक्फ ट्रिब्यूनलों को यह तय करने का अधिकार होता था कि क्या कोई संपत्ति वक्फ होने लायक है। ट्रिब्यूनलों की जगह पर, अब जिला कलेक्टर को ऐसे मामलों में अंतिम निर्णयकर्ता बना दिया गया है। और जब तक कलेक्टर द्वारा संबंधित संपत्ति के वक्फ लायक होने की अंतिम रिपोर्ट सरकार को नहीं दे दी जाती है, संबंधित संपत्ति को वक्फ संपत्ति की तरह नहीं बरता जा सकेगा। इसका अर्थ यह है कि जब तक कि सरकार मामले का फैसला नहीं कर देती है, वक्फ बोर्ड ऐसी किसी संपत्ति का नियंत्रण नहीं ले सकता है। इसके साथ ही, संशोधन प्रस्तावों के जरिए केंद्र सरकार को %किसी भी वक्फ का, कभी भी ऑडिट किए जाने का निर्देश देने% का अधिकार दे दिया गया है। वक्फ बोर्डों पर लगाई गई इसकी शर्त के ऊपर से है कि राज्य सरकारों द्वारा तैयार किए गए ऑडिटरों के पैनल में से किसी ऑडिटर से हर साल अपने खातों का ऑडिट कराएंगे। उपयुक्त खाते नहीं रखने पर मुतवल्लियों पर जुर्माने भी लगाए जा सकेंगे।

केंद्रीयकरण के ऐसे ही एक और कदम में, वक्फ ट्रिब्यूनलों को अब तीन सदस्यीय निकाय के बजाय, सिफ दो सदस्यीय निकाय बना दिया जाएगा। इसके ऊपर से अब ट्रिब्यूनल में एक जिला जज होगा और दूसरा सदस्य, राज्य सरकार में ज्वाइंट सेक्रेटरी की रैंक का अधिकारी होगा। इसके बावजूद, अब वक्फ ट्रिब्यूनलों के निर्णयों की अंतिमता खत्म हो जाएगी और कोई भी पीड़ित पक्ष, इन निर्णयों के खिलाफ सीधे हाई कोर्ट में अपील कर सकेगा। विवादित संपत्तियों के कलेक्टर के अंतिम रिपोर्ट न देने तक वक्फ न माने जाने के साथ जुड़कर, ट्रिब्यूनल के निर्णय की अंतिमता खत्म करने की व्यवस्था, वक्फ की व्यवस्था को ही अस्थिर करने का काम करेगी। इससे भी ज्यादा समस्यापूर्ण यह है कि अब वक्फ की परिभाषा को ही बदल दिया गया है। अब संपत्ति का कोई कानूनी मालिक ही, औपचारिक डीड के जरिए संपत्ति वक्फ कर सकेगा, वह भी तब जबकि वह कम से कम पांच साल से इस्लाम का पालन कर रहा हो।महत्वपूर्ण है कि इन संशोधनों के जरिए %उपयोग के जरिए वक्फ% के विचार को खत्म ही कर दिया गया, जो इसकी इजाजत देता था कि इस रूप में उपयोग होता आ रहा होने के आधार पर किसी संपत्ति को वक्फ मान लिया जाए, भले ही उसकी मूल डीड विवादित हो। परंपरागत रूप से अक्सर वक्फ की जाने वाली संपत्तियां मौखिक रूप से ही इसके लिए समर्पित की जाती थीं और औपचारिक दस्तावेजीकरण काफी बाद में ही आया है। दूसरी ओर, वक्फ संपत्ति और सरकारी संपत्ति के दावों में किसी टकराव की सूरत में संपत्ति पर सरकार का दावा ही माना जाएगा-%कोई सरकारी संपत्ति, इस कानून के बनने से पहले या बाद में, अगर एक वक्त संपत्ति के रूप में शिनाख्त की जाती है या वक्फ संपत्ति घोषित की जाती है, तो उसे वक्फ की संपत्ति नहीं माना जाएगा।% जाहिर है कि यह सब वक्फ की पूरी की पूरी व्यवस्था को अस्थिर करने का ही काम कर सकता है। प्रसिद्ध विधिवेत्ता तथा कानून के शिक्षक, फैजान मुस्तफा अकारण ही नहीं कहते हैं कि, %सैकड़ों साल पहले वक्फ की संपत्तियों में विहित किए गए अधिकारों को एक निष्पक्ष न्यायिक निर्धारण के बिना कार्यपालिका के अधिकारी हाथ में नहीं ले सकते हैं।

वंदे मातरम की अमर गाथा, एक गीत जो पवित्र ऋचा बन गया

वन्दे मातरम!
सुजलाम, सुफलाम मलयज-शीतलाम
शस्यश्यामलाम मातरम
वन्दे मातरम
शुभ्र ज्योत्स्ना पुलकितयामिनीम
फुल्लकुसुमित द्रुमदल शोभिनीम
सुहासिनीम सुमधुरभाषिणीम
सुखदाम, वरदाम, मातरम!
वन्दे मातरम वन्दे मातरम

ब्रिटिश शासन के दौरान देशवासियों के दिलों में गुलामी के खिलाफ आग भड़काने वाले सिर्फ दो शब्द थे- 'वंदे मातरम'। आइए बताते हैं इस क्रांतिकारी, राष्ट्रभक्ति के अजर-अमर गीत के जन्म की कहानी

बंगाल के महान साहित्यकार श्री बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के ख्यात उपन्यास 'आनंदमठ' में वंदे मातरम् का समावेश किया गया था। लेकिन इस गीत का जन्म 'आनंदमठ' उपन्यास लिखने के पहले ही हो चुका था। अपने देश को मातृभूमि मानने की भावना को प्रज्वलित करने वाले कई गीतों में यह गीत सबसे पहला है। 'वंदे मातरम' के दो शब्दों ने देशवासियों में देशभक्ति के प्राण फूँक दिए थे और आज भी इसी भावना से 'वंदे मातरम्' गाया जाता है। हम यों भी कह सकते हैं कि देश के लिए सर्वोच्च त्याग करने की प्रेरणा देशभक्तों को इस गीत से ही मिली। पीढ़ियाँ बीत गई पर 'वंदे मातरम्' का प्रभाव अब भी अक्षुण्ण है। 'आनंदमठ' उपन्यास के माध्यम से यह गीत प्रचलित हुआ। उन दिनों बंगाल में 'बंग-भंग' का आंदोलन उफान पर था। दूसरी ओर महात्मा गाँधी के असहयोग आंदोलन ने लोकभावना को जाग्रत कर दिया था। बंग भंग आंदोलन और असहयोग आंदोलन दोनों में 'वंदे मातरम' ने प्रभावी भूमिका निभाई। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के लिए यह गीत पवित्र मंत्र बन गया था।

बंकिम बाबू ने 'आनंदमठ' उपन्यास 1880 में लिखा। कलकत्ता की 'बंग दर्शन' मासिक पत्रिका में उसे क्रमशः प्रकाशित किया गया। अनुमान है कि 'आनंदमंठ' लिखने के करीब पाँच वर्ष पहले बंकिम बाबू ने 'वंदे मातरम' को लिख दिया था। गीत लिखने के बाद यह यों ही पड़ा रहा। पर 'आनंदमठ' उपन्यास प्रकाशित होने के बाद लोगों को उसका पता चला। इस संबंध में एक दिलचस्प किस्सा है। बंकिम बाबू 'बंग दर्शन' के संपादक थे। एक बार पत्रिका का साहित्य कम्पोज हो रहा था। तब कुछ साहित्य कम पड़ गया, इसलिए बंकिम बाबू के सहायक संपादक श्री रामचंद्र बंदोपाध्याय बंकिम बाबू के घर पर गए और उनकी निगाह 'वंदे मातरम्' लिखे हुए कागज पर गई। कागज उठाकर श्री बंदोपाध्याय ने कहा, फिलहाल तो मैं इससे ही काम चला लेता हूँ। पर बंकिम बाबू तब गीत प्रकाशित करने को तैयार नहीं थे। यह बात 1872 से 1876 के बीच की होगी। बंकिम बाबू ने बंदोपाध्याय से कहा कि आज इस गीत का मतलब लोग समझ नहीं सकेंगे। पर एक दिन ऐसा आएगा कि यह गीत सुनकर सम्पूर्ण देश निद्रा से जाग उठेगा। इस संबंध में एक किस्सा और भी प्रचलित है। बंकिम बाबू दोपहर को सो रहे थे। तब बंदोपाध्याय उनके घर गए। बंकिम बाबू ने उन्हें 'वंदे मातरम' पढ़ने को दिया। गीत पढ़कर बंदोपाध्याय ने कहा, 'गीत तो अच्छा है, पर अधिक संस्कृतनिष्ठ होने के कारण लोगों की जुबान पर आसानी से चढ़ नहीं सकेगा।' सुनकर बंकिम बाबू हँस दिए। वे बोले, 'यह गीत सदियों तक गाया जाता रहेगा।' 1876 के बाद बंकिम बाबू ने बंग दर्शन की संपादकी छोड़ दी। 1875 में बंकिम बाबू ने एक उपन्यास 'कमलाकांतेर दफ्तर' प्रकाशित किया। इस उपन्यास में 'आभार दुर्गोत्सव' नामक एक कविता है। 'आनंदमठ' में संत-गणों को संकल्प करते हुए बताया गया है। उसकी ही आवृत्ति 'कमलाकांतेर दफ्तर' के कमलकांत की भूमिका निभाने वाले चरित्र के व्यवहार में दिखाई देती है। धीर-गंभीर देशप्रेम और मातृभूमि की माता के रूप में कल्पना करते हुए बंकिम बाबू गंभीर हो गए और अचानक उनके मुँह से 'वंदे मातरम्' शब्द निकले। यही इस अमर गीत की कथा है।

1896 में कलकत्ता में कॉंग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन हुआ। उस अधिवेशन की शुरुआत इसी गीत से हुई और गायक कौन थे पता है आपको? गायक और कोई नहीं, महान साहित्यकार स्वयं गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर थे। कितना भाग्यशाली गीत है यह, जिसे सबसे पहले गुरुदेव टैगोर ने गाया। यह भी माना जाता है कि बंकिम बाबू एक कीर्तनकार द्वारा गाए गए एक कीर्तन गीत 'एसो एसो बंधु माघ आँचरे बसो' को सुनकर बेहद प्रभावित हुए। गीत सुनकर गुलामी की पीड़ा का उन्होंने तीव्र रूप से अनुभव किया। इस एक गीत ने भारतीय युवकों को एक नई दिशा-प्रेरणा दी, स्वतंत्रता संग्राम का महान उद्देश्य दिया। मातृभूमि को सुजलाम-सुफलाम बनाने के लिए प्रेरित किया। 'वंदे मातरम।' इन दो शब्दों ने देश को आत्मसम्मान दिया और देशप्रेम की सीख दी। हजारों वर्षों से सुप्त पड़ा यह देश इस एक गीत से निद्रा से जाग उठा। तो ऐसी दिलचस्प कहानी है वंदे मातरम गीत की।

भारत का स्वतंत्रता दिवस

आजादी यह एक ऐसा शब्द है जो प्रत्येक भारतवासी की रगों में खून बनकर दौड़ता है। स्वतंत्रता हर मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है। तुलसीदास जी ने कहा है 'पराधीन सपनेहुं सुखनाहीं' अर्थात पराधीनता में तो स्वप्न में भी सुख नही है। पराधीनता तो किसी के लिए भी अभिशाप है। जब हमारा देश परतंत्र था उस समय विश्व में न हमारा राष्ट्रीय ध्वज था, न हमारा कोई संविधान था।

आज हम पूर्ण स्वतंत्र हैं तथा पूरे विश्व में भारत की एक पहचान है। हमारा संविधान आज पूरे विश्व में एक मिसाल है। जिसमें समस्त देशवासियों को समानता का अधिकार है। हमारा राष्ट्रीय ध्वज भी प्रेम, भाईचारे व एकता का प्रतीक है। भारत वर्ष के महान संविधान रचयिता बाबा साहेब डॉ.भीमराव आंबेडकर ने संविधान में विशेष रूप से भारत के प्रत्येक नागरिक को आजादी का अहसास कराया है अथवा विशेष अधिकार दिए हैं। जब से हमारा भारत आजाद हुआ है तभी से आर्थिक व तकनीकी रूप से हमारा देश सम्पन्नता की ऊंचाइयों तक पहुंचा है।

आज पूरे विश्व में भारत आशा की किरण बनकर सूर्य की भांति आकाश में चमक रहा है, यह सब आजाद भारत में ही संभव हुआ है। हमें ये आजादी आसानी से नहीं मिली है, इसके लिए देश के शूरवीरों व आजादी के मतवालों ने अपना बलिदान देकर दिलाई है, हमें उनका सदैव आभार मानना चाहिए। आज हम आजादी की खुली हवा में सांस ले रहे हैं, वह सब भारत माता के उन सपूतों की याद दिलाता है, जिन्होंने अपना सर्वस्व देश के नाम कर दिया था। भारत के प्रसिद्ध विद्वानों, कवियों, इतिहासकारों अथवा लेखकों ने भारत का सामाजिक रूप से सुधार करके भारत की आजादी में चार चांद लगाए।

आज भारत पूर्व विश्व में अतुल्य है। सामाजिक कुप्रथाओं का अंत हुआ, गरीबों का आर्थिक शोषण समाप्त हुआ तथा गांवों की दयनीय स्थिति में तेजी से सुधार हुआ। आज भारत सहित पूरा विश्व आतंकवाद से जूझ रहा है, जो आजादी के नाम पर एक सबसे बड़ा कलंक है। यह तो हम सभी जानते हैं कि आतंकवाद का कोई धर्म नही होता। कुछ लोग आतंकवाद का चोला पहन लेते हैं तथा निर्दोष लोगों की हत्या करते हैं, देशवासियों में भय का माहौल पैदा करते हैं। जिसके परिणामस्वरूप जनता में सरकारी नीतियों व देश के रक्षातंत्र के प्रति भ्रम उत्पन्न होता है। हम सभी भारतीय को चाहिए कि आतंकवाद के खिलाफ एकमत तथा एकजुट होकर सरकार को सहयोग करें।

यह हमारा सौभाग्य है कि हमने भारत की पुण्यभूमि पर जन्म लिया और आजादी के सुंदर वातावरण में सांस ली। देशप्रेम एक पवित्र भाव है जो हर नागरिक में होना अनिवार्य है। कुछ लोग अपने स्वार्थपूर्ति के लिए हमारे पवित्र देश को भ्रष्टाचार की चादर में समेट रहे हैं और देश की भोलीभाली जनता को गुमराह कर रहे हैं। हमें एकजुट होकर ऐसे भ्रष्ट लोगों से सावधान रहने की आवश्यकता है तथा भ्रष्टाचार रूपी रावण का अतिशीघ्र दहन करना चाहिए।

भारत वर्ष को पहले की भांति सोने की चिड़िया बनाना है तथा आजादी का सही अर्थ समझना है, प्रत्येक भारतीय को अपने अधिकारों से ज्यादा अपने कर्तव्यों का पालन करना होगा, तभी हमारा देश पूरे विश्व में एक महाशक्ति बनकर सामने आएगा। यही हमारा मुख्य ध्येय है। इस आंदोलन में हमारे भारतवासियों ने कई सत्याग्रह आंदोलन किए, लाठियां भी खाई, कई बार जेल भी गए, और फिर अंग्रेजों को हमारा देश छोड़कर जाने पर मजबूर कर दिया। इस तरह 15 अगस्त 1947 का दिन हमारे लिए स्वर्णिम दिन, इंडिपेंडेंस डे बना। हम, हमारा देश स्वतंत्र हो गए। इसीलिए यह दिन 1947 से लेकर आज तक सभी बड़े उत्साह और प्रसन्नता के साथ मनाते हैं।

भारत माता की जय, हम सब एक हैं, वंदे मातरम।

भारतीय तिरंगे का इतिहास

प्रत्येक स्वतंत्र राष्ट्र का अपना एक ध्वज होता है। यह एक स्वतंत्र देश होने का संकेत है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज को इसके वर्तमान स्वरूप में 22 जुलाई 1947 को आयोजित भारतीय संविधान सभा की बैठक के दौरान अपनाया गया था, जो 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों से भारत की स्वतंत्रता के कुछ ही दिन पूर्व की गई थी। इसे 15 अगस्त 1947 और 26 जनवरी 1950 के बीच भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया गया और इसके पश्चात भारतीय गणतंत्र ने इसे अपनाया। भारत में ''तिरंगे'' का अर्थ भारतीय राष्ट्रीय ध्वज है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज में तीन रंग की क्षैतिज पट्टियां हैं, सबसे ऊपर केसरिया, बीच में सफेद ओर नीचे गहरे हरे रंग की पट्टी और ये तीनों समानुपात में हैं। ध्वज की चौड़ाई का अनुपात इसकी लंबाई के साथ 2 और 3 का है। सफेद पट्टी के मध्य में गहरे नीले रंग का एक चक्र है। यह चक्र अशोक की राजधानी के सारनाथ के शेर के स्तंभ पर बना हुआ है। इसका व्यास लगभग सफेद पट्टी की चौड़ाई के बराबर होता है और इसमें 24 तीलियां है।

तिरंगे का विकास

यह जानना अत्यंत रोचक है कि हमारा राष्ट्रीय ध्वज अपने आरंभ से किन-किन परिवर्तनों से गुजरा। इसे हमारे स्वतंत्रता के राष्ट्रीय संग्राम के दौरान खोजा गया या मान्यता दी गई। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का विकास आज के इस रूप में पहुंचने के लिए अनेक दौरों में से गुजरा। एक रूप से यह राष्ट्र में राजनैतिक विकास को दर्शाता है। हमारे राष्ट्रीय ध्वज के विकास में कुछ ऐतिहासिक पड़ाव इस प्रकार हैं:

प्रथम राष्ट्रीय ध्वज 7 अगस्त 1906 को पारसी बागान चौक (ग्रीन पार्क) कलकत्ता में फहराया गया था जिसे अब कोलकाता कहते हैं। इस ध्वज को लाल, पीले और हरे रंग की क्षैतिज पट्टियों से बनाया गया था।

द्वितीय ध्वज को पेरिस में मैडम कामा और 1907 में उनके साथ निर्वासित किए गए कुछ क्रांतिकारियों द्वारा फहराया गया था (कुछ के अनुसार 1905 में)। यह भी पहले ध्वज के समान था सिवाय इसके कि इसमें सबसे ऊपरी की पट्टी पर केवल एक कमल था किंतु सात तारे सप्तऋषि को दर्शाते हैं। यह ध्वज बर्लिन में हुए समाजवादी सम्मेलन में भी प्रदर्शित किया गया था।

तृतीय ध्वज 1917 में आया जब हमारे राजनैतिक संघर्ष ने एक निश्चित मोड लिया। डॉ.एनी बीसेंट और लोकमान्य तिलक ने घरेलू शासन आंदोलन के दौरान इसे फहराया। इस ध्वज में 5 लाल और 4 हरी क्षैतिज पट्टियां एक के बाद एक और सप्तऋषि के अभिविन्यास में इस पर बने सात सितारे थे। बांयी और ऊपरी किनारे पर (खंभे की ओर) यूनियन जैक था। एक कोने में सफेद अर्धचंद्र और सितारा भी था। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सत्र के दौरान जो 1921 में बेजवाड़ा (अब विजयवाड़ा) में किया गया यहां आंध्र प्रदेश के एक युवक ने एक झंडा बनाया और

गांधी जी को दिया। यह दो रंगों का बना था। लाल और हरा रंग जो दो प्रमुख समुदायों अर्थात हिन्दू और मुस्लिम का प्रतिनिधित्व करता है। गांधी जी ने सुझाव दिया कि भारत के शेष समुदाय का प्रतिनिधित्व करने के लिए इसमें एक सफेद पट्टी और राष्ट्र की प्रगति का संकेत देने के लिए एक चलता हुआ चरखा होना चाहिए। वर्ष 1931 ध्वज के इतिहास में एक यादगार वर्ष है। तिरंगे ध्वज को हमारे राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया गया । यह ध्वज जो वर्तमान स्वरूप का पूर्वज है, केसरिया, सफेद और मध्य में गांधी जी के चलते हुए चरखे के साथ था। तथापि यह स्पष्ट रूप से बताया गया इसका कोई साम्प्रदायिक महत्व नहीं था और इसकी व्याख्या इस प्रकार की जानी थी।

22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने इसे मुक्त भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया। स्वतंत्रता मिलने के बाद इसके रंग और उनका महत्व बना रहा। केवल ध्वज में चलते हुए चरखे के स्थान पर सम्राट अशोक के धर्म चक्र को दिखाया गया। इस प्रकार कांग्रेस पार्टी का तिरंगा ध्वज अंततः स्वतंत्र भारत का तिरंगा ध्वज बना।

ध्वज के रंग

भारत के राष्ट्रीय ध्वज की ऊपरी पट्टी में केसरिया रंग है जो देश की शक्ति और साहस को दर्शाता है। बीच में स्थित सफेद पट्टी धर्म चक्र के साथ शांति और सत्य का प्रतीक है। निचली हरी पट्टी उर्वरता, वृद्धि और भूमि की पवित्रता को दर्शाती है।

चक्र

इस धर्म चक्र को विधि का चक्र कहते हैं जो तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व मौर्य सम्राट अशोक द्वारा बनाए गए सारनाथ मंदिर से लिया गया है। इस चक्र को प्रदर्शित करने का आशय यह है कि जीवन गतिशील है और रुकने का अर्थ मृत्यु है।

ध्वज संहिता

26 जनवरी 2002 को भारतीय ध्वज संहिता में संशोधन किया गया और स्वतंत्रता के कई वर्ष बाद भारत के नागरिकों को अपने घरों, कार्यालयों और फैक्टरी में न केवल राष्ट्रीय दिवसों पर, बल्कि किसी भी दिन बिना किसी रुकावट के फहराने की अनुमति मिल गई। अब भारतीय नागरिक राष्ट्रीय झंडे को शान से कहीं भी और किसी भी समय फहरा सकते है। बशर्ते कि वे ध्वज की संहिता का कठोरता पूर्वक पालन करें और तिरंगे की शान में कोई कमी न आने दें। सुविधा की दृष्टि से भारतीय ध्वज संहिता, 2002 को तीन भागों में बांटा गया है। संहिता के पहले भाग में राष्ट्रीय ध्वज का सामान्य विवरण है। संहिता के दूसरे भाग में जनता, निजी संगठनों, शैक्षिक संस्थानों आदि के सदस्यों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के प्रदर्शन के विषय में बताया गया है। संहिता का तीसरा भाग केन्द्रीय और राज्य सरकारों तथा उनके संगठनों और अभिकरणों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के प्रदर्शन के विषय में जानकारी देता है।

26 जनवरी 2002 विधान पर आधारित कुछ नियम और विनियमन हैं कि ध्वज को किस प्रकार फहराया जाए:

क्या करें

- राष्ट्रीय ध्वज को शैक्षिक संस्थानों (विद्यालयों, महाविद्यालयों, खेल परिसरों, स्काउट शिविरों आदि) में ध्वज को सम्मान देने की प्रेरणा देने के लिए फहराया जा सकता है। विद्यालयों में ध्वज आरोहण में निष्ठा की एक शपथ शामिल की गई है।
- किसी सार्वजनिक, निजी संगठन या एक शैक्षिक संस्थान के सदस्य द्वारा राष्ट्रीय ध्वज का अरोहण/प्रदर्शन सभी दिनों और अवसरों, आयोजनों पर अन्यथा राष्ट्रीय ध्वज के मान सम्मान और प्रतिष्ठा के अनुरूप अवसरों पर किया जा सकता है।
- नई संहिता की धारा 2 में सभी निजी नागरिकों अपने परिसरों में ध्वज फहराने का अधिकार देना स्वीकार किया गया है।

क्या न करें

- इस ध्वज को सांप्रदायिक लाभ, पर्दे या वस्त्रों के रूप में उपयोग नहीं किया जा सकता है। जहां तक संभव हो इसे मौसम से प्रभावित हुए बिना सूर्योदय से सूर्यास्त तक फहराया जाना चाहिए।
- इस ध्वज को आशय पूर्वक भूमि, फर्श या पानी से स्पर्श नहीं कराया जाना चाहिए। इसे वाहनों के हुड, ऊपर और बगल या पीछे, रेलों, नावों या वायुयान पर लपेटा नहीं जा सकता।
- किसी अन्य ध्वज या ध्वज पट्ट को हमारे ध्वज से ऊंचे स्थान पर लगाया नहीं जा सकता है। तिरंगे ध्वज को वंदनवार, ध्वज पट्ट या गुलाब के समान संरचना बनाकर उपयोग नहीं किया जा सकता।

स्वतंत्रता और गणतंत्र दिवस में क्या अंतर होता है? कैसे फहराया जाता है झंडा

भारत में हर साल दो राष्ट्रीय पर्व का जश्न मनाया जाता है 26 जनवरी और 15 अगस्त। अधिकतर लोग इन दोनों दिवस को एक ही समझते है या इन दोनों का महत्व उन्हें एक ही लगता है। भारत इस साल 77वां स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहा है। चलिए जानते हैं इन दोनों में क्या प्रमुख अंतर होता है....

स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त

200 साल की ब्रिटिश गुलामी के बाद भारत 15 अगस्त 1947 को आज़ाद हुआ था। देश की आज़ादी के रूप में हम हर साल 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाते है। प्रति वर्ष इस दिवस की थीम भी निर्धारित होती है।

गणतंत्र दिवस 26 जनवरी

15 अगस्त 1947 में आजादी के बाद भारत के पास अपना कानून नहीं था। भारत के नियम-कानून ब्रिटिश कानून के अनुसार थे। इसलिए आजादी के बाद संबिधान बनाने की प्रक्रिया शुरू हुई और 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू किया गया।

26 जनवरी या 15 अगस्त किस दिन होती है परेड आयोजित

15 अगस्त के दिन परेड का आयोजन नहीं होता है। बल्कि 26 जनवरी पर सैनिकों, अर्धसैनिक बलों परेड होती है। इस परेड में अलग-अलग सेवा के सैनिक सुंदर प्रस्तुति करते दिखते हैं। साथ ही आप इस दिन विभिन्न राज्य की सुंदर झांकियां भी देखते हैं।

स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर झंडा फहराने में क्या अंतर है?

पहला अंतर: 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर झंडे को नीचे से रस्सी द्वारा खींचकर ऊपर ले जाया जाता है, फिर खोलकर फहराया जाता है, जिसे ध्वजारोहण कहा जाता है, क्योंकि यह 15 अगस्त 1947 की ऐतिहासिक घटना को सम्मान देने हेतु किया जाता है, उस समय प्रधानमंत्री जी ने ऐसा किया था। संविधान में इसे अंग्रेजी में Flag Hoisting (ध्वजारोहण) कहा जाता है।

जबकि 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर झंडा ऊपर ही बंधा रहता है, जिसे खोलकर फहराया जाता है, संविधान में इसे Flag Unfurling (झंडा फहराना) कहा जाता है।

दूसरा अंतर: 15 अगस्त के दिन प्रधानमंत्री जो कि केंद्र सरकार के प्रमुख होते हैं, वे ध्वजारोहण करते हैं क्योंकि स्वतंत्रता के दिन भारत का संविधान लागू नहीं हुआ था और राष्ट्रपति जो कि राष्ट्र के संवैधानिक प्रमुख होते हैं, उन्होंने पदभार ग्रहण नहीं किया था। इस दिन शाम को राष्ट्रपति अपना संदेश राष्ट्र के नाम देते हैं। जबकि 26 जनवरी जो कि देश में संविधान लागू होने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, इस दिन संवैधानिक प्रमुख राष्ट्रपति झंडा फहराते हैं।

तीसरा अंतर: स्वतंत्रता दिवस के दिन लालकिले से ध्वजारोहण किया जाता है। जबकि गणतंत्र दिवस के दिन राजपथ पर झंडा फहराया जाता है।

चौथा अंतर: पूरे भारत में गणतंत्र दिवस ज्यादा धूमधाम से मनाया जाता है। जबकि गणतंत्र दिवस के मुकाबले स्वतंत्रता दिवस पर ऐसा कुछ नहीं होता।

पांचवां अंतर: गणतंत्र दिवस पर देश अपनी सैन्य ताकत और सांस्कृतिक विलक्षणता को दिखाता है।

जबकि स्वतंत्रता दिवस के दिन ऐसा कुछ नहीं होता।

छठा अंतर: 26 जनवरी यानी गणतंत्र दिवस के दिन समारोह में मुख्य अतिथि आते हैं। जबकि स्वतंत्रता दिवस पर ऐसा नहीं होता है।

सातवां अंतर: 26 जनवरी और 15 अगस्त दोनों ही राष्ट्रीय पर्व हैं। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस कहा जाता है और 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस कहा जाता है।

मशरूम में छिपा है पोषण का खजाना

यदि सब्जियों की बात की जाए तो मशरूम काफी लोकप्रिय सब्जी है, जो बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, सभी की पसंदीदा है। इसमें और सब्जियों की तुलना में अधिक पोषक तत्व पाए जाते हैं। मशरूम में लाइसिन नामक अमीनो अम्ल अधिक मात्रा में होता है, जबकि गेहूं, चावल आदि अनाजों में इसकी मात्रा बहुत कम होती है। यह अमीनो अम्ल मानव के संतुलित भोजन के लिए आवश्यक होता है। मशरूम में मौजूद एंटी ऑक्सीडेंट हमें फ्री रेडिकल्स से बचाता है। यह एक प्राकृतिक एंटीबायोटिक है, जो माइक्रोबियल और अन्य फंगल संक्रमण को ठीक करता है।

- यह ब्लड प्रैशर जैसी बीमारी को भी नियंत्रित करने में मदद करता है, जो लोग इस बीमारी से परेशान हैं, उन्हें मशरूम का सेवन अवश्य करना चाहिए।
- कार्बोहाइड्रेट की पर्याप्त मात्रा होने के कारण यह कब्ज, अपचन, अति अम्लीयता सहित पेट के विभिन्न विकारों को दूर करता है, साथ ही शरीर में कोलेस्ट्रॉल एवं शर्करा के अवशोषण को कम करता है।
- मशरूम वह सब कुछ देगा, जो डायबिटीज रोगी को चाहिए। इसमें विटामिन, मिनरल और फाइबर होता है। इसमें फैट, कार्बोहाइड्रेट और शुगर भी नहीं होती, जो डायबिटीज रोगी के लिए जानलेवा है। यह शरीर में इंसुलिन का निर्माण करता है।
- इसमें लीन प्रोटीन होता है, जो वजन घटाने में बढ़ा कारगर होता है। मोटापा कम करने वालों को प्रोटीन डाइट पर रहने को बोला जाता है, जिसमें मशरूम खाना अच्छा माना जाता है।
- इसमें सोडियम सॉल्ट नहीं पाया जाता, जिस कारण मोटापे, गुर्दे तथा हृदयघात रोगियों के लिए आदर्श आहार है। हृदय रोगियों के लिए कोलेस्ट्रॉल, वसा एवं सोडियम सॉल्ट सबसे अधिक हानिकारक पदार्थ होते हैं।
- मशरूम में लौह तत्व यूं तो कम मात्रा में पाया जाता है, लेकिन मौजूद होने के कारण रक्त में हीमोग्लोबिन के स्तर को बनाए रखता है। इसमें बहुमूल्य फॉलिक एसिड की उपलब्धता होती है, जो केवल मांसाहारी खाद्य पदार्थों से प्राप्त होता है। लौह तत्व एवं फॉलिक एसिड के कारण यह रक्त की कमी की शिकार अधिकांश ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों के लिए सर्वोत्तम आहार है।

खूबियों का खजाना है प्याज

आयुर्वेदिक दृष्टिकोण से कई तरह के रोगों को दूर करने में उत्तम घरेलू औषधि होती है प्याज। प्याज का प्रयोग वैसे हर दिन हर घर में होता है। प्याज का छौंक लगी हुई दालों, सब्जियों के अलावा कई तरह के फास्ट फूड आदि में स्वाद बढ़ाता है प्याज। प्याज का हम सलाद के रूप में भी सेवन करते हैं। इसके अलावा आयुर्वेद में प्याज के कई औषधीय गुण बताए गए हैं, जो बहुत ही चमत्कारी हैं।

प्याज के गुण

आयुर्वेद में प्याज को पलांडु कहते हैं। प्याज में प्रोटीन 1.2 प्रतिशत, कार्बोहाइड्रेट 11.6 प्रतिशत तथा कैल्शियम, आयरन, विटामिन ए, विटामिन बी1, विटामिन सी पाए जाते हैं। आयुर्वेद के अनुसार, प्याज का प्रयोग शरीर पर बाहरी और आंतरिक दोनों ही रूपों में किया जा सकता है और इससे भरपूर लाभ प्राप्त किए जा सकते हैं।

ज्वरनाशक है प्याज

प्याज का उपयोग बुखार को ठीक करने के लिए किया जाता है। अगर किसी व्यक्ति को बुखार आ रहा हो तो ऐसा व्यक्ति प्याज के पत्तों को एक गिलास पानी में तब तक उबाले, जब तक वह आधा न हो जाए। फिर इसे ठंडा करके पीने से बुखार में तुरंत आराम मिलता है।

डायबिटीज दूर करे

जिन लोगों को डायबिटीज की बीमारी है, उन्हें प्याज, अजवाइन, कलौंजी और मेथी के बीजों को एक समान मात्रा में मिलाकर पीसकर एक-एक चम्मच नियमित रूप से सेवन करना चाहिए। इससे डायबिटीज की समस्या हमेशा नियंत्रित रहेगी।

कफ को निकाल बाहर करे

प्याज का सेवन करने से जमा हुआ कफ पतला होकर आसानी से बाहर निकल जाता है। इसके लिए प्याज को हल्का गर्म करके उसका रस निकालकर उसमें थोड़ी सी चीनी मिलाएं। कफ से पीड़ित बच्चे को यह रस एक चम्मच पिलाएं और बड़े को दो चम्मच।

अनेक रोगों में उपयोगी

अकसर गर्मियों के मौसम में गर्म हवाएं चलने के कारण लू लगने का खतरा बना रहता है। ऐसे में अगर खुद को लू लगने से बचाना है तो नियमित रूप से प्याज का सेवन करना चाहिए। जो लोग दिनभर धूप में बाहर रहते हैं, उनको अपनी जेब में एक प्याज रखनी चाहिए, ताकि लू न लगे।

गर्मी के कारण अकसर उल्टी, दस्त जैसी समस्या हो जाती है। जब कभी ये समस्या हो तो प्याज के रस के साथ पुदीना एवं काला नामक मिलाकर पीने से तुरंत राहत मिलती है।

किस समस्या से बचने के लिए कितनी खुराक लें, इसकी जानकारी विशेषज्ञ से ले लें।

त्वचा रोगों से मिले छुटकारा

त्वचा से संबंधित किसी भी तरह की समस्या जैसे फोड़े-फुंसी, मुहांसे हो जाएं या फिर शरीर में किसी जगह गांठ निकल आए या त्वचा में खुजली की समस्या हो तो प्रभावित जगह पर प्याज का रस लगाएं, त्वचा संबंधी रोगों से छुटकारा मिलेगा।

किसी भी कारण से त्वचा जल जाए तो प्रभावित जगह पर तुरंत प्याज का रस लगा लेने से जलन कम होती है। त्वचा पर कहीं भी जलने के निशान हों तो। उस जगह प्याज का लेप लगाने से वह निशान धीरे-धीरे खत्म हो जाता है। इतना ही नही प्याज का उपयोग दांत दर्द दूर करने में भी अचूक साबित होता है।

दांत में कीड़ा लगने और मसूड़ों में सूजन आने पर प्याज और कलौंजी के बीजों को बराबर मात्रा में मिलाकर और उसे चिलम में भरकर उसका धुआं लेने से दोनों तकलीफों से आराम मिलता है।

जहरनाशक है प्याज

कुत्ते के काटने पर प्याज के रस में चूना मिलाकर प्रभावित जगह पर लगाने से कुत्ते का जहर खत्म हो जाता है। प्याज के बीजों को कलौंजी के बीजों के साथ मिलाकर इस्तेमाल करने से भी कुत्ते, बिच्छू, मधुमक्खी जैसे कई अन्य जहरीले कीड़ों के काटने का असर नहीं होता। इससे उनके काटने से हुई जलन भी काफी कम हो जाती है।

बालों के लिए चमत्कारी है प्याज

अगर किसी व्यक्ति के सिर के बीच के कुछ बाल संक्रमण के कारण उड़ जाते हैं या दाढ़ी के बाल उड़ जाते हैं, उनके लिए प्याज किसी चमत्कार से कम नहीं है। ऐसे में प्याज के रस में शहद मिलाकर प्रभावित स्थान पर लगाने से कुछ ही दिनों में बाल धीरे-धीरे वापस आ जाते हैं।

बालों में डैंड्रफ होने पर प्याज के पत्तों के रस और धतूरे के पत्तों के रस को एक साथ मिलाकर लगाएं, डैंड्रफ खत्म हो जाएगा। इसके अलावा बालों में चमक लाने के लिए प्याज के रस के साथ आंवले का रस, एलोवेरा का रस मिलाकर लगाएं, बाल चमक उठेंगे।

आंखों की रोशनी बढ़ाए

आंखों की रोशनी कम होने और आंखों से पानी आने पर प्याज के रस में बराबर मात्रा में गुलाब जल मिलाकर इसकी कुछ बूंदें आंखों में डालें। प्याज के पत्तों के रस को आंखों में डालने से रतौंधी रोग भी दूर हो सकता है।

रेसिपी

शाही मशरूम

सामग्री

- मशरूम: 200 ग्राम
- प्याज: 4
- टमाटर: 5
- अदरक: 1 टुकड़ा
- हरी मिर्च: 2
- नमक: स्वाद के अनुसार
- लाल मिर्च पाउडर: 1/2 चम्मच
- गरम मसाला पाउडर: 1/2 चम्मच
- चीनी: 1 चम्मच
- क्रीम: 1 कप
- काजू: 1 कप
- घी: 3 चम्मच

विधि

मशरूम को धोकर दो टुकड़ों में काट लें। प्याज और टमाटर को भी छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। कड़ाही में दो चम्मच घी गर्म करें और प्याज को सुनहरा होने तक भूनें। इसके बाद कड़ाही में टमाटर, अदरक और हरी मिर्च डालें, जब टमाटर मुलायम होने लगे तो गैस ऑफ करें और मिश्रण के ठंडा होने पर उसका पेस्ट बना लें। अब उसी कड़ाही में बचा हुआ घी डालें और गर्म करें। तैयार पेस्ट को घी में डालें अब कड़ाही में लाल मिर्च पाउडर, सभी मसाले, चीनी और काजू का पेस्ट डालें। चार से पांच मिनट तक धीमी आंच पर भूनें ग्रेवी के लिए आधा कप पानी डालें। जब ग्रेवी उबलने लगे तो कड़ाही में मशरूम डालकर धीमी आंच पर पांच से सात मिनट तक पकाएं। सबसे अंत में नमक और क्रीम डालकर मिलाएं। लगातार चलाते हुए पांच मिनट तक पकाएं और गैस बंद कर दें।

बेसन भुर्जी का स्नैक्स

सामग्री

- बेसन: 1 कप
- अलसी के बीज का पाउडर: 1 चम्मच
- दही: 2 चम्मच

सब्जियों के लिए-

- जीरा: 1 चम्मच
- बारीक कटा प्याज: 1
- बारीक कटी शिमला मिर्च: 1
- कटा हुआ मशरूम: 1 कप
- बारीक कटी मिर्च: 2
- हल्दी पाउडर: 1/4 चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर: 1 चम्मच
- जीरा पाउडर: 1 चम्मच
- नमक: स्वाद के अनुसार
- तेल: 2 चम्मच
- धनिया पत्ती: गार्निशिंग के लिए

विधि

एक बर्तन में बेसन, दही और अलसी का पाउडर डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। आवश्यकतानुसार पानी डालकर मिलाएं और बेसन का घोल तैयार कर लें। नॉनस्टिक पैन में तेल गर्म करें और उसमें जीरा डालें। जब जीरा चटकने लगे तो पैन में प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें। मिर्च व अन्य सब्जियां डालकर मिलाएं। मसाले डालकर मिलाएं और पांच से छह मिनट तक भूनें। अब धीरे-धीरे बेसन वाला मिश्रण पैन में डालें। धीमी आंच पर लगभग पांच मिनट पकाएं। जब बेसन वाला मिश्रण किनारों से पकने लगे तो धीरे-धीरे सब्जी व बेसन के मिश्रण को मिलाना शुरू करें। ध्यान रहे कि सब्जियां पूरी तरह से गल न जाएं। जब भुर्जी का रंग सुनहरा होने लगे तो पैन में नमक व धनिया पत्ती डालकर मिलाएं। दो-तीन मिनट बाद गैस बंद कर दें। इस भुर्जी को ब्रेड टोस्ट के साथ नाश्ते में सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है।धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। शुभांक-4-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। यात्रा का योग है। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-7-8-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़े अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बने रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-6-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। स्वविवेक से कार्य करें। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। पूजा-पाठ आदि धार्मिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म में रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-7-8

काकुरो पहेली - 1807

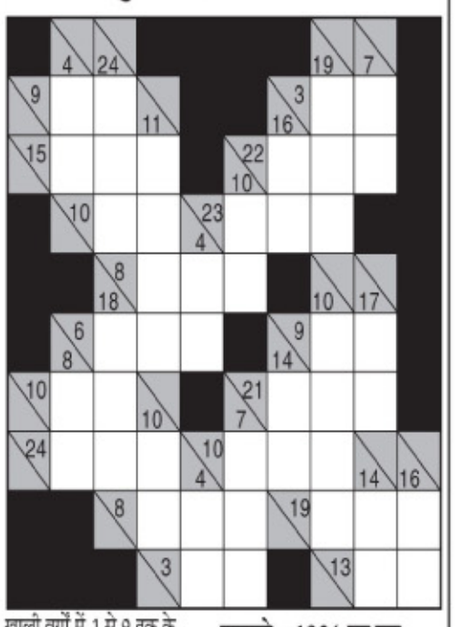

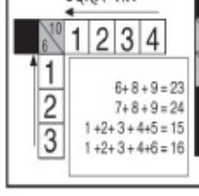

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 1806 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक बूढ़ा समाज सुधारक जेल में बंद युवक चोर को देखकर बोला- 'बेटे! तुम किसी बात की परवाह मत करो. जेल से बाहर निकलोगे तो मैं तुम्हारा पथ-प्रदर्शन करूंगा.'

'ठीक कहते हैं आप !' युवक चोर धीरे से बोला- 'दरअसल मुझसे भूल हो गई थी जो आप जैसे बुजुर्गों के पथ-प्रदर्शन के बिना ही इस रोजगार में लग गया.'

□ □ □

एक डाक्टर के पास एक वकील बैठा हुआ था. तभी एक औरत ने आकर डाक्टर से कोई सलाह ली और चली गई. उसके जाने के बाद डाक्टर ने वकील से पूछा- 'क्या मुझे इससे कुछ लेना चाहिये ?'

'क्यों नहीं !' वकील बोला- 'आखिर तुमने उसे अपनी व्यापारिक सेवाएं प्रदान की हैं.'

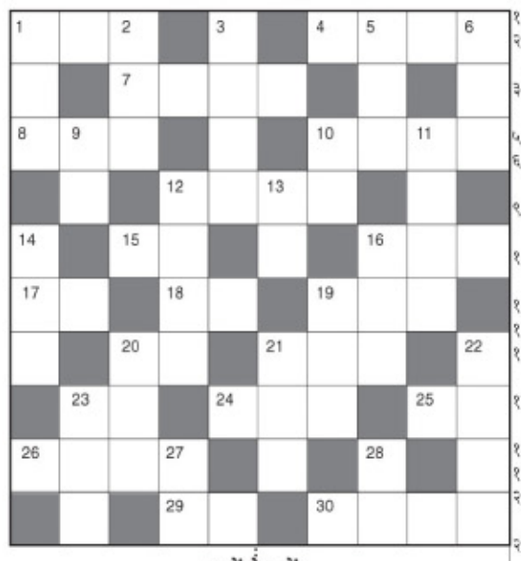

'मैं ऐसा ही करूंगा !' डाक्टर बोला. वकील चला गया. फिर अगले दिन डाक्टर जैसे ही बिल बनाने के लिये मेज पर पहुँचा, उसकी नजर एक बिल पर पड़ी. लिखा था- 'कानूनी सेवाओं की फीस तीस रुपये.' नीचे वकील का नाम और पता लिखा हुआ था.

□ □ □

महिला- 'सुना है आप के सिर में गोबर भरा है.'

आदमी- 'जी हाँ पर क्यों ?'

महिला- 'जी मुझे गोबर गैस कनेक्शन लेना है.'

फिल्म वर्ग पहेली- 1807

बायें से दायें:-

१. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना, शमिता की फिल्म-३
४. 'भंवरे ने खिलाया फूल' गीत वाली ऋषिकपूर, पद्मिनी की फिल्म-४
७. फिरोजखान, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय, अमृता राव की फिल्म-३
१०. राजेंद्रकुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली जैकी, मिथुन, जूही, दिव्या की फिल्म-४
१५. नाना, शाहरुख, संजय कपूर, करिश्मा की 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'एहसान तेरा होगा मुझ पर' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा बानो की फिल्म-३
१७. 'बागबान' में अमिताभ की पत्नी ?-२
१८. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
१९. ऋषिकपूर, कमल हासन, डिम्पल की 'मारिया ओ मारिया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आते जाते हुए' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर, राखी, परवीन की फिल्म-२
२१. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज हमने दिल' गीत वाली नसीर, अतुलअग्निहोत्री, पूजाभट्ट की फिल्म-२
२४. राहुलराय, पूजा भट्ट की 'जो प्यार कर गये' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२६. संजीवकुमार, शर्मिला की १९७४ की कृष्णन पंजु निर्देशित एक फिल्म-४
२९. 'पति पत्नी और वो' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
३०. 'क्या चीज है मुहब्बत' गीत वाली सुनील शेट्टी, दिव्या की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब ना माना दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. कुलभूषण, जावेद, शबाना, नंदिता दास की एक फिल्म-३
३. 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की फिल्म-४
५. अमिताभ, वहीदा, जीनत की एक फिल्म-३
६. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
९. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'उड़ उड़ उड़ उड़ जाये' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-२
११. 'छुपाना भी नहीं आता' गीत वाली फिल्म-४
१२. अजय देवगन, करिश्मा कपूर की फिल्म-४
१३. जीतेंद्र, कमल सदाना, आयशा, दिव्या की 'तेरी मुहब्बत नें दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१६. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की फिल्म-३
२०. राजकपूर मीनाकुमारी की 'ऐ चांद जहां वो जाये' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जैक एण्ड जिल' गीत वाली अजय, उर्मिला की फिल्म-३
२२. 'मैंने प्यार किया' में नायक कौन था-४
२३. 'आँखों में नींदें ना दिल में' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'नीलकमल' के संगीतकार कौन थे-२
२८. 'दिलवालों के दिल का करार लूटने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1806

सूडोकु -1807

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1806 का हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

शब्द पहेली - 1807

बाएँ से दाएँ

1.मूर्ख,बेवकूफ (उर्दू-4)
5.संपत्ति-4
9.कटि,पीठ -3
10.प्रणाम,नमस्कार-3
12.अधीन-2
14.पितामह-2
15.कार्य-2
16.पराजय-2
17.अच्छे कुल का-3
19.तरंग,हिलोर-3
21.एक प्रकार की दाल-3
22.ओस,रजनी जल(उर्दू-4)
24.गगन,आकाश-4
25.स्वच्छ करना-5
26.आश्चर्यजनक-4
29.जो लायक न हो-4
33.उल्टी,कै-3
34.रनिवास,जनवासा-3
36.पंक्ति,लाइन-3
37.सुर,लय,आलाप-2
38.दंड,शिक्षा-2
39.पराजय-2
41.झुका हुआ -2
42.कर्म,भाग्य-3
43.भार-3
45.भूल,गलती (उर्दू-4)
46.भाग्य,नसीब-4

ऊपर से नीचे

2.अधिकार-2
3.मां का दुलार-3
4.ताली की आवाज-4
5.अनुभवी-4
6.जुड़वा-3
7.दक्षिणा-2
8.राम के पुत्र-2,2
11.अभिलाषा,-4
13.क्रूस,सूली-3
16.पाचनशक्ति-3
18.ईसाई साध्वी-2
20.जीवनसाथी -5
21.गरबा,नृत्य-2
23.मालिश-3
24.दर्पण,शीशा-3
26.ईश्वर-4
27.बाग,गुलिस्तां-3
28.क्रिकेट में बनते हैं-2
30.दुलारा,पुत्र-2
31.भरोसा,विश्वास-3
32.करामात-4
34.शेविंग करना-4
35.हाथी साधने वाला-4
38.आसान,सीधा-3
40.कपड़े धोने वाला-3
42.बलगम-2
44.सरिता-2

शब्द पहेली -1806 का हल

बंगाल सरकार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दाखिल करेंगे शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के सरकारी आरजी कर अस्पताल में महिला चिकित्सक के दुष्कर्म के बाद हत्या मामले की जांच सीबीआई को सौंपे जाने के बाद भी 7:30 बजे तक सीबीआई को कोई दस्तावेज नहीं दिए गए हैं। वरिष्ठ भाजपा विधायक शुभेंदु अधिकारी ने ममता सरकार पर आशंका जताई है कि वह सुप्रीम कोर्ट में हाई कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ याचिका लगा सकती है, इसलिए वे जल्द से जल्द सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दाखिल करेंगे। कोर्ट ने जांच सीबीआई को सौंपने और पुलिस को तुरंत सारे दस्तावेज, सीसीटीवी फुटेज और अन्य सभी जानकारियां सीबीआई को सुपुर्द करने को कहा है। अपराह्न के समय हाई कोर्ट के आदेश के बावजूद 7:30 बजे तक सीबीआई को कोई दस्तावेज नहीं दिए गए हैं। इस बीच वरिष्ठ भाजपा विधायक शुभेंदु अधिकारी ने आशंका जताई है कि ममता सरकार भले ही मामले को सीबीआई को सौंपने को लेकर बार-बार सहमति देती रही है लेकिन वह कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने के लिए शीर्ष अदालत का रुख कर सकती है। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि वह सुप्रीम कोर्ट में एक कैविएट दाखिल करेंगे। उन्होंने कहा कि अतीत में जब भी कलकत्ता हाई कोर्ट ने किसी मामले में सीबीआई जांच का निर्देश दिया तो राज्य सरकार ने कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। इसलिए यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम जल्द से जल्द सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दाखिल करें।

किशोरी की मेडिकल जांच पूरी, कैमरों की डीवीआर जब्त

कन्नौज। किशोरी के साथ छेड़छाड़ के आरोप में गिरफ्तार पूर्व ब्लॉक प्रमुख की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। पुलिस ने पीड़ित किशोरी की मेडिकल जांच करावाई। उसके बाद मजिस्ट्रेट के सामने उसका बयान दर्ज कराया गया। इस बीच नोएडा से यहां पहुंचे उसके माता-पिता ने भी अपनी नाबालिग बेटी संग हुई घटना पर बात की। दोनों ने बुआ पर गंभीर आरोप लगाए हैं। माना जा रहा है कि पुलिस अब मुकदमे में और धाराएं बढ़ा सकती है। इससे आरोपी नवाब सिंह पर कानून का शिकंजा कसता दिख रहा है। इस बीच किशोरी को लेकर कॉलेज गई उसकी बुआ फरार हो गई है। पुलिस उसकी भूमिका को संदिग्ध मानते हुए उसकी तलाश में जुटी है। कन्नौज के इस हाई प्रोफाइल घटनाक्रम में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। रविवार की रात सामने आई इस घटना के बाद सोमवार को पुलिस ने कन्नौज सदर के पूर्व ब्लॉक प्रमुख के खिलाफ किशोरी से छेड़छाड़ की धारा में रिपोर्ट दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया था। उसके बाद पीड़ित किशोरी की मेडिकल जांच कराई गई थी। हालांकि सोमवार को जांच प्रक्रिया पूरी नहीं हुई थी।

स्वतंत्रता दिवस पर आतंकी हमले की आशंका, डीजीपी ने सड़क, रेल और हवाई मार्गों पर दिए सख्ती के आदेश

लखनऊ। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आतंकी हमले की संभावना के दृष्टिगत अलर्ट रहने के लिए डीजीपी प्रशांत कुमार ने पुख्ता सुरक्षा बंदोबस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने अन्य राज्यों की सीमाओं से सटे जिलों में आतंकी एवं अन्य संगठनों की गतिविधियों के मद्देनजर रेल, सड़क एवं हवाई आगमन पर विशेष सतर्कता बरतने को कहा। वहीं स्वतंत्रता दिवस के महत्वपूर्ण आयोजनों जैसे तिरंगा यात्रा, प्रभात फेरी, झांकी आदि की सुरक्षा बढ़ाने, एंटी-सैबोटॉज चेकिंग कराने, कार्यक्रम स्थलों के प्रवेश एवं निकास द्वारों पर विशेष सुरक्षा प्रबंध करने, रूफ-टॉप ड्यूटी लगाने तथा ट्रैफिक प्रबंध करने के निर्देश भी दिए।डीजीपी की ओर से सभी एडीजी जोन, आईजी रेंज, जिलों के कप्तानों, रेलवे आदि को पुलिसकर्मियों की ब्रीफिंग करके सचेत व सक्रिय रहने को कहा गया। वहीं रेलवे, मेट्रो, बस स्टेशन, सिनेमाहाल, मल्टीप्लेक्स, शॉपिंगमॉल, होटल, धर्मशाला, गेस्टहाउस, भीड़-भाड़ वाले स्थानों एवं धार्मिक स्थलों पर विशेष सुरक्षा प्रबंध करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रदेश एवं जिलों के समस्त प्रवेश मार्गों पर लगातार चेकिंग के लिए चेकपोस्ट एवं बैरियर ड्यूटी को सतर्क रखने को भी कहा।

कोलकाता की घटना से एम्स के रेजिडेंट डाक्टरों में आक्रोश

देहरादून। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला चिकित्सक की दुष्कर्म के बाद हत्या किए जाने पर चिकित्सकों में आक्रोश है। एम्स के रेजिडेंट चिकित्सकों ने विरोध में एम्स से त्रिवेणीघाट तक आक्रोश रैली निकाली। रेजिडेंट डाक्टर कार्य बहिष्कार पर भी रहे। इसकी वजह से एम्स में स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई। करीब 50 प्रतिशत सर्जरी और 70 प्रतिशत ओपीडी प्रभावित हुई। बुधवार को भी रेजिडेंट डॉक्टर कार्य बहिष्कार करेंगे। सुबह रेजिडेंट डाक्टर्स एसोसिएशन के बैनर तले आक्रोश रैली निकाली गई। डाक्टरों की रैली को एम्स फैकल्टी एसोसिएशन व नर्सिंग ऑफिसर एसोसिएशन ने भी समर्थन दिया। डाक्टरों ने रैली के दौरान घटना के विरोध में जमकर नारेबाजी की। आरडीए के अध्यक्ष डॉ. सावन व महासचिव डॉ. कार्तिक ने कहा कि महिला चिकित्सक के साथ किए गए अमानवीय कृत्य की जितनी निंदा की जाए कम है। इस घटना ने मानवता को शर्मसार किया है।

अरुणाचल की अनोखी तिरंगा रैली पर पीएम मोदी ने जताई खुशी

एजेंसी

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश में 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत देशभक्ति से भरी अनोखी रैली का वीडियो देखने को मिला। अरुणाचल के पूर्वी केमांग के सेप्पा में 600 फुट लंबी तिरंगा यात्रा निकाली गई। इसमें बड़ी संख्या में कई स्कूल के बच्चों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

अरुणाचल प्रदेश की अनोखी तिरंगा रैली पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रतिक्रिया दी। पीएम मोदी ने पूर्वी केमांग के सेप्पा में 'हर घर तिरंगा अभियान' पर प्रसन्नता जताई और कहा कि अरुणाचल प्रदेश एक ऐसी भूमि है, जहां देशभक्ति हर नागरिक के दिल में गहराई से निहित है।

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किए गए वीडियो पोस्ट पर टिप्पणी करते पीएम मोदी ने लिखा, अरुणाचल प्रदेश एक ऐसी भूमि है, जहां देशभक्ति हर नागरिक के दिल में गहराई से निहित है। यह राज्य की जीवंत सांस्कृतिक विरासत में स्पष्ट रूप से झलकता है। 'हर घर तिरंगा अभियान' के प्रति ऐसा उत्साह देखकर खुशी हुई।

अरुणाचल प्रदेश के सीएम पेमा खांडू ने एक्स पोस्ट में लिखा, हमारी शान तिरंगा, हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत पूर्वी केमांग के सेप्पा में 600 फीट की भव्य तिरंगा यात्रा आयोजित की गई। मंत्री मामा नटुंग, विधायक ईलिंग टालंग और हेयेंग मंगफी उपस्थित रहे।

वहीं, कर्नाटक के हुबली में भी छात्रों ने तिरंगा यात्रा निकाली। यह तिरंगा यात्रा चिन्मया महाविद्यालय से शुरू हुई, जिसमें सैकड़ों की तादाद में छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान करीब 21 फीट लंबा और 14 फीट चौड़ा विशाल राष्ट्रीय ध्वज को शहर के मुख्य मार्गों से निकाला गया।

हम भारती वेलफेयर फाउंडेशन के अध्यक्ष अनवर मुल्ला ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस देश के सबसे महत्वपूर्ण पर्व हैं। स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने और बच्चों को उनके बलिदान के बारे में समझाने के लिए तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि यह एकमात्र कॉलेज है, जो 2011 से यात्रा का आयोजन कर रहा है। उन्होंने सुझाव दिया कि 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत, हर परिवार को अपने घर पर एक झंडा फहराना चाहिए और बच्चों को स्वतंत्रता संग्राम के बारे में जागरूक करना चाहिए। छात्रों ने भारत माता की जय, वंदे मातरम के भी नारे लगाए गए। साथ ही उन्होंने देशभक्ति के गीत भी गाए।

केंद्रीय संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू और केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने नई दिल्ली में आयोजित 'हर घर तिरंगा अभियान' कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने देशवासियों से 'हर घर तिरंगा अभियान' में जुड़ने की अपील की।

संतों के सानिध्य में मानव जीवन का कल्याण : कर्नल राज्यवर्धन

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ जी का अजमेर प्रवास के दौरान कार्यकर्ताओं और जनता ने उत्साह व स्नेह के साथ स्वागत-सत्कार किया और उनके द्वारा किए जा रहे जनसेवा व विकास कार्यों की प्रशंसा की। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने मदनगंज-किशनगढ़ में पवित्र जैन मंदिर पहुंचकर जैन मुनि, परम पूज्य आचार्य श्री 108 सुनील सागर महाराज जी का आत्मीय आशीर्वाद और प्रबुद्धजनों का मार्गदर्शन प्राप्त कर देश एवं प्रदेशवासियों के सुख व समृद्धि की कामना की। कर्नल राज्यवर्धन ने कहा कि संतों के सानिध्य में मानव जीवन का कल्याण छुपा है। जैन धर्म को समृद्ध बनाने वाले परम श्रद्धेय जैन तीर्थंकर एवं मुनि जन विश्व को अहिंसा एवं त्याग का संदेश देते हैं। आप सभी का आशीर्वाद सदैव राजस्थान वासियों पर बना रहे, यही शुभेच्छा है।

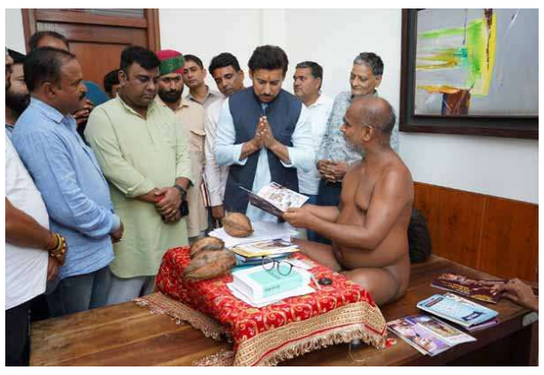

बिहार में कानून व्यवस्था को लेकर लालू यादव ने नीतीश सरकार को घेरा

एजेंसी

पटना। बिहार की कानून व्यवस्था को लेकर विपक्ष लगातार सत्ता पक्ष पर निशाना साध रहा है। राजद ने एक बार फिर कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा और जदयू पर निशाना साधा। राजद के प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने अपने अंदाज में सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए कानून व्यवस्था को लेकर सियासी हमला बोला। लालू यादव ने वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, 'बिहार में अपराध से मची चीख-पुकार, ऐसा है बिहार में भाजपा-जदयू का चौपट राज।'

लालू यादव ने पोस्ट किए गए वीडियो में पिछले कुछ दिनों में राज्य में हुई आपराधिक घटनाओं का सिलसिलेवार ब्योरा दिया है। इससे पहले पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने भी कानून व्यवस्था को लेकर सरकार को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर पोस्ट करते हुए 42 आपराधिक घटनाओं का जिक्र करते हुए लिखा, 'बिहार में अपराधियों की बहार है। शासन-प्रशासन रिश्वतखोरी, लूट और भ्रष्टाचार में मस्त और व्यस्त है। राज्य में सत्ता संरक्षित अपराधी लूट, दुष्कर्म व निर्दोष लोगों की हत्या करने में मदमस्त है।' तेजस्वी यादव ने घटनाओं की सूची में विभिन्न जिलों में घटी हत्या, लूट, दुष्कर्म, डकैती की कई घटनाओं का जिक्र किया है।

राजद के प्रवक्ता एजाज अहमद ने इस संबंध में कहा है कि तेजस्वी यादव बिहार में लॉ एंड ऑर्डर पर सवाल खड़ा करते हैं, तब सत्तापक्ष एनडीए के नेता बेचैन क्यों जाते हैं। जब सच का आईना दिखाया जाता है, तो उसका जवाब देने की जगह भाजपा और जदयू के नेता लालू और तेजस्वी फोबिया से ग्रसित होकर अनर्गल प्रलाप करते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि तेजस्वी यादव नेता प्रतिपक्ष हैं, इसलिए सरकार की गलतियों को उजागर करते हैं। आज अपराध और अपराधियों का मनोबल काफी बढ़ा हुआ है और सरकार इसको रोकने में असमर्थ है। तेजस्वी 42 घटनाओं के? आंकड़ों के साथ आपराधिक घटनाओं की जानकारी दे रहे हैं, तो सरकार को जवाब नहीं सूझ रहा है और अनर्गल प्रलाप कर रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया वीर दुर्गादास राठौड़ की मूर्ति का अनावरण

एजेंसी

जयपुर। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बालोतरा जिला स्थित कनाना में वीर दुर्गादास राठौड़ की मूर्ति का अनावरण किया। इस दौरान पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत साथ रहे। वीर दुर्गादास राठौड़ की मूर्ति का अनावरण में आमजन को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि हमारी स्वतंत्रता वीर महापुरुषों के त्याग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की डबल इंजन की सरकार ने ऐतिहासिक बजट प्रस्तुत कर समाज के हर वर्ग के विकास की राह प्रशस्त करने के कार्य किया है। हमारा प्रयास रहेगा की समाज के हर वर्ग की मांगों को पूरा किया जाए। राज्य सरकार सड़क विकास का कार्य प्राथमिकता के साथ कर रही है। उन्होंने कहा कि बालोतरा समदड़ी के 32 किलोमीटर सड़क निर्माण का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा जा चुका है, जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होगा। इस दौरान केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि वीर दुर्गादास राठौड़ के बिना हमारा इतिहास अधूरा है। भारतीय इतिहास में ऐसे कई वीर योद्धा हुए है जो प्रातः स्मरणीय है।

जिनसे हम प्रेरणा ले सकते है। सामान्य परिवार में जन्म लेने वाले वीर दुर्गादास राठौड़ के समान कोई युद्धा नही हो सकता। उन्होंने सनातन संस्कृति को बचाने के लिए अपने वर्चस्व का त्याग किया। अपनी कई पीढ़ियां कुर्बान कर दी।

उन्होंने कहा कि आज भारत बदलाव के दौर से गुजर रहा है। आज हमारे पास अपने देश को विश्व में अग्रणी एवं समृद्ध राष्ट्र बनाने का अवसर है। हमें देश के विकास में अवरोध बनकर नहीं बल्कि विकास के पहिए को गति देने के लिए कार्य करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर सिवाना विधायक हमीर सिंह भायल, पचपदरा विधायक डॉ अरुण चौधरी, चौहटन विधायक आदुराम मेघवाल, बालोतरा जिला प्रदेशाध्यक्ष बाबूसिंह राजपुरोहित, बालाराम मूढ़ समेत जनप्रतिनिधि एवं आमजन उपस्थित रहे।सरकार को जवाब नहीं सूझ रहा है और अनर्गल प्रलाप कर रहे हैं।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत अलवर में निकाली गई तिरंगा यात्रा

एजेंसी

जयपुर। केंद्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री एवं सांसद भूपेंद्र यादव एवं वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने हर घर तिरंगा अभियान के तहत आयोजित विशाल तिरंगा यात्रा को अलवर जिला स्थित जगन्नाथ मंदिर से तिरंगा लहराकर रवाना किया तथा तिरंगा यात्रा में शामिल होकर राष्ट्रीय एकता व देशभक्ति का संदेश दिया। उन्होंने जगन्नाथ महाराज के मंदिर में पूजा-अर्चना कर देश व प्रदेश की खुशहाली की कामना की। शहीद स्मारक पर केंद्रीय मंत्री यादव व वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री शर्मा ने शहीदों को पुष्प अर्पित किए। केंद्रीय मंत्री यादव ने कहा कि आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत हर घर तिरंगा अभियान आमजन की सहभागिता के साथ प्रदेशभर में आयोजित किया जा रहा है जो प्रगतिशील भारत, देश की संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास को याद करने और जश्न मनाने के लिए भारत सरकार की ओर से की जाने वाली एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की है कि हर घर तिरंगा अभियान के तहत अपने घरों पर तिरंगा झण्डा लगाकर राष्ट्रीय पर्व स्वाधीनता दिवस को हर्षोल्लास से मनाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा धरती मां को कृतज्ञता प्रकट करने हेतु विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड मां के नाम अभियान संचालित किया गया है जिसके तहत भूरासिद्ध स्थित मातृ वन में जनसहभागिता से विभिन्न प्रजातियों के 8 हजार पौधे लगाए गए है जिससे पर्यावरण संरक्षित होने के साथ-साथ शहरवासियों को शुद्ध वायु मिलेगी। इस दौरान अलवर जिला प्रमुख बलबीर सिंह छिल्लर, नगर निगम के महापौर घनश्याम गुर्जर, पूर्व विधायक जयराम जाटव, जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता सहित प्रबुद्ध व्यक्ति एवं बडी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की 161 क्षेत्रीय पदाधिकारी स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशेष अतिथि के रूप में होंगी शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की 161 क्षेत्रीय पदाधिकारी स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशेष अतिथि के रूप में शामिल होंगी। महिलाओं और बच्चों को सशक्त बनाने की दिशा में उनके प्रयासों को मान्यता देने के लिए विशेष अतिथियों को आमंत्रित किया गया है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 15 अगस्त को दिल्ली के प्रतिष्ठित लाल किले से 78वें स्वतंत्रता दिवस का जश्न मनाने में देश का नेतृत्व करेंगे। वे राष्ट्रीय ध्वज का आरोहण और ऐतिहासिक स्मारक की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करेंगे महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं को कार्यान्वित करने वाले राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के 161 क्षेत्रीय पदाधिकारियों को कार्यक्रम का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया गया है। मंत्रालय के मुताबिक इन कार्यकर्ताओं को देशभर से महिलाओं और बच्चों को सशक्त बनाने और आवश्यक सेवाओं की अंतिम छोर तक डिलीवरी सुनिश्चित करने की दिशा में उनके प्रयासों को मान्यता देने के लिए आमंत्रित किया गया है विशेष अतिथि, अपने जीवनसाथी के साथ, नई दिल्ली में प्रधानमंत्री संग्रहालय, कर्तव्य पथ और अन्य महत्वपूर्ण स्मारकों जैसे महत्वपूर्ण स्थलों का दौरा करेंगे।

हमारी संप्रभुता और सामूहिक पहचान का प्रतीक है तिरंगा : धनखड़

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जनता से विध्वंसक ताकतों के प्रति सतर्क रहने का आग्रह करते हुए कहा 'तिरंगा सिर्फ एक झंडा नहीं है- यह हमारी संप्रभुता और सामूहिक पहचान का प्रतीक है' और भारतीय पहचान को चुनौती देना हमारे अस्तित्व को चुनौती देने के समान है।

श्री धनखड़ ने भारत मंडपम से 'हर घर तिरंगा बाइक रैली' को हरी झंडी दिखाते हुए कहा कि कुछ लोग भारत के विकास की तेज गति को पचा नहीं पा रहे हैं। वे बाधाएं पैदा करना चाहते हैं और अस्थिरता लाना चाहते हैं। उन्होंने तिरंगे के महत्व का उल्लेख करते हुए लोगों से विरोधी ताकतों के खिलाफ एकजुट होने और इससे प्रेरणा लेने का आग्रह किया और सभी से किसी भी परिस्थिति में

राष्ट्र के हित को सर्वोपरि रखने की अपील की। इस अवसर पर केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू, केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। उप राष्ट्रपति ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान का उद्देश्य सभी भारतीयों में देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की गहरी भावना जगाना और एकता की भावना को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा,'तिरंगा सिर्फ एक झंडा नहीं है- यह हमारी संप्रभुता और सामूहिक पहचान का प्रतीक है।' श्री धनखड़ ने कहा कि भारतीय पहचान हमारे खून में है और इस पहचान को चुनौती देना हमारे अस्तित्व को चुनौती देने के समान है। उन्होंने लोगों से तिरंगे के सम्मान, आदर और गौरव को हमेशा बनाए रखने का आह्वान किया। स्वतंत्रता संग्राम में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की विरासत का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि 30 दिसंबर, 1943 को अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह पर भारतीय ध्वज फहराना ब्रिटिश शासन के खिलाफ एक ऐतिहासिक विद्रोह था।

संजय सेठ ने स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों का निरीक्षण किया

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों का निरीक्षण किया। श्री सेठ ने ड्यूटी पर तैनात एनसीसी कैडेटों, एनएसएस स्वयंसेवकों, संबंधित अधिकारियों और कर्मियों के प्रयासों की सराहना की।उन्होंने एनसीसी कैडेटों और एनएसएस स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा,'देश के लिए प्राणों की आहुति देने वाले योद्धा हमेशा हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेंगे।' श्री सेठ ने एनसीसी कैडेटों को भविष्य का सैनिक बताया जो देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए एक मजबूत स्तंभ होंगे। उन्होंने कहा,÷आप समाज सेवा और सामुदायिक विकास की कई पहल करके परिवर्तन के गुणक के रूप में कार्य करते हैं। आपने कई राष्ट्रीय मिशनों जैसे राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा

मिशन, स्वच्छ भारत अभियान, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए काम किया है और इन्हें अपने समर्पण और कड़ी मेहनत से सफल बनाया है। अब भी आप स्वतंत्रता दिवस समारोह को सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं'। रक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण को साकार करने में एनसीसी कैडेटों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी।श्री सेठ ने एनसीसी कैडेटों के उत्साह और मनोबल की सराहना की और उन्हें स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

कठुआ का हाजी लतीफ निकला आतंकी नेटवर्क का सरगना

कठुआ । आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई में पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। कठुआ से डोडा तक सक्रिय आतंकियों की मदद करने वाले मास्टरमाइंड समेत नौ लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। कठुआ के अंबे नाल का रहने वाला मोहम्मद लतीफ उर्फ हाजी लतीफ ही मुख्य सरगना है। वह आतंकियों के नेटवर्क को चला रहा था। पकड़े गए लोगों में हाजी लतीफ का बेटा लियाकत, भाई नूरानी निवासी जुथाना व अन्य लोग शामिल हैं। यह सभी कठुआ के रहने वाले हैं।

लतीफ पाकिस्तान के साथ मिलकर देश के खिलाफ साजिश रचने के साथ ही आतंकियों की मदद करता रहा है। इसका खुलासा हीरानगर के सैडा सोहल में 11-12 जून को आतंकियों के साथ हुई।

महिला सहित पांच नक्सली गिरफ्तार, विस्फोटक सामग्री बरामद

एजेंसी

सुकमा। जगरगुण्डा थाना क्षेत्र से महिला सहित पांच नक्सलियों को विस्फोटक सामग्री के साथ गिरफ्तार करने में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। गिरफ्तार एक नक्सली पर छत्तीसगढ़ सरकार की तरफ से 05 लाख रुपये का इनाम है। इनामी नक्सली गढ़चिरौली (महाराष्ट्र) क्षेत्र में रहा सक्रिय था। गिरफ्तार सभी नक्सली जगरगुण्डा थाना क्षेत्र के निवासी है।नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना पर जिला बल, डीआरजी का बल एवं सीआरपीएफ बल की संयुक्त पार्टी गश्त सर्चिंग हेतु ग्राम मिसीगुड़ा व आसपास क्षेत्र की ओर रवाना हुए थे।

इसी दौरान मिसीगुड़ा के जंगल-पहाड़ी चिकोमेट्टा के पास कुछ संदिग्ध लोग पुलिस पार्टी को देखकर भागने लगे। घेराबंदी कर 05 संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा गया। पकड़े गये व्यक्तियों से पूछताछ करने पर सभी ने नक्सल संगठन में काम करना बताया।

गिरफ्तार नक्सलियों में पांच लाख इनामी नक्सली उईका चैतू (30) पूर्व एसीएम, परमिली एरिया कमेटी सदस्य, कुंजाम सुखलाल (35) मिलिशिया सदस्य इंद्रावती एरिया, पदाम हुंगा (24) मिलिशिया सदस्य जीआरडी कमांडर, महिला उईका लखे (35) सीएनएम सदस्य चिन्नागेल्लुर एरिया, पदाम सन्नू (35) मिलिशिया सदस्य शामिल हैं। गिरफ्तार नक्सलियों के पास से बीजीएल सेल, दो जिलेटीन रॉड, कोर्डेक्स वॉयर, डेटोनेटर सहित अन्य नक्सली सामग्री बरामद की गयी है। नक्सलियों से पूछताछ में बताया कि बड़े नक्सलियों के आदेश पर सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की नीयत से सुरक्षा बलों के आने-जाने वाले मार्ग में आईईडी लगाने के आए थे।

नक्सलियों के खिलाफ जगरगुण्डा थाना में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया। घटना में शामिल अन्य नक्सलियों की गिरफ्तारी के लिए क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

हाइवे निर्माण के लिए जमीन व वन भूमि की समस्या से अटकी परियोजनाओं में लायें तेजीः नितिन गडकरी

एजेंसी

रांची/नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के मंत्री नितिन गडकरी ने नयी दिल्ली में दूसरे दिनमंगलवारको भी झारखंड सहित चार राज्यों के हाइवे प्रोजेक्ट की समीक्षा की। केंद्रीय मंत्री ने रिव्यू में झारखंड के पथ निर्माण विभाग व वन विभाग के पदाधिकारियों, भू-राजस्व विभाग व एनएचएआई के अधिकारियों के साथ राज्य की लंबित परियोजनाओं की जानकारी ली। यह बात सामने आयी कि जमीन अधिग्रहण और वन भूमि

क्लीयरेंस की वजह से राज्य की कई हाइवे परियोजना लंबित चल रही है। कई महत्वपूर्ण नेशनल हाइवे की सड़कों पर अतिक्रमण भी है, जिसे हटाया नहीं जा रहा है। कोलकाता-रांची-वाराणसी एक्सप्रेस-वे का काम झारखंड में अब भी शुरू नहीं हो सका है, जबकि इसका टेंडर पहले ही डिसाइड हो चुका है। राज्य के छह जिलों से गुजरनेवाले इस हाइवे मे कई जगह जमीन की भी समस्या है। इसी तरह रांची-कुडू-वाराणसी रोड परियोजना में भी आ रही समस्याओं की भी जानकारी ली गयी। जमीन के बदले दूसरी जगह वन रोपण के लिए जमीन लेकर वन विभाग को सौंपने के नियम पर भी चर्चा हुई। मंत्री ने इस पर वन विभाग के अधिकारियों को भी निर्देश दिये। केंद्रीय मंत्री ने झारखंड में चल रहे सारे रोड प्रोजेक्ट के काम को तेजी से पूरा कराने का निर्देश अधिकारियों को दिया है। समीक्षा बैठक में उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, झारखंड, उड़ीसा राज्यों की 100 करोड़ से अधिक की हाइवे परियोजना की प्रगति पर चर्चा हुई।

भारत का स्वतंत्रता दिवस हर वर्ष 15 अगस्त को मनाया जाता है। सन 1947 में इसी दिन भारत के निवासियों ने ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता प्राप्त की थी। हर साल पूरे जोश और देशभक्ति के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। भारत के कई हिस्सों इस दिन परेड और प्रतियोगिताओं का आयोजन होता है और इसके साथ दुनिया भर में स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। भारत इस वर्ष 77वीं वर्षगांठ मनाएगा।

आइए मनाएं आजादी का 77वां साल

वर्षों तक अंग्रेजों की गुलामी करने के बाद आज ही दिन 15 अगस्त 1947 को हमारा देश भारत आजाद हुआ था। सालों तक हम भारतवासियों ने अंग्रेजों के अत्याचार और अमानवीय व्यवहार को सहा है। जिसके बाद भारत की जनता से खुद को इस अत्याचार से आजाद करने की ठान ली।

सभी एकजुट हो गए और खुद को और अपने देश को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त कराने का साहस जुटाया।

अंग्रेजों को हमारे देश से बाहर करके अपने देश को आजादी दिलवाने के लिए देश के अनेक वीरों ने प्राणों की बाजी लगाई, गोलियां खाईं और अंत में आखिरकार हम आजादी पाने में सफल हुए।

15 अगस्त की तारीख को हमारा देश आजाद हुआ, इसलिए इस दिन का बहुत अधिक महत्व है। इस दिन हम स्वतंत्रता हुए इसिलिए इसे स्वतंत्रता दिवस कहते हैं।

भारत को आजाद कराने ने बहुत सारे लोगों को योगदान रहा है। कईयों ने अपनी जान की बाजी तक लगाई लेकिन कुछ ऐसे नाम है जिनका योगदान इतना महत्वपूर्ण है कि इन्हें हमाशा याद किया जाता है। इन्हें में से कुछ नाम हैं सुभाषचंद्र बोस, भगतसिंह, चंद्रशेखर आजाद, सरदार वल्लभभाई पटेल, गांधीजी, इत्यादी।

इस साल 2023 को हम अपनी आजादी का 77वां जश्न मनाएंगे। इस दिन को हम भारतवासी बड़े ही उत्साह और प्रसन्नता के साथ मनाते आ रहे हैं। इस दिन सभी विद्यालयों, सरकारी कार्यालयों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है, राष्ट्रगीत गाया जाता है और इन सभी महापुरुषों और शहीदों को श्रद्धांजलि दी जाती है। जिन्होंने स्वतंत्रता के लिए अनेक प्रयत्न किए। इस दिन की खुशी को जाहिर करने के लिए लड्डू और मिठाइयां बांटी जाती हैं।

भारत की राजधानी दिल्ली में हमारे प्रधानमंत्री लाल किले पर राष्ट्रीय ध्वज फहराते हैं। वहां यह त्योहार बड़ी धूमधाम और भव्यता के साथ मनाया जाता है। सभी शहीदों को श्रद्धां?जलि दी जाती है। प्रधानमंत्री राष्ट्र के नाम संदेश देते हैं। अनेक सभाओं और कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

इस दिन का ऐतिहासिक महत्व है। इस दिन की याद आते ही उन शहीदों के प्रति श्रद्धा से मस्तक अपने आप ही झुक जाता है। जिन्होंने स्वतंत्रता के यज्ञ में अपने प्राणों की आहु?ति दी। इसलिए हमारा पुनीत कर्तव्य है कि हम हमारे स्वतंत्रता की रक्षा करें। देश का नाम विश्व में रोशन हो, ऐसा कार्य करें। देश की प्रगति के साधक बनें न? कि बाधक।

हमारा कर्तव्य है कि भारत के नागरिक होने के नाते हम स्वतंत्रता का न तो स्वयं दुरुपयोग करें और न ही दूसरों को करने दें। शहिदों के बलिदान को आने वाले समय में भी जाया न जाने दें और एक भ्रष्टाचार व दुर्गुण रहित देश बनाने में अपने स्तर पर सहयोग करें।

यह है वंदे मातरम् की अमर गाथा, एक गीत जो पवित्र ऋचा बन गया

वन्दे मातरम्!
सुजलाम, सुफलाम् मलयज-शीतलाम्
शस्यश्यामलाम् मातरम्
वन्दे मातरम्
शुभ्र ज्योत्स्ना पुलकितयामिनीम्
फुल्लकुसुमित द्रुमदल शोभिनीम्
सुहासिनीम् सुमधुरभाषिणीम्
सुखदाम्, वरदाम्, मातरम्!
वन्दे मातरम्
वन्दे मातरम्

ब्रिटिश शासन के दौरान देशवासियों के दिलों में गुलामी के खिलाफ आग भड़काने वाले सिर्फ दो शब्द थे- 'वंदे मातरम्'। आइए बताते हैं इस क्रांतिकारी, राष्ट्रभक्ति के अजर-अमर गीत के जन्म की कहानी -

बंगाल के महान साहित्यकार श्री बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के ख्यात उपन्यास 'आनंदमठ' में वंदे मातरम् का समावेश किया गया था। लेकिन इस गीत का जन्म 'आनंदमठ' उपन्यास लिखने के पहले ही हो चुका था। अपने देश को मातृभूमि मानने की भावना को प्रज्वलित करने वाले कई गीतों में यह गीत सबसे पहला है।

'वंदे मातरम्' के दो शब्दों ने देशवासियों में देशभक्ति के प्राण फूँक दिए थे और आज भी इसी भावना से 'वंदे मातरम्' गाया जाता है। हम यों भी कह सकते हैं कि देश के लिए सर्वोच्च त्याग करने की प्रेरणा देशभक्तों को इस गीत से ही मिली। पीढ़ियाँ बीत गई पर 'वंदे मातरम्' का प्रभाव अब भी अक्षुण्ण है। 'आनंदमठ' उपन्यास के माध्यम से यह गीत प्रचलित हुआ। उन दिनों बंगाल में 'बंग-भंग' का आंदोलन उफान पर था। दूसरी ओर महात्मा गाँधी के असहयोग आंदोलन ने लोकभावना को जाग्रत कर दिया था।

बंग भंग आंदोलन और असहयोग आंदोलन दोनों में 'वंदे मातरम्' ने प्रभावी भूमिका निभाई। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के लिए यह गीत पवित्र मंत्र बन गया था।

बंकिम बाबू ने 'आनंदमठ' उपन्यास सन् 1880 में लिखा। कलकत्ता की 'बंग दर्शन' मासिक पत्रिका में उसे क्रमशः प्रकाशित किया गया। अनुमान है कि 'आनंदमंठ' लिखने के करीब पाँच वर्ष पहले बंकिम बाबू ने 'वंदे मातरम्' को लिख दिया था। गीत लिखने के बाद यह यों ही पड़ा रहा। पर 'आनंदमठ' उपन्यास प्रकाशित होने के बाद लोगों को उसका पता चला।

इस संबंध में एक दिलचस्प किस्सा है। बंकिम बाबू 'बंग दर्शन' के संपादक थे। एक बार पत्रिका का साहित्य कम्पोज हो रहा था। तब कुछ साहित्य कम पड़ गया, इसलिए बंकिम बाबू के सहायक संपादक श्री रामचंद्र बंदोपाध्याय बंकिम बाबू के घर पर गए और उनकी निगाह 'वंदे मातरम्' लिखे हुए कागज पर गई।

कागज उठाकर श्री बंदोपाध्याय ने कहा, फिलहाल तो मैं इससे ही काम चला लेता हूँ। पर बंकिम बाबू तब गीत प्रकाशित करने को तैयार नहीं थे। यह बात सन् 1872 से 1876 के बीच की होगी। बंकिम बाबू ने बंदोपाध्याय से कहा कि आज इस गीत का मतलब लोग समझ नहीं सकेंगे। पर एक दिन ऐसा आएगा कि यह गीत सुनकर सम्पूर्ण देश निद्रा से जाग उठेगा।

इस संबंध में एक किस्सा और भी प्रचलित है। बंकिम बाबू दोपहर को सो रहे थे। तब बंदोपाध्याय उनके घर गए। बंकिम बाबू ने उन्हें 'वंदे मातरम्' पढ़ने को दिया। गीत पढ़कर बंदोपाध्याय ने कहा, 'गीत तो अच्छा है, पर अधिक संस्कृतनिष्ठ होने के कारण लोगों की जुबान पर आसानी से चढ़ नहीं सकेगा।' सुनकर बंकिम बाबू हँस दिए। वे बोले, 'यह गीत सदियों तक गाया जाता रहेगा।' सन् 1876 के बाद बंकिम बाबू ने बंग दर्शन की संपादकी छोड़ दी।

सन् 1875 में बंकिम बाबू ने एक उपन्यास 'कमलाकांतेर दफ्तर' प्रकाशित किया। इस उपन्यास में 'आभार दुर्गोत्सव' नामक एक कविता है। 'आनंदमठ' में संत-गणों को संकल्प करते हुए बताया गया है।

तिरंगे का छठवां स्वरूप बना भारत का राष्ट्रध्वज

15 अगस्त 1947 को देश आजादी मिली थी, इसी खुशी इस दिन हम सभी स्वतंत्रता दिवस मनाते हैं। स्वतंत्रता दिव का उत्सव कई रूपों जैसे, झाकी परेड, सांस्कृतिक कार्यक्रम और भाषण आदि में मनाया जाता है। लेकिन इस उत्सव में तिरंगा ही एक ऐसी चीज है जो इस उत्सव को पहचान दिलाती है। 15 अगस्त के दिन इमारतों, सार्वजनिक स्थलों, स्कूलों और दफ्तरों में आपको तिरंगा लगा मिल जाएगा। इसका सम्मान प्रत्येक भारतीय अपने अपने तरीके से करता है। कोई इस दिन अपने शरीर पर तिरंगे का टैटू बनवाता है तो कोई तिरंग या तीन रंगों वाला कपड़ा पहनता है तो कोई तिरंगे के रंग को मेकअप के रूप में इस्तेमाल करता है। तो आइए आज हम आपको बताते हैं क्या है तिरंगे का इतिहास। आजादी के पहले और फिर आजादी के बाद भारत का झंडा कैसा था और तीन रंगों में आखिर में कैसे फाइनल हुआ-

तिरंगा का इतिहास

पहला झंडा

पहला भारतीय झंडा 7 अगस्त 1906 में कलकत्ता के पारसी बगान स्कवॉयर में फहराया गया था। इस झंडे में हरे, पीले और लाल रंग की तीन पट्टियां थी। झंडे की बीच की पट्टी पर वंदेमातरम लिखा हुआ था। नीचे की पट्टी पर सूर्य और चांद का सांकेतिक चिन्ह बना हुआ था।

दूसरा झंडा

भारत का दूसरा झंडा 1907 में मैडम कामा और निर्वासित क्रांतिकारियों के उनका संगठन ने पेरिस में फहराया था। यह झंडे पहले वाले से ज्यादा अलग नहीं है। इसमें हरे, पीले और नारंगी रंग की तीन पट्टियां थी। इस झंड़े की बीच की पट्टी पर भी वंदेमातरम लिखा हुआ था। नीचे की पट्टी पर सूर्य और चांद का सांकेतिक चिन्ह बना हुआ था।

तीसरा झंडा

इस भारतीय झंडे को डॉ. एनी बेसेंट और लोकमान्य तिलक ने होम रूल मूवमेंट 1917 के दौरान फहराया था। इस झंडे में ऊपर की तरफ यूनियन जैक था। झंडे में बिग डिपर या सप्तर्षि नक्षत्र और अर्धचंद्र चंद्र और सितारा भी था।

चौथा झंडा

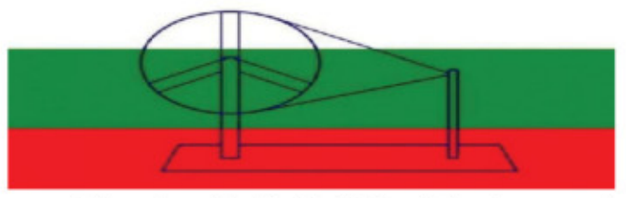

1916 में लेखक और भूभौतिकीविद् पिंगाली वेंकैया ने देश की एकजुटता के लिए एक झंडा डिजाइन किया था। इस झंडे को डिजाइन करने से पहले उन्होंने महात्मा गांधी से अनुमति ली थी। गांधीजी ने उनको भारत का आर्थिक उत्थान दर्शाते हुए झंडे में चरखा शामिल करने की सलाह दी थी। गांधी जी ने इस झंड़े को 1921 में फहराया था। इसमें सबसे ऊपर सफेद, बीच में हरी और सबसे नीचे लाल रंग की पट्टियां थी। ये झंडा सभी समुदायों का प्रतीक माना जाता था।

पांचवां झंडा

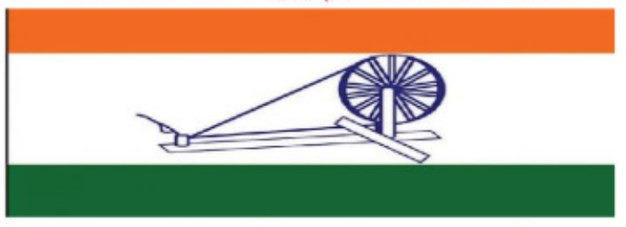

1931 में भारतीय राष्ट्रीय ध्वज में ऐतिहासिक बदलाव किया गया था। कांग्रेस कमेटी बैठक में पास हुए एक प्रस्ताव में भारत के तिरंगे को मंजूरी मिली थी। इस तिरंगे में केसरिया रंग ऊपर, सफेद बीच में और सबसे नीचे हरे रंग की पट्टी थी। सफेद रंग की पट्टी पर नीले रंग का चरखा बना हुआ था।

छठा झंडा

आजाद भारत के लिए संविधान सभा ने इसी भारतीय झंडे को स्वीकार कर लिया था। हालांकि चरखे की जगह इसमें सम्राट अशोक के धर्म चक्र शामिल कर लिया गया था। यही झंडा 1947 से भारत का राष्ट्रीय ध्वज है।

ग्वालियर में खेला जाएगा भारत-बांग्लादेश के बीच पहला टी20 मुकाबला

एजेंसी

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारत और बांग्लादेश के बीच होने वाले पहले टी20 मैच को धर्मशाला से ग्वालियर में आयोजित करने का फैसला किया, जबकि कोलकाता और चेन्नई ने अगले साल इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले टी-20 मैचों की अदला-बदली की है। धर्मशाला में हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में चल रहे नवीनीकरण के कार्य को ध्यान में रखकर, बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज का पहला मैच ग्वालियर के श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में शिफ्ट कर दिया गया है। दोनों टीमों के बीच ये मैच 6 अक्टूबर को खेला जाएगा। बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, भारत और बांग्लादेश के बीच पहला टी-20 मैच, जो पहले 6 अक्टूबर को धर्मशाला में होना था, अब हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा ड्रेसिंग रूम में नवीनीकरण कार्य किए जाने के कारण ग्वालियर में खेला जाएगा। इसमें आगे कहा गया है, ÷वालियर में होने वाला मैच शहर के नए स्टेडियम श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में पहला अंतरराष्ट्रीय टी-20 मुकाबला है और 2010 में ऐतिहासिक भारत-दक्षिण अफ्रीका वनडे के बाद पहला मैच है। इसमें महान सचिन तेंदुलकर वनडे में दोहरा शतक बनाने वाले पहले पुरुष क्रिकेटर बने थे। बांग्लादेश को सितंबर-अक्टूबर में दो टेस्ट और तीन टी20 मैच खेलने हैं। सीरीज का पहला टेस्ट 19 सितंबर से चेन्नई में खेला जाएगा।

सासुओलो के डिफेंडर ट्रेसोल्डी लोन पर साओ पाउलो में शामिल हुए

रियो डी जेनेरियो। ब्राजील के सेरी ए क्लब साओ पाउलो ने इटली के सासुओलो से सेंट्रल डिफेंडर रुआन ट्रेसोल्डी को ऋण पर अनुबंधित किया है। ट्रेसोल्डी, जिनके सासुओलो अनुबंध में दो साल बाकी हैं, अगले जून तक साओ पाउलो से जुड़े रहेंगे। इस समझौते में साओ पाउलो के लिए ऋण अवधि समाप्त होने पर 25 वर्षीय खिलाड़ी को स्थायी सौदे पर सुरक्षित करने का विकल्प शामिल है। साओ पाउलो फुटबॉल निदेशक कार्लोस बेलमोंटे ने कहा, यह हमारे लिए एक अच्छा सौदा है क्योंकि अगर ऋण ठीक रहता है, तो हम हस्ताक्षर पूरा कर लेंगे। उन्होंने कहा कि ट्रेसोल्डी सेंटर-बैक डिएगो कोस्टा के लिए सीधे प्रतिस्थापन थे, जो पिछले महीने रूस के क्रास्नोडार में शामिल होने के लिए चले गए थे। अगस्त 2021 में ग्रेमियो से क्लब में शामिल होने के बाद से ट्रेसोल्डी ने सासुओलो के लिए 64 प्रथम-टीम प्रदर्शन किए हैं। पिछले सीजन में 20-टीम सीरी ए में 19वें स्थान पर रहने के बाद सासुओलो को इतालवी फुटबॉल के दूसरे स्तर पर भेज दिया गया था।

हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण इंग्लिश समर से बाहर हुए बेन स्टोक्स

लंदन। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स को द हंड्रेड के मौजूदा सत्र में खेलते समय हैमस्ट्रिंग की चोट लगने के कारण शेष इंग्लिश समर से बाहर कर दिया गया है। ऑलराउंडर को रविवार को नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स के लिए खेलते समय बाएं हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने एक विज्ञप्ति में घोषणा की, लीड्स में किए गए स्कैन के परिणामस्वरूप, स्टोक्स श्रीलंका के खिलाफ इंग्लैंड की तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला से चूक जाएंगे। स्टोक्स को उम्मीद है कि वे इंग्लैंड के पाकिस्तान दौरे पर वापस लौटेंगे, जो अक्टूबर की शुरुआत में खेला जाएगा। इंग्लैंड का अगला दौरा, श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज, 21 अगस्त को ओल्ड ट्रैफर्ड में शुरू होने वाली है। इंग्लैंड ने टीम में स्टोक्स के लिए किसी प्रतिस्थापन की घोषणा नहीं की है, जिसका नेतृत्व अब ओली पोप करेंगे।

एफसी बार्सिलोना ने डिफेंडर अराउजो को बोर्नमाउथ को बेचने की पुष्टि की

मैड्रिड। एफसी बार्सिलोना ने मैक्सिको के फुल बैक जूलियन अराउजो को इंग्लिश प्रीमियर लीग की टीम बोर्नमाउथ को लगभग 10 मिलियन यूरो (11 मिलियन अमेरिकी डॉलर) में बेचने की पुष्टि की है। 23 वर्षीय खिलाड़ी फरवरी 2023 में लॉस एंजिल्स गैलेक्सी से जुड़ने के बाद बार्सिलोना छोड़ देंगे, उन्होंने क्लब के लिए एक भी आधिकारिक मैच नहीं खेला है। यू.एस. में जन्मे डिफेंडर 2023 में शीतकालीन स्थानांतरण विंडो बंद होने के बाद पहुंचे और जून के अंत में जापान में एक दोस्ताना मैच खेलने से पहले बार्सा की पहली टीम और बी-टीम के साथ बारी-बारी से प्रशिक्षण सत्र में हिस्सा लिया।

अराउजो ने पिछले सीजन में लास पालमास के साथ लोन पर समय बिताया, जिसमें उन्होंने ला लिगा में 28 मैच खेले और दो गोल किए, उसके बाद प्री-सीजन के लिए बार्सिलोना लौट आए। वह बार्सा के प्री-सीजन दौरे पर अमेरिका गए और मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ उनके दोस्ताना मैच में खेले, हालांकि वह फुल बैक के रूप में नहीं बल्कि मिडफील्ड के दाईं ओर खेले।

भारत को टेस्ट श्रृंखला में 3-1 से हरा सकता है ऑस्ट्रेलिया : रिकी पोंटिंग

एजेंसी

दुबई। रिकी पोंटिंग का मानना है कि भारत के खिलाफ घरेलू मैदान पर लगातार दो टेस्ट श्रृंखलाओं में हार के बाद ऑस्ट्रेलिया के पास साबित करने के लिए काफी कुछ होगा और उन्होंने कहा कि पैट कमिंस की अगुवाई वाली टीम इस साल नवंबर-दिसंबर में होने वाली पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 3-1 से जीत सकती है। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के पिछले दो दौरों में टेस्ट श्रृंखला 2-1 के समान अंतर से जीती थी। वह अब 22 नवंबर से शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में विश्व की नंबर एक टेस्ट टीम और मेजबान ऑस्ट्रेलिया का सामना करेगा।

पोंटिंग ने कहा, 'यह एक प्रतिस्पर्धी श्रृंखला होने जा रही है। यहां पिछली दो श्रृंखलाओं में जो कुछ हुआ उसे देखते हुए ऑस्ट्रेलिया के पास अपनी धरती पर भारत के

खिलाफ साबित करने के लिए काफी कुछ है। उन्होंने कहा, 'हम फिर से पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला खेल रहे हैं जो इस श्रृंखला की दूसरी महत्वपूर्ण बात है। पिछले कुछ समय में हमने केवल चार टेस्ट मैच की श्रृंखला खेली। इस बार पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला को लेकर हर कोई उत्साहित है। मुझे नहीं पता कि इस श्रृंखला में कुछ मैच ड्रॉ होंगे या नहीं। पोंटिंग ने कहा, 'मैं निश्चित तौर पर ऑस्ट्रेलिया को जीत का हकदार कहूंगा। मैं कभी ऐसा नहीं कहूंगा कि ऑस्ट्रेलिया जीत का हकदार नहीं है। कोई मैच ड्रॉ हो सकता है तो कोई खराब मौसम से प्रभावित हो सकता है इसलिए मैं कहूंगा कि आस्ट्रेलिया श्रृंखला 3-1 से जीतेगा।

भारत और ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी बार 1991-92 में पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला खेली थी। तब भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था।

पोंटिंग ने बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद को भी भारतीय टीम में रखने की वकालत की। वह दिल्ली कैपिटल्स में खलील के कोच रहे चुके हैं। उन्होंने कहा, 'खलील अहमद जैसे खिलाड़ी को इस टेस्ट श्रृंखला के लिए टीम में होना चाहिए। वह हाल में जिंबॉब्वे में टी20 श्रृंखला खेल कर लौटा है। भारतीय टीम के लिए अपनी टेस्ट टीम में बाएं हाथ के किसी गेंदबाज को रखना आदर्श स्थिति होगी।

अरशद नदीम को पुरस्कार में मिले एक करोड़ रुपए और कार, गाड़ी का नम्बर भी है स्पैशल

एजेंसी

लाहौर। ओलंपिक भाला फेंक चैंपियन अरशद नदीम को हाल ही में संपन्न पेरिस खेलों में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने के लिए पंजाब सरकार ने एक करोड़ रुपये और एक नयी कार से पुरस्कृत किया।

पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज जब नदीम और उसके परिवार से मिलने मियां चुन्नू स्थित उसके गांव गयी तो उन्होंने नदीम को नकद पुरस्कार और कार की चाबियां भेंट की। उन्होंने कहा, 'अरशद हर उस चीज का हकदार है जो उसे मिल रहा है क्योंकि वह देश के लिए बहुत खुशी और गौरव लेकर आया है।'

मुख्यमंत्री ने नदीम को जब 92.97 नंबर प्लेट वाली नई कार की चाबियां सौंपी तब वहां उनके माता-पिता भी मौजूद थे। नदीम ने 92.97 मीटर की ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ पेरिस में स्वर्ण पदक जीता था। मरियम नवाज के साथ आए 'डिप्टी कमिश्नर' ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर चेक और कार से जुड़ी कागजी कार्रवाई को रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया क्योंकि वह नदीम से मिलना चाहती थी। उन्होंने कहा,

'मुख्यमंत्री ने विशेष नंबर प्लेट के लिए भी आदेश दिए थे।' लाहौर वापस जाने से पहले मरियम ने नदीम के कोच सलमान इकबाल बट को 50 लाख रुपये का चेक भी दिया। नदीम ने ओलंपिक में पाकिस्तान के स्वर्ण पदक के 40 साल के सूखे को खत्म किया था।

रोहित शर्मा के साथ काम करना सौभाग्य की बात थी : राहुल द्रविड़

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कप्तान रोहित शर्मा की सराहना की और कहा कि 37 वर्षीय खिलाड़ी के साथ काम करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। रोहित ने वनडे और टी20ई में संयुक्त रूप से 14,846 रन, तीन दोहरे शतक, 33 शतक और 87 अर्द्धशतक बनाए हैं। अपने लाजवाब प्रदर्शन के अलावा, रोहित दो बार आईसीसी टी20 विश्व कप (2007 और 2024) और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी विजेता हैं। उनके नाम सबसे छोटे प्रारूप में सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी है। भारत के टी20 कप्तान के रूप में रोहित ने 62 में 49 मैच जीते और भारत के सबसे सफल कप्तान बने। धोनी ने 72 मैचों में 41 जीत हासिल कीं। इसके अलावा, उन्होंने बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में रोमांचक जीत के बाद भारत को आईसीसी टी20 विश्व कप खिताब दिलाया, जिससे भारत का 11 साल का आईसीसी ट्रॉफी का सूखा समाप्त हुआ। द्रविड़ ने कहा कि रोहित शर्मा एक 'शानदार लीडर' हैं। लोग उनके और ब्लू इन मेन के प्रति 'आकर्षित' हैं। द्रविड़ बोले- मुझे लगता है कि रोहित के साथ काम करना सौभाग्य की बात

है। इन ढाई वर्षों में मुझे लगता है कि वह एक शानदार नेता थे। लोग वास्तव में उनकी, टीम की ओर आकर्षित हुए। मुझे लगता है कि उनके पास बहुत लोग थे। टेस्ट क्रिकेट में विराट, बुमराह या अश्विन की प्रतिभा को सबने देखा है। भारत के पूर्व मुख्य कोच ने कहा कि आज अश्विन को देखो। इस उम्र में भी वह सीखने की इच्छा रखते हैं। मेरे आसपास लोगों का एक अच्छा समूह था। और इनमें से कुछ लोगों के साथ काम करना सौभाग्य और खुशी की बात थी। मुझे खुशी है कि हम एक अच्छा माहौल बनाने में सफल रहे। लेकिन इसका बहुत सारा श्रेय कप्तान और वरिष्ठ लोगों को जाना चाहिए, जो ईमानदारी से कहें तो वास्तव में एक टीम को आगे बढ़ाते हैं।

टीम इंडिया के लिए कोच के रूप में द्रविड़ का करियर बहुत अच्छा रहा, उन्होंने इस साल जून में बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका पर रोमांचक जीत के बाद आईसीसी टी20 विश्व कप ट्रॉफी के साथ समापन किया। इससे पहले, भारत पिछले साल घरेलू मैदान पर 50 ओवर के विश्व कप में लगातार 10 मैचों की जीत के बाद ऑस्ट्रेलिया से हारकर उपविजेता रहा था। वे पिछले साल आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उपविजेता भी रहे थे। भारत ने पिछले साल 50 ओवर का एशिया कप भी जीता था।

हरमनप्रीत एंड कंपनी के पास लॉस एंजिल्स में स्वर्ण पदक जीतने के लिए मजबूत आधार : माइक हॉर्न

एजेंसी

कोलकाता। दुनिया के मशहूर 'एंडवेंचरर' माइक हॉर्न का मानना है कि भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने तोक्यो और पेरिस ओलंपिक में लगातार कांस्य पदक जीतने के बाद अपनी मजबूत नींव का प्रदर्शन किया जिसे देखते हुए चार साल बाद लॉस एंजिल्स में उनमें स्वर्ण जीतने की क्षमता है। स्विट्जरलैंड के 'मोटिवेशनल कोच' के तीन दिवसीय मानसिक दृढ़ता वाले 'बूट शिविर' ने हरमनप्रीत एंड कंपनी को अपनी सीमाओं से आगे बढ़ने में मदद की और वे अपने सहज क्षेत्र से बाहर आकर मजबूती से एकजुट होने में सफल रहे।

हॉर्न कहा, 'भारतीय टीम ने कांस्य पदक जीता है, वह उनके समर्पण का प्रतिबिंब है और मेरा मानना है कि उन्होंने भविष्य की सफलता के लिए एक मजबूत आधार तैयार किया है जिसमें अगले ओलंपिक में स्वर्ण जीतने की संभावना भी शामिल है।' उन्होंने कहा, 'टीम का प्रदर्शन असाधारण था और टीम स्वर्ण पदक जीतने के बहुत करीब पहुंच गई थी। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में शानदार कौशल, रणनीति और मानसिक दृढ़ता दिखाई।' हॉर्न ने कहा, 'हालांकि वे स्वर्ण पदक हासिल नहीं कर पाए। लेकिन यह तथ्य है कि वे इसके इतने करीब थे जो उनकी कड़ी मेहनत और दृढ़

संकल्प का प्रमाण है।' उन्होंने कहा, 'यह समझना भी महत्वपूर्ण है कि पदक जीतना और वो भी ओलंपिक में, एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।' हॉर्न को उनके महेंद्र सिंह धोनी की अगुआई वाली 2011 विश्व कप विजेता भारतीय टीम, 2014 में इंडियन प्रीमियर लीग विजेता टीम कोलकाता नाइट राइडर्स और जर्मनी की 2014 फुटबॉल चैम्पियन टीम के साथ काम के लिए भी जाना जाता है। भारत ने पेरिस ओलंपिक में अपना अभियान न्यूजीलैंड पर जीत से शुरू किया और धीरे धीरे लय हासिल की। रूप चरण में भारत की सबसे बड़ी जीत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रही जिसे टीम ने 52 साल बाद शिकस्त दी। टीम की एकजुटता और मानसिक मजबूती ब्रिटेन के खिलाफ शूटआउट में जीत के दौरान दिखी जबकि दूसरे क्वार्टर के शुरू से ही टीम 10 खिलाड़ियों के बिना खेल रही थी। हॉर्न (58 वर्ष) ने कहा, 'मैंने पेरिस 2024 में उनका सफर बहुत करीब से देखा और मैं उनकी सहनशीलता और उन्होंने दबाव का किस तरह से सामना किया, उससे काफी प्रभावित हुआ। उनकी इस यात्रा में छोटी सी भूमिका निभाना सम्मान की बात है।'

न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज जॉर्ज वर्कर ने पेशेवर क्रिकेट से लिया संन्यास

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज जॉर्ज वर्कर ने 34 साल की उम्र में पेशेवर क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की है। वर्कर, जिन्होंने सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स के साथ अपना पेशेवर करियर शुरू किया और ऑकलैंड के साथ समाप्त किया, ने एक बयान में कहा, पेशेवर क्रिकेट में 17 साल के शानदार सफर के बाद, मैं खेल से संन्यास लेने की घोषणा कर रहा हूं। यह निर्णय मेरे जीवन के एक अविश्वसनीय अध्याय के अंत और एक नए रोमांच की शुरुआत का प्रतीक है, अपने करियर के दौरान, मैंने कुछ बेहतरीन दोस्ती बनाई है जो जीवन भर चलेंगी, साथ ही ऐसी यादें हैं जो मैं हमेशा संजो कर रखूंगा। वर्कर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बहुत कम समय बिताया, 2015 से 2018 के बीच उन्होंने दस वनडे और दो टी20 मैच खेले, जिसमें उन्होंने क्रमशः 272 और 90 रन बनाए। इसकी शुरुआत 2015 में जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका के दौरे से हुई थी।

विनेश फोगाट के सिल्वर पर फैसला टला, अब 16 अगस्त को होगा फैसला

एजेंसी

पेरिस। खेल पंचाट (कैस) के तदर्थ प्रभाग ने विनेश फोगाट की पेरिस ओलंपिक में फाइनल से पहले अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ अपील पर फैसला बिना कोई कारण दिये फिर 16 अगस्त तक स्थगित कर दिया जिससे इस भारतीय पहलवान के भाग्य पर संदेह बरकरार है। खेल पंचाट को सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुनाना था लेकिन इसे बिना कोई कारण बताये फिर तीसरी बार टाल दिया गया। इससे 29 वर्षीय भारतीय पहलवान का इंतजार बढ़ गया है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की विज्ञप्ति के अनुसार, ''खेल पंचाट के तदर्थ प्रभाग के अध्यक्ष ने विनेश फोगाट बनाम यूनाईटेड विश्व कुश्ती (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति मामले में एकमात्र मध्यस्थ डॉ. एनाबेले बेनेट को अपना फैसला सुनाने के लिए शुक्रवार 16 अगस्त 2024 पेरिस समय के अनुसार शाम छह बजे (भारतीय समयानुसार रात साढ़े नौ बजे) तक अनुमति दी है। पिछले जापान की युई सुसाकी के खिलाफ जीत सहित तीन जीत के साथ महिलाओं की 50 किग्रा फ्रीस्टाइल स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाली विनेश को अंततः स्वर्ण पदक जीतने वाली अमेरिका की सारा हिल्डेब्रांट के खिलाफ खिताबी मुकाबले से बाहर कर दिया गया क्योंकि सुबह वजन करते समय उनका वजन निर्धारित सीमा से 100 ग्राम अधिक पाया गया। इस पहलवान ने पिछले बुधवार को खेल पंचाट में इस फैसले के खिलाफ अपील की और मांग की कि उसे क्यूबा की पहलवान युस्नेलिस गुजमेन लोपेज के साथ संयुक्त रजत पदक दिया जाए। लोपेज सेमीफाइनल में विनेश से हार गई थी लेकिन बाद में भारतीय पहलवान को अयोग्य घोषित किए जाने के बाद उन्हें फाइनल में जगह मिली। अयोग्य ठहराए जाने के एक दिन बाद विनेश ने खेल से संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि उसके पास खेल जारी रखने की ताकत नहीं है। हालांकि दुनिया भर के दिग्गज खिलाड़ियों ने इस 29 वर्षीय पहलवान का समर्थन किया है जो अपने तीसरे ओलंपिक खेलों में भाग ले रही थी। विनेश की कानूनी टीम में फ्रांसीसी वकील जोएल मोनलुइस, एस्टेले इवानोवा, हैबिन एस्टेले किम और चार्ल्स एमसन थे जिन्होंने आवेदन दाखिल करने के दौरान उनकी और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की मदद की। उनकी सेवाएं पेरिस बार द्वारा मुहैया कराई गई हैं और वे मामले को निःशुल्क संभाल रहे हैं। इसके अलावा वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे और विदुषपत सिंघानिया को मामले में उनकी मदद के लिए जोड़ा गया है। दिलचस्प बात यह है कि आईओए ने अपनी अध्यक्ष पीटी उषा और साल्वे के साथ एक ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए ठीक उसी समय का निमंत्रण भेजा था जिस समय शाम फैसला आने की उम्मीद थी।

नीरज चोपड़ा ने कोच, फिजियो के साथ मनाया ओलंपिक रजत पदक जीतने का जश्न

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने अपने कोच और फिजियो के साथ दूसरा ओलंपिक पदक जीतने की खुशियां मनाई। नीरज ने अपने कोच क्लॉस बार्टोनिट्ज और फिजियो ईशान मारवाहा के प्रयासों को स्वीकार करते हुए इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की। नीरज ने पोस्ट को कैप्शन दिया कि उन लोगों के साथ एक पल कैद करके खुशी हुई जिन्होंने इसे संभव बनाया - मेरे कोच क्लॉस बार्टोनिट्ज और फिजियो ईशान मारवाहा।

चोपड़ा, जो क्वालीफाइंग में 89.34 मीटर के शानदार प्रयास के साथ फाइनल में पहुंचे थे, ने 89.45 मीटर तक भाला फेंका, जो उनका अब तक का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रयास था। टोक्यो ओलंपिक में उन्होंने 87.58 मीटर दूर भाला फेंककर स्पर्ण जीता था। लेकिन मौजूदा विश्व चैंपियन और डायमंड लीग फाइनल विजेता नीरज के लिए यह पर्याप्त साबित नहीं हुआ क्योंकि खेल में उनके अच्छे दोस्त पाकिस्तान के

अरशद नदीम ने 92.97 मीटर के साथ स्वर्ण पदक जीत लिया। नदीम ने यह थ्रो फेंककर ओलंपिक रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। हालांकि नीरज भारत के लिए 2 ओलंपिक पदक जीतने वाले एथलीटों के मायावी क्लब में शामिल हो गए। सुशील कुमार आजादी के बाद लंदन 2012 ओलंपिक में भारत के लिए 2 पदक जीतने वाले पहले एथलीट बने, जबकि पीवी सिंधु टोक्यो में शोपीस इवेंट के आखिरी संस्करण में इस सूची में शामिल हुईं। निशानेबाजी में 2 कांस्य पदक जीतकर मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में अपने दोहरे गौरव की बराबरी की। वह विभाजन के बाद खेलों के एक ही संस्करण में 2 पदक जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट बनीं।

विनेश 'फाइटर', पदक की हकदार, लेकिन नियमों का ध्यान रखना जरूरी : श्रीजेश

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी स्टार पीआर श्रीजेश ने यहां विनेश फोगाट के जज्बे की तारीफ करते हुए कहा कि जो कुछ उनके साथ हो रहा था, उसके बावजूद 'स्पेन के खिलाफ कांस्य पदक मुकाबले से पहले वह मेरे पास आई और कहा भाई गुड लक, आप तो दीवार हो, अच्छे से खेलो। उन्होंने विनेश को 'फाइटर' करार करते हुए कहा कि वह कम से कम एक पदक की हकदार हैं, लेकिन साथ ही यह घटना सभी के लिए सबक होनी चाहिए क्योंकि खेल को चलाने के लिए नियम जरूरी हैं।

पेरिस ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम के कांस्य पदक जीतने के बाद संन्यास लेने वाले श्रीजेश ने कहा कि विनेश रजत पदक की हकदार है क्योंकि फाइनल में पहुंचकर उन्होंने एक पदक पक्का कर लिया था। रजत या फिर स्वर्ण पदक उन्हें मिलता ही। अंतिम समय में कहना कि आप फाइनल में खेलने के लिए अयोग्य हो...। उन्होंने कहा कि अगर मैं उनकी जगह होता तो पता

नहीं क्या करता। वह 'फाइटर' है। कांस्य पदक मैच से पहले वह मिली थीं। उन्होंने कहा कि भाई गुड लक, आप तो दीवार हो' अच्छे से खेलो।

मुझे लगा कि वह मुस्कुराते हुए अपना दर्द छुपा रही थीं, वह सचमुच 'फाइटर' है। उसने पिछले एक साल में जो झेला है, उसके बाद ट्रेनिंग करते हुए ओलंपिक के लिए

क्वालीफाई किया और फिर जीतते हुए फाइनल तक पहुंची। पर उन्होंने दूसरा पक्ष रखते हुए कहा कि लेकिन इसका एक पहलू यह भी है कि आप ओलंपिक खेलों में हो, आपको पूरी तरह से तैयार रहना चाहिए। आप किसी पर ऊंगली नहीं उठा सकते। जब आप तैयारी कर रहे हों तो नियम निर्देशों पर अडिग रहो क्योंकि ये खेल को खूबसूरत बनाने और इसे चलाने के लिए जरूरी हैं।

विनेश का फाइनल से पहले वजन निर्धारित सीमा से 100 ग्राम अधिक पाया गया। इस पहलवान ने पिछले बुधवार को खेल पंचाट में इस फैसले के खिलाफ अपील की और इसका नतीजा आएगा। इसके साथ ही ब्रिटेन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच में अनुभवी फुलबैक अमित रोहिदास को मिले रेडकार्ड के बारे में भी श्रीजेश ने नियम का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि नियम के अनुसार आपको अपनी स्टिक ऊपर नहीं करनी चाहिए।

लेकिन अमित रोहिदास ने क्या किया, उसने स्टिक उठा दी। भले ही गैर इरादतन रहा हो लेकिन उसे रेड कार्ड मिला और हमें इसका खामियाजा भुगतना पड़ा।

श्रीलंका ने इयान बेल को बनाया बल्लेबाजी कोच

कोलंबो। श्रीलंका ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैच की श्रृंखला से पहले इयान बेल को बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया। श्रीलंका क्रिकेट

ने अपनी वेबसाइट पर इसकी जानकारी देते हुए बताया कि इंग्लैंड की तरफ से 118 टेस्ट मैच में 7727 रन बनाने वाले बेल इस सप्ताह के आखिर में टीम से जुड़ जाएंगे। श्रीलंका क्रिकेट ने कहा कि वह 16 अगस्त से टीम के साथ काम करना शुरू कर देंगे और तीन टेस्ट मैच की श्रृंखला के समापन तक उससे जुड़े रहेंगे। बेल को इंग्लैंड क्रिकेट की अच्छी समझ है और उनकी भूमिका इस श्रृंखला में महत्वपूर्ण हो सकती है। श्रीलंका का इंग्लैंड दौरा 21 से 25 अगस्त तक मैनचेस्टर में पहले टेस्ट से शुरू होगा। दूसरा टेस्ट 29 अगस्त से 2 सितंबर तक लॉर्ड्स में जबकि तीसरा और अंतिम टेस्ट छह से 10 सितंबर तक ओवल में खेला जाएगा।

हमें ओलंपिक के लिए पसंदीदा कोच भी नहीं मिला: अश्विनी पोनप्पा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय युगल बैडमिंटन विशेषज्ञ अश्विनी पोनप्पा ने कहा कि उन्हें पेरिस ओलंपिक की तैयारी के लिए खेल मंत्रालय से बहुत कम या कोई व्यक्तिगत वित्तीय सहायता नहीं मिली और यहां तक कि कोच के लिए उनके अनुरोध को भी खारिज कर दिया गया। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) एक दस्तावेज लेकर आया है, जिसमें पेरिस ओलंपिक में भाग लेने वाले भारतीय खिलाड़ी को प्रदान की गई वित्तीय सहायता का विवरण दिया गया है। इस दस्तावेज के अनुसार अश्विनी को टॉप्स (लक्ष्य ओलंपिक पोडियम कार्यक्रम) के अंतर्गत 4,50,000 रुपये तथा अभ्यास और प्रतियोगिता (एसीटीसी) के वार्षिक कैलेंडर के तहत 1,48,04,080 रुपये प्रदान किए गए थे। अश्विनी ने कहा, 'मैं वास्तव में बहुत हैरान हूं। मुझे पैसे नहीं मिलने पर कोई आपत्ति नहीं है लेकिन देश को यह बताना कि मैंने पैसे लिए थे, हास्यास्पद है। मुझे पैसे नहीं मिले थे। अगर आप राष्ट्रीय शिविर की बात कर रहे हैं तो उसने भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों पर 1.5 करोड़ रुपए खर्च किए गए थे।

उन्होंने कहा, 'मेरे पास अपनी पसंद का कोच भी नहीं था। जहां तक मेरे निजी ट्रेनर की बात है तो मैंने उसका खर्चा स्वयं उठाया। मैंने किसी से पैसा नहीं लिया। मैं नवंबर 2023 तक अपने खर्चे पर खेलती रही। जब हमने ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर दिया तभी मुझे टॉप्स में शामिल किया गया।% भारत की शीर्ष युगल खिलाड़ी 34 वर्षीय अश्विनी ने राष्ट्रमंडल खेल 2010, 2014 और 2018 में क्रमशः स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीता था। उन्होंने ज्वाला गुट्टा के साथ जोड़ी बनाकर लंदन और रियो ओलंपिक में भाग लिया था। साइ के एक सूत्र ने 1.48 करोड़ रुपए के खर्च का विवरण देते हुए बताया, 'यह धनराशि उन सभी प्रतियोगिताओं में यात्रा, रहने, भोजन, प्रतियोगिता शुल्क आदि पर खर्च की गई जिनमें उन्होंने ओलंपिक से पहले भाग लिया था। यह धनराशि भारतीय बैडमिंटन संघ को एसीटीसी के तहत दी गई थी।

अगस्त, 2022 तक एन सिक्की रेड्डी के साथ जोड़ी बनाने वाली अश्विनी ने उसी साल दिसंबर में तनीषा क्रैस्टो के साथ जोड़ी बनाई। इस जोड़ी ने जनवरी 2023 से अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में खेलना शुरू किया। कुछ टूर्नामेंट में अच्छे प्रदर्शन के दम पर यह जोड़ी ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में सफल रही।

15 अगस्त

स्वतंत्रता दिवस

'रात 12 बजे जब दुनिया सो रही होगी तब भारत जीवन और स्वतंत्रता पाने के लिए जागेगा। एक ऐसा क्षण जो इतिहास में दुर्लभ है, जब हम पुराने युग से नए युग की ओर कदम बढ़ाएंगे... भारत दोबारा अपनी पहचान बनाएगा।' - पंडित जवाहरलाल नेहरू

यह एक देश भक्ति से भरा हुआ हृदय था, जिसमें आज़ादी के लिए प्यार और हमारी प्यारी मातृभूमि के लिए अमर समर्पण था जो 200 साल तक अँग्रेज़ों के राज के अधीन रहने के पर भी बना रहा और हमें अँग्रेज़ों से आज़ादी मिली। 15 अगस्त 1947, वह दिन था जब भारत को ब्रिटिश राज से आज़ादी मिली और इस प्रकार एक नए युग की शुरुआत हुई जब भारत के मुक्त राष्ट्र के रूप में उठा। स्वतंत्रता दिवस के दिन दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र, भारत के जन्म का आयोजन किया जाता है और भारतीय इतिहास में इस दिन का अत्यंत महत्व है।

भारतीय स्वतंत्रता के संघर्ष में अनेक अध्याय जुड़े हैं जो 1857 की क्रांति से लेकर जलियाँवाला बाग नरसंहार, असहयोग आंदोलन से लेकर नमक सत्याग्रह तक अनेक हैं। भारत ने एक लंबी यात्रा तय की है जिसमें अनेक राष ट्रीय और क्षेत्रीय अभियान हुए और इसमें उपयोग किए गए दो प्रमुख अस्त्र थे सत्य और अहिंसा। हमारी स्वतंत्रता के संघर्ष में भारत के राजनैतिक संगठनों के व्यापक रंग, उनकी दर्शन धारा और आंदोलन शामिल हैं जो एक महान कारण के लिए एक साथ मिलकर चले और ब्रिटिश उप-निवेश साम्राज्य का अंत हुआ और एक स्वतंत्र राष्ट्र का जन्म हुआ। यह दिन हमारी आज़ादी का जश्न मनाने और उस सभी शहीदों को श्रद्धांजलि देने का अवसर जिन होंने इस महान कारण के लिए अपने जीवन का बलिदान कर दिया। स्वतंत्रता दिवस पर प्रत्येक भारतीय के मन में राष्ट्रीयता, भाई-चारे और निष्ठा की भावना भर जाती है।

अनेकानेक आयोजन

स्वतंत्रता दिवस को पूरी निष्ठा, गहरे समर्पण और अपार देश भक्ति के साथ पूरे देश में मनाया जाता है। स्कूलों और कालेजों में यह दिन सांस्कृतिक गतिविधियों, कवायद और ध्वज आरोहण के साथ मनाया जाता है। दिल्ली में प्रधानमंत्री लाल किले पर तिरंगा झंडा फहराते हैं और इसके बाद राष्ट्र गान गाया जाता है। वे राष्ट्र को संबोधित भी करते हैं और पिछले एक वर्ष के दौरान देश की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हैं तथा आगे आने वाले समय के लिए विकास का आह्वान करते हैं। इसके साथ वे आज़ादी के संघर्ष में शहीद हुए नेताओं को श्रद्धांजलि देते हैं और आज़ादी की लड़ाई में उनके योगदान पर अभिवादन करते हैं। एक अत्यंत रोचक गतिविधि जो स्वतंत्रता दिवस के साथ जुड़ी हुई है, वह है पतंग उड़ाना, जिसे आज़ादी और स्वतंत्रता का संकेत कहा जाता है।

कविता

मेरे देश का झंडा 'तिरंगा', सबसे अनोखा सबसे निराला,

तीन रंग इसमें हैं समाहित, बीच में नीला चक्र है डाला।
सबसे प्रथम रंग केसरिया, बलिदानों की कथा सुनाता,
शहीदों की याद दिलाता, देशप्रेम का भाव जगाता।
दूजा रंग सफेद है बच्चा, सबसे सादा सबसे सच्चा,
सदाचार, शांति की भावना, निर्मल, पावन मनोकामना।
तीजा रंग हरा हरियाला, प्रगति का रथ इसने संभाला,
मेहनतकश बन जाएं सारे, माटी देश की रूप निखारे।
सबके बीच इक चक्र है भैया, चौबीस कांटी समय का पहिया,
कहता सदा है चलते जाना, धर्म और सत्य की राह अपनाना।

रोचिका शर्मा, चेन्नई

परिवार के लिए क्या है आजादी का अर्थ?

दरअसल आजादी के अर्थ उसकी परिभाषाएं सबके लिए अलग-अलग होती हैं। देश, काल समय के अनुसार वे बदलती भी रहती हैं। आदमी, औरत, बच्चे यहां तक कि पशु-पक्षियों तक को अजादी पसंद होती है। जिस तरह देश के लिए आजादी का मतलब है कि हमें किसी की पराधीनता स्वीकार नहीं है। वैसे ही आखिर परिवार के लिए आजादी का क्या अर्थ है? परिवार में जितने लोग रहते हैं क्या उन सबके लिए आजादी के एक जैसे अर्थ होते हैं, शायद नहीं।

डॉ. क्षमा शर्मा

परिवार के हर सदस्य के लिए आजादी का अर्थ अलग है और अपने हित से भी जुड़ा है। बिना निजी हितों से जुड़े आजादी के किसी के लिए कोई मायने नहीं होता। संयुक्त परिवार में आपस में हितों की इतनी टकराहट होती है कि वहां आजादी के अर्थ खोजना दिलचस्प होगा। मान लीजिए एक परिवार में माता-पिता, एक बेटा उसकी पत्नी और एक बेटी रहते हैं तो अब इस परिवार में बहू के लिए आजादी क्या वही होगी, जो सास के लिए होती है।

आजकल हालांकि सासें

काफी बदल गई हैं, लेकिन फिर भी उन्हें यह लगता है कि पूरी जिंदगी तो वे इस परिवार के लिए का न होना ही उसकी असली आजादी है।

अब इस परिवार की लड़की

के बारे में सोचें। वह सोचेगी कि घर में आते ही भाभी उसके भाई पर कब्जा न कर ले। माता-पिता खयाल रखे। उसकी बात भी घर में सुनी जाए।

वहीं घर के पुरुषों में पिता

के बारे में पहले सोचें। उनकी आजादी का क्या अर्थ है। पिता की इच्छा होगी कि अब तक घर में मतभेद इतने न हो जाएं कि अलगाव की नौबत आ जाए।

दूसरी तरफ बेटे

का सोच क्या होगा। वह सोचेगा कि अब वह बच्चा नहीं रहा। माता-पिता बात-बात में न टोकें और न हर पल जिम्मेदारी का अहसास कराते रहें। रात-बिरात देर से लौटें तो पहले की तरह डांट न पड़े। उसकी पत्नी को बाहरी न मानकर अपना समझा जाए। उसके परिवार की भी इज्जत की जाए। साथ ही पत्नी उसके माता-पिता की इज्जत करे। आते ही अलग हो जाने की बात न करने लगे।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

सभी देशवासियों को 78वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

"सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की अनेकानेक शुभकामनाएँ। आइए, इस ऐतिहासिक अवसर पर अमृतकाल में विकसित भारत के संकल्प को और सशक्त बनाएँ।"

7

cbc 22201/13/0006/2425

● लाल किले की प्राचीर से स्वतंत्रता दिवस समारोह का सीधा प्रसारण प्रातः 6:30 बजे से दूरदर्शन नेटवर्क पर ●